



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 13] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 29, 1980 (चैत्र 9, 1902)

No. 13] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 29, 1980 (CHAITRA 9, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 29 फरवरी 1980

सं. ए० 35014/2/80-प्रशा०-II—इस कार्यालय की अधिसूचना सं. ए० 35017/1/79-प्रशा० II दिनांक 10-9-79 और 6-12-79 के अधिकरण में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के के० स० से० संबंध के स्थाई अनुभाग अधिकारी श्री एम० पी० जैन को 10-9-1979 से एक वर्ष की अवधि के लिये, अथवा आगामी अवधियों तक, जो भी पहले हो, लेखा अधिकारी के संबंध वाले पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

श्री एम० पी० जैन लेखा अधिकारी के संबंधवाले पद पर प्रतिनियुक्ति पर होंगे और उनका बेतन वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के समय-समय पर यथा-संशोधित का० जा० सं० सं. एफ० 10(24)/ई० III/60 दिनांक 4-5-1961 में उल्लिखित अनुदेशों की शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

सं. ए० 35014/2/80-प्रशा०-II—इस कार्यालय की अधिसूचना सं. ए० 35017/1/79-प्रशा० II दिनांक 516GI/79

5-1-1980 के अधिकरण में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा सं. लो० से० आ० के के० स० से० संबंध के अस्थाई अनुभाग अधिकारी श्री के० एल० कट्याल को 1-1-1980 से एक वर्ष की अवधि के लिये, आपा आगामी अवधियों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी के संबंध वाले पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्ति किया जाता है।

श्री के० एल० कट्याल, लेखा अधिकारी के संबंध वाले पद पर प्रतिनियुक्ति पर होंगे और उनका बेतन वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के समय समय पर संशोधित का० जा० सं० एफ० 10(24)/ई० III/60 दिनांक 4-5-1961 में उल्लिखित अनुदेशों की शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

एस० बालचन्द्रन,
अवर सचिव
कृते गतिविधि

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 फरवरी 1980
सं. ए० 32013/3/79-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचनाओं दिनांक 17-9-79, 2-11-79 और 9-1-1980 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा

आयोग में के० स० संवर्ग के स्थाई ग्रेड-I अधिकारी श्री एस० के० बोस और श्री एम० आर० भागवत, को राष्ट्रपति द्वारा क्रमशः 19-2-1980 और 24-2-1980 से तीन मास की अतिरिक्त अवधि के लिये, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग, के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया है।

एस० बालचन्द्रन
अवर मचिव

प्रबंधन निदेशालय

विवेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम

नई दिल्ली, दिनांक 5 फरवरी 1980

सं० ए० 11/54/74—श्री एम० एस० मलहोत्रा, प्रबंधन अधिकारी, प्रबंधन निदेशालय, दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय को, दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 17-11-79 से अगले आदेशों तक के लिये मुख्य प्रबंधन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 4 मार्च 1980

सं० ई०-3(36)/72—श्री ए० बी० चक्रवर्ती, प्रबंधन निदेशालय, कलकत्ता क्षेत्रीय कार्यालय के प्रबंधन अधिकारी को प्रबंधन निदेशालय के मद्रास क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 13-2-80 से अगले आदेशों तक के लिये मुख्य प्रबंधन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

एस० डी० मनचन्द्रा
निदेशक

गृह मंत्रालय

का० एवं० प्र० सु० विभाग
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1980

सं० बी०-2/73-प्रशा०-5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री बी० आर० लक्ष्मीनारायण, भारतीय पुलिस सेवा (तमिलनाडु-1951), अपर निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की सेवायें दिनांक 3 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से तमिलनाडु राज्य सरकार को सौंपी जाती हैं।

दिनांक 10 मार्च 1980

सं० ए० -19010/2/78-प्रशा०-5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री आर० डी० सिंह, भारतीय पुलिस सेवा (1949-बिहार), निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की सेवायें दिनांक 22 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्न से बिहार राज्य सरकार को सौंपी जाती हैं।

की० ला० ग्रोवर
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)

समन्वय निदेशालय

(पुलिस संचार)

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1980

सं० ए० 12012/1/79-प्रशासन—निदेशक, पुलिस बूर्स-संचार, समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में श्री पी० एस० कंडोला को उक्त निदेशालय में अगले आदेशों तक स्थानापन्थ अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर बेतनमान में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- पर दिनांक 15-2-80 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

छन्नपति जोशी
निदेशक

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय ओब्बोगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली 110019, दिनांक 3 मार्च 1980

सं० ई०-16016/2/79-कार्मिक—महानिरीक्षक/के० औ० सु० ब०, श्री प्रेम नाथ ओब्बराय, सहायक, को 21 फरवरी, 1980 के अपराह्न से महानिरीक्षक/के० औ० सु० सु० ब० के कार्यालय, नई दिल्ली में स्थानापन्थ रूप से अनुभाग अधिकारी नियुक्त करते हैं। श्री ओब्बराय ने उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से संभाल लिया।

सं० ई०-28013/1/79-कार्मिक—निवर्तन की आयु होने पर श्री चंद्रशील राम ने 1 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्न से के० औ० सु० सु० ब० यूनिट, एच० आई० एल०, नई दिल्ली के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-16016/2/79-कार्मिक—महानिरीक्षक/के० औ० सु० ब०, श्री जनक राज शर्मा, सहायक, को 21 फरवरी, 1980 के अपराह्न से महानिरीक्षक/के० औ० सु० सु० ब० के कार्यालय, नई दिल्ली में स्थानापन्थ रूप से अनुभाग अधिकारी नियुक्त करते हैं। श्री शर्मा ने उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से संभाल लिया।

दिनांक 7 मार्च 1980

सं० ई०-38013(3)/10/79-कार्मिक—विशाखापटनम से स्थानान्तरित होने पर श्री पी० डेविड ने 13 नवम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से के० औ० सु० सु० ब० यूनिट सेलम इस्पात परियोजना सेलम के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/20/79-कार्मिक—झासी से स्थानान्तरित होने पर, श्री आर० के० भगत ने 22 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्न से के० औ० सु० सु० ब० प्रशिक्षण रिजर्व (ज० ब० प० खेत) भिलाई के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई० 38013(3)/1/79-कार्मिक—उदयपुर को स्थानान्तरित होने पर श्री पी० सी० गुप्ता ने 24 जनवरी,

1980 के अपराह्न से केंद्रीय सुवृत्ति फरक्का आंध्र परियोजना फरक्का के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ई० 38013(3)/25/79-कार्मिक—मागर को स्थानान्तरित होने पर श्री एच० एम० पन्नू ने 31 जनवरी, 1980 के अपराह्न से केंद्रीय सुवृत्ति फरक्का के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सु० नाथ
महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 मार्च 1980

सं. 6/1/74—म० प० (प्रश्ना०-I)—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में निम्नलिखित कन्सोल अपरेटर की उसी कार्यालय में महायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर नियुक्ति की अवधि को इस कार्यालय के कालम 3 में अनित पिछले सदर्भ में दी गई शर्तों पर, तारीख 30 जून, 1980 तक या अगले आदेशों तक, जो भी समय इनमें पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं:—

क्र० स० अधिकारी का नाम	पिछला सदर्भ संख्या और तारीख
------------------------	--------------------------------

1	2	3
---	---	---

1. श्री आर० एन० तलवार	6/1/74-म० प० (प्रश्ना०-1)	तारीख 21 फरवरी, 1979
2. श्री आर० एम० पुरी	10/12/79-प्रश्ना०-1	तारीख 3 मार्च, 1979

पी० पदमनाभ
महापंजीकार

वित्त मंत्रालय

आधिकारी कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 1 मार्च 1980

सं. क्र० बी० एन० पी०/सी०/5/80—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक बी० एन० पी०/सी०/5/79 दिनांक 22-1-80 के अनुक्रम में प्रतिनियुक्ति पर आये श्री एन० जी० किंवदं, लेखा अधिकारी की नियुक्ति 20-6-80 तक बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में वर्तमान शर्तों के आधार पर बढ़ाई जाती है।

दिनांक 5 मार्च 1980

सं. क्र० बी० एन० पी०/सी०/5/80—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक बी० एन० पी०/सी०/5/79 दिनांक 24-7-79

के अनुक्रम में श्री गोदालाल लामोर की उपनियन्त्रण अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति की अवधि दिनांक 30-6-80 अथवा स्थाई पदधारी के अपने पद पर वापस होने की तिथि तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ायी जाती है।

पी० एम० शिवराम
महाप्रबन्धक

(बैंकिंग प्रभाग)

पुनर्वामि वित्त प्रशासन एकक

नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1979

सं. आर० एफ० प० भ०/79-एस्टेबिशमेंट—पुनर्वासि वित्त प्रशासन एकक की कालकृता स्थित शाखा कार्यालय पर्यवेक्ष-प्रभारी श्री बी० कौ० सेनगुप्ता को, श्री बी० ब्रह्मा अधीक्षक के स्थान पर जो वि. छट्टी पर हैं, 20 जून, 1979 से 30 नवम्बर, 1979 तक, अस्थाई तौर पर, अधीक्षक नियुक्त किया जाता है।

एन० बालमुखमनियन
प्रशासक

कार्यालय, निवेशपात्र लेखा परीक्षा

कन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-2, दिनांक 6 मार्च 1980

सं. प्रश्ना० I/का० आ० स० 628/5-5/पदोन्नति/79-80/3233—वार्धक्य-निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप इस कार्यालय के स्थाई अनुभाग अधिकारी एवं स्यानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी श्री एम० एम० एल० बद्दी भारत मरकार की सेवा से दिनांक 29 फरवरी, 1980 के अपराह्न में सेवानिवृत्त हो जायेगे।

उनकी जन्मतिथि 5 फरवरी, 1922 है।

कै० एच० छाया
संयुक्त निदेशक लै० प० (प्र०)

महालेखाकार वा कार्यालय, आंध्र प्रदेश

हैदराबाद-500476, दिनांक 6 मार्च 1980

सं. प्रश्ना० J/8-132/79-80/381—श्री एन० श्रीनिवासचारी, लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय, आंध्र प्रदेश I सेवा में निवृत्त हुये दिन 29-2-1980 अपराह्न।

सं. प्रश्ना० I/8-132/79-80/381—श्री कौ० रमण स्वामी, लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय आंध्र प्रदेश I सेवा में निवृत्त हुए दिनांक 29-2-80 अपराह्न।

रा० हरिहरन
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

महालेखाकार का कार्यालय, केरल

तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 5 मार्च 1980

सं० स्थापना/प्र०/7/9-86/खण्ड II/230—नीचे बताये स्थाई अनुभाग अधिकारियों को (लेखा और लेखापरीक्षा प्रत्येक के नाम के सामने लिखित तारीख से प्रगले आदेशों तक लेखा अधिकारी के रूप में स्थानापन्थ होने हेतु नियुक्त करने के लिये महालेखाकार केरल संतुष्ट हुए हैं:—

1. श्री वी० मुरलीधरन (प्रोफोर्म) — 23-2-80 अपराह्न
2. श्रीमती वी० एस० भानुमती अम्माल — 23-2-80 अपराह्न।
3. श्री जी० गोविन्दन नायर (प्रोफोर्म) — 23-2-80 अपराह्न।
4. श्री पी० कृष्णन कुट्री मेनोन — 23-2-80 अपराह्न।

ममी पदोन्नतियां तदर्थं आधार पर हैं और 1979 के ओ० पी० सं० 3388 और 3400 में केरल उच्च न्यायालय के अन्तिम आदेशों के अधीन होंगी।

डी० एस० अथवा
वरिष्ठ महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

आईनेन्स फैक्टरी बोर्ड

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय मिशन सेवा

कलकत्ता-700069, दिनांक 29 फरवरी 1980

सं० 7/80/ए०/ई०-1 (एन० जी०) — महानिदेशक, आईनेन्स फैक्टरियां महोदय, श्री फणि भूषण बनर्जी, स्थाई सहायक, को दिनांक 19-2-80 से अग्रिम आैश न होने तक, खण्डा पर विना प्रभावो हुए, वर्तमान रिक्षित में स्थानापन्थ सहायक स्टाफ अफसर (युप “बी” राजपत्रित) के पद पर प्रोन्नत करते हैं।

श्री बनर्जी अपनी प्रोन्नति की तारीख से दो वर्षों तक परखावधि पर रहेंगे।

2. महानिदेशक, आईनेन्स फैक्टरियां, महोदय, श्री जगदीश मित्र शारदा, स्थाई सहायक, को दिनांक 19-2-80 से जब तक संबंधित अधिकारी अपने कर्तव्यों को ग्रहण नहीं करता या श्री शारदा का नियमित प्रोन्नति रिक्षित में समाधित होने तक जिसमें जो भी पहले हो, तदर्थं आधार पर अवकाश रिक्षित में महायक स्टाफ अफसर (युप “बी” राजपत्रित) के पद पर प्रोन्नत करते हैं।

3. महानिदेशक, आईनेन्स फैक्टरियां महोदय, निम्नलिखित व्यक्तियों को भी प्रत्येक के सामने दर्शाएँ गए पब्लों में और तारीखों से वर्तमान रिक्षित में प्रबोधत करते हैं:—

1. श्री मोहित कुमार	स्थानापन्थ सहायक 19-2-80 से सेनगुप्ता, स्थाई अफसर (तवर्थ)	वही	वही
	(युप वी० राज-सी० की सीधी पत्रित)		भर्ती की तैनाती होने तक या नियमित प्रोन्नति रिक्षित में उनके समाहित हो जाने तक, जो भी पहले हो।
2. श्री जगदीश चन्द्र घोष, स्थाई सहायक	वही	वही	
3. श्रीमती छब्दी सेन, स्थाई सहायक	वही	वही	
4. श्रीमती लीना गुहा, स्थाई सहायक	वही	वही	
5. श्री संतोष कुमार दास, स्थाई सहायक	वही	वही	

उपर्युक्त व्यक्तियों ने दिनांक 19-2-80 से सहायक स्टाफ अफसर की उच्चतर कार्यभार ग्रहण कर लिया केवल श्रीमती लीना गुहा ने 25-2-80 से उच्चतर कार्यभार ग्रहण किया।

डी० पी० चक्रवर्ती
ए० डी० जी० ओ० एफ०, प्रशासन
कूते महानिदेशक

भारतीय आईनेन्स फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता, दिनांक 4 मार्च 1980

सं० 8/जी०/80—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अधिकारी को स्थानापन्थ डी० प० डी० जी० ओ० एफ० के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

श्री डी० बी० के० राव, तकनीकी स्टाफ अफसर—पहली नवम्बर, 1979।

सं० 9/80/जी०—राष्ट्रपतिजी निम्नलिखित अधिकारियों को सहायक प्रबन्धक (परखावधि) के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं:—

1. श्री वेद प्रकाश कमरा—17 दिसम्बर, 1979
2. श्री संजय कुमार सिंह चौहान—14 जुलाई, 1979
3. श्री प्रनब कुमार कर्मकार—13 दिसम्बर, 1979।

बी० के० मेहता,
सहायक महानिदेशक

रक्षा लेखा विभाग

कायलिय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 5 मार्च 1980

मं. 40011(1)/80-प्रशासन-II—रक्षा लेखा महानियंत्रक निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों (लेखा) को, स्थानापन्थ लेखा अधिकारियों के स्पष्ट में, आगामी आदेश पर्यन्त, प्रत्येक के नाम के समक्ष लिखी तारीख से एतद् द्वारा नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं०	नाम	संगठन	दिनांक
1		2	3
सर्वेश्वी			
1.	कुलबन्त सिंह बखरी	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायसेना) देहरादून (अनुक्रम नियम के अधीन लाभ सहित 19-5-78 से)	10-8-79
2.	एम० एल० मल्होदा	रक्षा लेखा नियंत्रक (मध्य कमान) मेरठ	30-1-79
3.	मोहन सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई	13-11-78
4.	जी० आर० शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक (पश्चिमी कमान), मेरठ	13-11-78
5.	एस० कृष्णास्वामी	रक्षा लेखा नियंत्रक (दक्षिण कमान) पुणे	27-1-79
6.	आर० डी० गोयल	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई	22-2-79
7.	आर० सी० भारद्वाज	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) वेहरादून	11-1-79
8.	एन० गोविन्दराव	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	12-12-78
9.	सुशील कुमार	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	29-12-78
10.	शांति कुमार जैन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तरी मेरठ	30-12-78
11.	गोरखा अर्जुन	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई	6-12-78
12.	कृष्ण कुमार गोयल	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	18-12-78
13.	ओ० पी० मस्होदा	रक्षा लेखा नियंत्रक (मध्य कमान) मेरठ	1-1-79
14.	जी० एमलिंगम सुद्धामनियम	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	3-1-79
15.	राष्ट्रे प्रयास अग्रवाल	रक्षा लेखा नियंत्रक (पैशन) इलाहाबाद	8-1-79
16.	एस० वेंकटारमन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	10-1-79
17.	सुन्दर लाल शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक (उत्तरी कमान) जम्मू	5-1-79
18.	केवल कृष्ण	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	7-4-79
19.	दर्शन लाल जैन	रक्षा लेखा नियंत्रक (पश्चिमी कमान) मेरठ	1-1-79
20.	रिपदुमन सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	17-1-79
21.	वसंत राव डांडे	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई	23-1-79
22.	जयपाल सिंह ठाकुर	रक्षा लेखा नियंत्रक (मध्य कमान) मेरठ	22-1-79
23.	के० नारायणन् कुट्टी	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास	17-1-79
24.	सी० के० चन्द्रशेखरन नायर	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	29-1-79
25.	वी० एन० गुप्ता	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	8-1-79
26.	हरि कृष्ण	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	3-1-79
27.	जगदीश चन्द्र विश्वास	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	8-1-79
28.	समे सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	1-1-79
29.	वी० आर० चेल्लापन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	3-1-79
30.	एन० पी० कुरील	रक्षा लेखा नियंत्रक (पश्चिमी कमान) मेरठ	1-1-79
31.	रमेश घन्द	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	10-1-79
32.	अतर सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (पश्चिमी कमान) मेरठ	13-3-79
33.	एम० आई० चावडा	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर मेरठ	1-1-79
34.	जगतार सिंह	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	2-1-79
35.	लक्ष्मी नारायण अहारवार	रक्षा लेखा नियंत्रक (पैशन) इलाहाबाद	1-1-79
36.	एन० नरसिंह	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	11-2-79

1	2	3
37. गोपालजी कपूर	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन) इलाहाबाद	1-2-79
38. महेश चन्द्र मेहता.	रक्षा लेखा नियंत्रक (पश्चिमी कमान) मेरठ	2-1-79
39. डी० एस० गोखले	रक्षा लेखा नियंत्रक (दक्षिणी कमान) पुणे	18-1-79
40. पी० के० परमेश्वरन नायर	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	24-1-79
41. एस० रंगा स्थामी	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	29-1-79
42. पी० आर० नागराज	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	3-1-79
43. श्री नारायण चौरसिया	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	22-1-79
44. श्रीम प्रकाश कोहली	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन) इलाहाबाद	24-2-79
45. शिव मूर्ति स्वामी	रक्षा लेखा नियंत्रक (मध्य कमान) मेरठ	30-1-79
46. एन० जी० शंकरन कुट्टी मेनन	रक्षा लेखा नियंत्रक (मध्य कमान) मेरठ	25-1-79
47. तिलक राज साठे	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन) इलाहाबाद	24-1-79
48. पी० आर० रामाघन्नन्दन	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	24-2-79
49. ए० शेषाद्रि	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	14-2-79
50. खोखे लाल अग्रवाल	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	26-2-79
51. उत्पलेन्दु भावुडी	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	13-2-79
52. एम० एल० रस्तोपी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	26-3-79
53. एम० एस० गवारी	रक्षा लेखा नियंत्रक (दक्षिणी कमान) पुणे	26-2-79
54. संथ पाल नन्दा	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	28-2-79
55. आर० बालासुब्रह्मण्यम	रक्षा लेखा नियंत्रक (नीसेना) बम्बई	19-2-79
56. जगदीश प्रसाद शर्मा	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	2-5-79
57. पी० सी० जोसफ (अब सेवा निवृत्त)	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	1-2-79
58. एच० के० कपूर (अब सेवा निवृत्त)	रक्षा लेखा नियंत्रक (मध्य कमान) मेरठ	1-2-79
59. आर० जान	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर मेरठ	26-5-79
60. मदन लाल	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्मू	26-2-79
61. वी० एस० तपे	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	1-2-79
62. के० पी० एलबाल	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर मेरठ	20-2-79
63. कृष्ण दास (अब सेवा निवृत्त)	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिणी मद्रास	2-2-79
64. भगवान स्वरूप	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	29-3-79
65. के० विश्वेसरन (अब सेवा निवृत्त)	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास	1-2-79
66. के० एल० शर्मा	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	13-2-79
67. गुरुबक्स राय अग्रवाल	रक्षा लेखा नियंत्रक (उत्तरी कमान) जम्मू	17-3-79
68. के० वी० नागेश्वर	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास	24-3-79
69. विश्वन दास भारद्वाज	रक्षा लेखा नियंत्रक (पश्चिमी कमान) मेरठ	5-11-79
70. आनन्द कुमार	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून	10-8-79
71. हंस राज कटवारिया	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्मू	19-3-79
72. एस० एस० शेन्टिकर (अब सेवा निवृत्त)	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर ()पुणे	1-3-79
73. आर० वी० गोडखीन्दी (अब सेवा निवृत्त)	रक्षा लेखा नियंत्रक (दक्षिणी कमान) पुणे	2-3-79
74. आर० जी० कुलकर्णी	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास	28-5-79
75. जी० वेंकटारमन	रक्षा लेखा नियंत्रक (नीसेना) बम्बई	1-3-79
76. अजीत सिंह भट्टी	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन) इलाहाबाद	1-3-79
77. सी० एल० मल्होत्रा	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-3-79
78. जी० वी० रघुनाथ राव	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	3-3-79
79. ठी० एस० रामामूर्ति	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन) इलाहाबाद	3-3-79
80. सुख देव शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	15-3-79
81. के० आर० वेंकटारामानन्	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास	1-3-79
82. रोशन लाल बोहरा	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	30-8-79
83. विष्णु पद बोस	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	1-3-79

1	2	3
84. एस० आर० प्रभ्रवाल (ग्रब सेवा नियंत्र)	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर मेरठ	1-3-79
85. एन० राधा कुण्णन	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई	2-3-3-79
86. आर० जै० अलकर्णी	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून	2-4-79
87. हर सोहिंदर सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन) इलाहाबाद	2-4-79
88. जान चन्द	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	2-4-79
89. बी० आर० राधाकृष्णन	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	1-2-4-79
90. रतन सिंह जायसवाल	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	2-4-79
91. एस० ए० सबनीस	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	2-3-4-79
92. टी० एस० रावत	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन) इलाहाबाद	1-5-12-79
	(2-4-79 से अनुक्रम नियम लाभ सहित)	
93. घनेश्वर स्वरूप	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	26-10-79
94. गणेश शुक्ला	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर मेरठ	31-5-79
95. निसार अहमद अंसारी	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	11-4-79
96. आर० कृष्णमूर्ति.	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्मू लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	2-4-79
97. टी हनुमान प्रसाद	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	7-4-79
98. आर्ह० बी० शर्मा (सम्प्रति दिवंगत)	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	2-4-79
99. बी० आर० थोहरा	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ	2-4-79
100. देश राज गोवर्धन	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन) इलाहाबाद	11-4-79
101. अरियन जचार्या	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून	12-4-79
102. जै० एस० अगते	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	30-5-79
103. रणजीत सिंह राणा	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	11-6-79
104. आर० क० शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	30-5-79
105. आर० वक्टेश्वरन्	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास	28-5-79
106. विजय शंकर लाल	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन) इलाहाबाद	1-5-79
107. कै० बी० नटराजन	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	5-5-79
108. कै० ए० शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान मेरठ	28-5-79
109. देश राज बत्ता	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर मेरठ	6-6-79
110. कै० परमेश्वरम्	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	1-5-79
111. पी० कै० भट्टाचार्याजी	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन) इलाहाबाद	1-5-79
112. एस० एन० चड्हा	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-5-79
113. कै० एल० बोहरा	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) वक्षिण मद्रास	29-6-79
114. भगवती नाथ श्रीवास्तव	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	31-5-79
115. बी० बी० शंकरानन्दरायनन्	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर मेरठ	14-5-79
116. रिष्ठ पाल सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन), इलाहाबाद	1-5-79
117. एस० भी० मिश्रा	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	30-8-79
118. बी० जी० पराजपे	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन) इलाहाबाद	1-5-79
119. कै० कै० जोसफ	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर मेरठ	30-5-79
120. वार्ह० कै० बानी	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास	25-6-79
121. बी० सुभद्राणियम	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	14-5-79
122. खेल भिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना), देहरादून	27-8-79
123. एम० मोहन राव	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई	10-5-79
124. सारदून भिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	30-5-79
125. कै० एन० पौलूस	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	1-5-79
126. गुरदीप सिंह चावला	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-6-79
127. श्री निवास शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	6-6-79
128. जोगिन्दर सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	2-6-79

1	2	3
129. डी० के० भल्ला	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	13-6-79
130. एम० एम० त्यागी	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) वक्षिण, मद्रास	18-6-79
131. श्रीम प्रकाश गर्ग	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	19-6-79
132. टी० जे० सेवास्थियन	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	11-6-79
133. ए० सी० सुन्दराजन	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	13-6-79
134. सी० वैकटाचलापथीराव	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	1-6-79
135. टी० जी० वैकटासुश्रृण्यगियम	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर मेरठ	7-6-79
136. प्रेम चन्द्र कपिला	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	4-6-79
137. रामचन्द्र श्रीवास्तव	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास	29-6-79
138. ए० राधाकृष्णमूर्थी	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) वक्षिण, मद्रास	7-6-79
139. कुलदीप राज शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ	30-6-79
140. पी० सुब्रह्मण्यम्	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	1-6-79
141. कुबेर सिंह	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	6-6-79
142. मूल चन्द्रगुप्ता	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ	30-8-79
143. के० बीरामांकर राव	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	5-6-79
144. ए० नागाभूषणराव	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	8-6-79
145. भास्करस कुट्टीमेनन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) वक्षिणी, मद्रास	2-7-79
146. कैलाश चन्द्र	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	4-7-79
147. दीना नाथ जीरथ	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्मू	7-7-79
148. वी० बी० रौत	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास	27-7-79
149. के० सुब्रह्मण्यम्	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई	2-7-79
150. प्यारा लाल	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	28-7-79
151. के० एल० शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	16-7-79
152. सरन प्रसाद अग्रवाल	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	3-7-79
153. मोहन लाल	रक्षा लेखा नियंत्रक, वक्षिण कमान, पुणे	16-7-79
154. शान्ति कुमार जैन	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	28-9-79
155. एस० कालीदास	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	13-7-79
156. पी० सत्यानारायनमुखि	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	26-7-79
157. सैयद मुहम्मद अली माजाद	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	5-7-79
158. शिव किशन शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	9-7-79
159. कृष्ण बल	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	6-8-79
160. अब्राहम बर्गीज	रक्षा लेखा नियंत्रक, वक्षिणी कमान, पुणे	10-7-79
161. मूल चन्द्र अग्रवाल	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	24-7-79
162. लाजपत राय मोहनद्वा	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	2-7-79
163. एम० जी० बब्तीवले	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	6-7-79
164. नरेन्द्र पाल सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	4-7-79
165. आर० डी० पल्टा	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक (निधि) मेरठ	1-8-79
166. जी० राजेश्वरन	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	3-8-79
167. एम० एन० चक्रवर्ती	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	7-8-79
168. कृष्ण लाल मल्होत्रा	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	13-8-79
169. के० जी० गुप्ता	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-8-79
170. एम० नागार्जनम अग्न्यर	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	10-8-79
171. ए० श्रीरमन	रक्षा लेखा नियंत्रक (दक्षिणी कमान) पुणे	9-8-79
172. वी० चन्द्रपेखरन पिलाई	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	30-8-79
173. एम० गोविन्दन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास	3-8-79

1

2

3

सर्वश्री

174. भलील कुमार भेन गुप्ता	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	24-9-79
175. बलदेव राज भाटिया	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	31-8-79
176. वी० के० जोगलेकर	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	1-8-79
177. वी० ए० बनर्जी	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	1-8-79
178. एच० आर० खुराना	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	7-8-79
179. भत्यनारायण बोस	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	1-8-79
180. श्रोम प्रकाश सैनी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	3-10-79
181. ए० देवराजसु	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-8-79
182. डी० के० अकुट	रक्षा लेखा नियंत्रक (पंशन) इलाहाबाद	10-8-79
183. के० मुख्यस्थामी	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास	1-8-79
184. ए० जी० माण्फोन्ट	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	1-9-79
185. महेन्द्र पाल गुप्ता	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	27-8-79
186. शौकत अली खान	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	8-10-79
187. जे० ए० कोछर	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-9-79
188. ए० आर० सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	1-9-79
189. राम कुमार गोड	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-9-79
190. ए० जे० दातार (अब सेवा निवृत्त)	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास	1-9-79
191. आर० राघवन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास	10-9-79
192. योहम्मद अफ़ज़ल	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	17-9-79
193. ए० वर्दाराजन	रक्षा लेखा नियंत्रक (पंशन) इलाहाबाद	1-9-79
194. वी० वी० नर्सिंहम्भ	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई	1-9-79
195. जी० ए० पांडे	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	10-9-79
196. पी० ए० नागराजा राव	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास	3-9-79
197. आर० वी० पटवर्धन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	1-9-79
198. श्रोउम प्रकाश गुप्ता	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	30-10-79
199. आर० पी० ए० नेही	रक्षा लेखा नियंत्रक (पंशन) इलाहाबाद	10-9-79
200. के० पश्चनाभन	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	3-9-79
201. जी० ए० बाजपेयी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	24-10-79
202. जै पाल सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ	24-10-79
203. के० ए० शाहुल हमीद	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	12-9-79
204. विनोद कुमार जैन	रक्षा लेखा नियंत्रक (प्रणिक्षण) मेरठ	1-9-79
205. नन्द कुमार	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ	1-9-79
206. ए० ए० तनेजा	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	3-10-79
207. राम भग्वेश श्रीवास्तव	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ	3-10-79
208. ए० ए० चड्हा	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	11-10-79
209. राधे स्थाम	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ	29-10-79
210. इगनाटिएस विल्सन	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	17-10-79
211. के० सी० ककड़	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	3-10-79
212. राम कृपाल गुप्ता	रक्षा लेखा नियंत्रक (पंशन) इलाहाबाद	31-10-79
213. प्रताप चन्द्र शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक (पंशन) इलाहाबाद	30-10-79
214. ए० जनर्धन राव	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	8-10-79
215. जनक राज मुदगिल	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ	3-10-79
216. मोपुरी पेलना रेड्डी	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई	25-10-79
217. ए० डी० रानाडे	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे	3-10-79

1

2

3

सर्वेश्वी

218. ब्रिज लाल	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास	26-10-79
219. कृष्ण कुमार सोबती	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास	30-10-79
220. तिलक राज चह्डा	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मद्रास	15-10-79
221. कृष्ण अनंदर रामपाल	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	3-10-79
222. ए० बी० जोगा राव	रक्षा लेखा नियंत्रक (प्रफसर) पुणे	8-10-79
223. विष्णु कुमार मिश्रा	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	29-10-79
224. टी० एस० बेंकटारमन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास	22-10-79
225. श्याम नारायण श्रीवास्तव	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ	27-10-79
226. अजीत सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) वेहरादून	29-11-79
227. के० बी० रमन	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	9-10-79
228. ० रामानुजराव	रक्षा लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	30-10-79
229. विजय प्रकाश अस्थाना	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) वेहरादून	27-12-79
230. अम्लेन्दु कुमार भट्टाचार्य	रक्षा लेखा नियंत्रक	13-11-79
231. एच० बी० ककड़कर	रक्षा लेखा नियंत्रक (प्रफसर) पुणे	12-11-79
232. एल्फेड जंग	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून	2-11-79
233. पूरन राम प्रकाश	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) वेहरादून	9-11-79
234. सुदर्शन चन्द्र गुप्ता	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्म	2-11-79
235. एम० आर० गणेशन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास	2-11-79
236. ईश्वर कुमान जैन	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	29-11-79
237. जे० कृष्णामूर्ति	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	29-11-79
238. एम० बेंकटेश्वरा राव	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ	22-11-79
239. पी० सुम्बाराव	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	2-11-79
240. के० बी० एस० ब्रह्म	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	3-11-79
241. एम० गोपाल राव	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) वक्षिण, मद्रास	24-11-79
242. राम प्रकाश	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	2-11-79
243. एच० पी० कलौजिया	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ	2-11-79
244. एम० सी० मुख्कुन्दन	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	2-11-79
245. के० कालेस्वरन	रक्षा लेखा नियंत्रक (प्रफसर) पुणे	2-11-79
246. एम० एस० आरत	रक्षा लेखा नियंत्रक (प्रफसर) पुणे	2-11-79
247. वाई० आर० विष्णुज	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	2-11-79
248. शिव प्रसाद डागोड़	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्म	2-11-79
249. श्री नाथ केशरी	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	3-12-79
250. एन० ए० कृष्णन्	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे	6-12-79
251. तारा चन्द	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	3-12-79
252. राम भजो	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ	3-12-79
253. मोहिन्दर लाल भोला	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	3-12-79
254. राम स्वरूप	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	3-12-79
255. नाथुनी राम	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	7-12-79

के० पी० राव

रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

उद्योग मन्त्रालय

(श्रीधोषिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 फरवरी 1980

सं. ए० 19018 (450)/79-प्रशासन (राजपत्रित) :—
विकास आयुक्त (लघु उद्योग), उद्योग सेवा संस्थान, विचूर के स्थाई लघु उद्योग संबद्धन अधिकारी (आधिक अन्वेषण एवं सांलिख्यकी) श्री के० अप्पुनि को दिनांक 29 अक्टूबर, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोआ से तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक, ग्रेड-II (आधिक अन्वेषण/डाटा बैंक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त
उपनिदेशक (प्रशासन)

इस्पात, खान और कोयला मन्त्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 5 मार्च 1980

सं. 1334 ए०/ए०-19012 (4-आई० एम०)/78-19 श्री०—श्री इंतेसारदीन मोहम्मद ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में डिलर के पद का कार्यभार 4 जुलाई, 1976 के अपराह्न से त्यागपत्र देकर छोड़ दिया है।

वी० एस० कृष्णस्वामी
महा निदेशक।

आकाशशाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1980

सं. 6 (20)/60-एस-I—श्री एम० जी० धोष ने, निवर्तन आयु० प्राप्त होने पर, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशशाणी, कलकत्ता का पदभार दिनांक 31 जनवरी, 1980 अपराह्न से त्याग दिया।

नन्द किशोर भारद्वाज
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1980

सं. ए० 19019/17/79 के० स० स्वा० यो०-१—
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० एम० सी० पाण्डेय को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में 15 जनवरी 1980 पूर्वाह्न से अस्थाई आधार पर आयुर्वेदिक फिजिशियन के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 5 मार्च 1980

सं. ए० 19019/7/79-के० स० स्वा० यो०-१—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० के० आर० जडेजा को केन्द्रीय सरकार

स्वास्थ्य योजना में वो फरवरी 1980 पूर्वाह्न से अस्थाई आधार पर होमियोपैथिक फिजिशियन के पद पर नियुक्त किया है।

एन० एन० धोष
उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1980

सं. ए० 19019/3/78-एन० आई० सी० जी० प्रशासन I—
अपना इस्तीफा मजूर हो जाने के फलस्वरूप डा० लिश्माउद्दीन खान ने 24 जनवरी, 1980 अपराह्न को राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली के महायक निदेशक (कवक विज्ञान) के पद कार्यभार छोड़ दिया है।

गामलाल कुठियाला
उप निदेशक (प्रशासन)

परमाणु ऊर्जा विभाग

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 3 मार्च 1980

सं. प ख प्र-1/12/79-प्रशासन—इस कार्यालय की दिनांक 5-2-1980 की समसंबंधित अधिसूचना के अनु में परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के सहायक लेखाकार श्री ए० सी० बनर्जी को उसी प्रभाग में 30-1-1980 से 2-2-1980 तक की अवधि के लिए श्री सी० वी० संपथ, सहायक लेखा अधिकारी जिन्होंने अपनी छुट्टी बढ़ा ली है, के स्थान पर पूर्णतया अस्थायी रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400 008, दिनांक 4 मार्च 1980

सं. 05000/रा०-138/1046—भारी पानी परियोजना के विशेषकार्य-अधिकारी, श्री वी० रामचन्द्रन को, भारी पानी परियोजना (तृतीयोरिन) में 11 फरवरी, 1980 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक के लिए अस्थायी रूप से स्थानापन्न श्रम —तथा—कल्याण अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

रिएक्टर अनुसन्धान केन्द्र

कलपक्कम, दिनांक 26 फरवरी 1980

सं. ए० 32023/1/77/आर-2570—रिएक्टर अनुसन्धान केन्द्र के परियोजना निदेशक ने भासा परमाणु अनुसन्धान के स्थायी आशुलिपिक तथा इस केन्द्र के स्थानापन्न आशुलिपिक ग्रेड-II श्री मुत्तेया कृष्णमूर्ति को 25-2-1980 से 11-4-1980

तक की अधिकारी के लिए स्थानापन्न रूप से तदर्यां आधार पर सहायक प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त किया है।

ए० सेतुमाधवन
प्रशासनिक अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसन्धान संगठन

अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

अहमदाबाद-380053, दिनांक 29 फरवरी 1980

सं० इस्ट/आई० एस० सी० एस०/5062/80—निदेशक, अं० उ० के० ने श्री आशुतोष एस० तिवेदी, अस्थायी इंजीनियर एस० बी० का त्यागपत्र 25 अक्टूबर 1979 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 1 मार्च 1980

सं० सैफ/इस्ट/आर० एस० सी० ई० एस०/1398/80—निदेशक, अं० उ० के० ने श्री आर० एस० लखानी, अस्थायी इंजीनियर एस० बी० का त्यागपत्र 1 मार्च 1980 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

एम० पी० आर० पाणिकर
प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 5 मार्च 1980

सं० ए० 32014/3/78-ई-I—मौसम विज्ञान के महानिदेशक निम्नलिखित व्यावसायिक सहायकों को उनके नामों के सामने दी गई तारीख से अगला आदेश मिलने तक, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के रूप में नियुक्त करते हैं।

क्रम सं	नाम	दिनांक जिससे सहायक मौसम विज्ञानी नियुक्त किया गया।
1	2	3
1.	श्री एन० शंकरन	21-1-1980
2.	श्री सुरेन्द्र माधुर	21-1-1980
3.	श्री आर० के० जैन	21-1-1980
4.	श्री आर० के० दास	21-1-1980
5.	श्री अंजनी कुमार सिंह	21-1-1980
6.	श्री ए० के० चटर्जी	21-1-1980

1	2	3
7.	श्री ई० एस० बी० राव	21-1-1980
8.	श्री बी० श्रीनिवासन	21-1-1980
9.	श्री एस० के० मूले	21-1-1980
10.	श्री वाई० के० जोगलेकर	21-1-1980
11.	श्री बी० ए० कल्याणकर	21-1-1980
12.	श्री ओ० पी० गुप्ता	21-1-1980
13.	श्री ए० गुप्ता	21-1-1980
14.	श्री बी० माधवन नैथर	21-1-1980
15.	श्री आर० एन० मुकर्जी	21-1-1980
16.	श्री बी० सदाशिवन	21-1-1980
17.	श्री पी० राघव राव	24-1-1980
18.	श्री जी० रामा राव	21-1-1980
19.	श्री एस० जे० भट्टाचार्य	21-1-1980
20.	श्री एस० अनन्तनारायणन	21-1-1980
21.	श्री एच० आर० मलहोद्धा	21-1-1980
22.	श्री के० के० जुत्थी	21-1-1980
23.	श्री सी० आर० सम्पत्कुमारन	21-1-1980
24.	श्री एस० आर० बालसुश्रेष्ठमण्यम	21-1-1980
25.	श्री बी० गुरुनाथ राव	21-1-1980
26.	श्री के० थानीकचलम	21-1-1980
27.	श्री जी० पी० ममगाई	21-1-1980
28.	श्री ए० सी० खाना	21-1-1980
29.	श्री बी० एन० गुप्ता	21-1-1980
30.	श्री आर० सी० गुप्ता	21-1-1980
31.	श्री एम० एल० वडोरा	21-1-1980
32.	श्री बी० जे० पांडे	21-1-1980
33.	श्री बाबू राम	1-2-1980
34.	श्री पी० बी० दास	28-1-1980
35.	श्री एम० एन० जाटव	21-1-1980
36.	श्री बर्णाशूरे	21-1-1980
37.	श्री मथुरा सिंह	1-2-1980
38.	श्री रामचन्द्र	21-1-1980
39.	श्री एम० बी० सरकार	25-1-1980
40.	श्री के० के० के० कुट्टी	24-1-1980
41.	श्री ई० एन० सरदार	21-1-1980
42.	श्री ए० बी० सरकार	21-1-1980
43.	श्री एन० सी० बिस्वास	21-1-1980
44.	श्री सुरेन्द्र कुमार	21-1-1980
45.	श्री पी० सी० मण्डल	21-1-1980

सं० ए० 32013 (11)/4/79-ई०-I—राष्ट्रपति, भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित मौसम विज्ञानी ग्रेड II एवं सहायक मौसम विज्ञानियों को उसी विभाग में, उनके नामों के सामने दी गई तारीख से अगला आदेश मिलने तक, स्थानापन्न मौसम विज्ञानी ग्रेड-I के रूप में नियुक्त करते हैं।

मौसम विज्ञानी ग्रेड II

1. श्री मनोरंजन दास	. 31-12-1979
2. श्री धनश्वर सिंह	. 31-12-1979
3. श्री जी० एस० गणेशन	. 31-12-1979
4. श्री जे० सी० मण्डल	. 31-12-1979
5. श्री एम० एस० राजगोपालन	. 21-1-1979
6. श्री के० बी० पुर्णेश्वर	. 29-12-1979
7. श्री ए० एम० सूद	. 31-12-1979
8. श्री बी० विज्ञास	. 31-12-1979
9. श्री सुजित कुमार शाह	. 31-12-1979
10. श्री आर० एन० गोल्डर	. 31-12-1979

सहायक मौसम विज्ञानी

1. श्री जी० सेवू	. 31-12-1979
2. श्री एम० सी० प्रसाद	. 31-12-1979
3. श्री ओरो० पी० भगवाल	. 29-12-1979
4. श्री जी० एस० अर्यर	. 31-12-1979
5. श्री आर० के० वर्मा	. 31-12-1979
6. श्री बी० वेंकटचन्द्र	. 31-12-1979
7. श्री पी० के० जैन	. 31-12-1979
8. श्री के० एस० शंकरन	. 7-1-1980
9. श्री एस० सेनगुप्ता	. 31-12-1979
10. श्री बंगलाभृत सिंह	. 31-12-1979
11. श्री जी० बी० सिंह	. 31-12-1979
12. श्री के० मुकर्जी	. 31-12-1979
13. श्री जोगिन्द्र सिंह	. 31-12-1979
14. श्री डी० के० गुप्ता	. 31-12-1979
15. श्री एस० जे० अस्थाना	. 31-12-1979
16. श्री बी० के० चावला	. 31-12-1979
17. श्री पी० भट्टाचार्य	. 9-1-1980
18. श्री टी० आर० श्रीनिवासन	. 31-12-1979
19. श्री बी० के० भल्ला	. 31-12-1979

एस० के० वास

मौसम विज्ञान उप महानिदेशक
(प्रशासन तथा भंडार)

कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक।

महानिदेशक नामर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1980

सं० ए० 32014/2/79-ई० इन्ह्यू०—महानिदेशक नामर विमानन ने श्री संदीप हालडा का नामर विमानन विभाग में सहायक परियोजना अधिकारी के पद पर तबर्थ नियुक्ति की अवधि 1 मार्च, 1980 से 6 मास के लिए और बढ़ाने की मंजूरी प्रदान की है।

बी० पी० बी० जाहरी

उप निदेशक प्रशासन,

कृते महानिदेशक नामर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 10 मार्च 1980

सं० ए० 32014/2/79-ई०—महानिदेशक नामर विमानन श्री पी० आर० छावडा, संचर सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन, नई दिल्ली, को दिनांक 14-2-80 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर सहायक संचार अधिकारी के रूप में नियुक्त करते और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात करते हैं। यह नियुक्ति श्री एस० एस० गिल, सहायक संचार अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, नई दिल्ली, के स्थान पर की गई है, जिन्हें 16-1-80 से 15-3-80 तक द्वितीय प्रशिक्षण के लिए भेजा गया था।

एन० ए० पी० स्वामी
सहायक निदेशक, प्रशासन
कृते महानिदेशक नामर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1980

सं० ए० 32014/1/80-ई०—महानिदेशक नामर विमानन निम्नलिखित विमानक्षेत्र सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से एक वर्ष की अवधि के लिए या पदों के नियमित रूप में भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तबर्थ आधार सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं और उन्हें नामर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र बमसौली (इलाहाबाद) में तैनात करते हैं।

क्रम सं०	नाम	तारीख
1.	श्री हरबंस लाल	. 28-1-80
2.	श्री क्लिंक सिंह	. 29-1-80
3.	श्री सी० बी० कलगेरी	. 29-1-80
4.	श्री एम० सी० भट्टाचार्य	. 30-1-80
5.	श्री जे० डी० मलिक	. 28-1-80
6.	श्री आर० एल० मजुमदार	. 29-1-80
7.	श्री पी० के० बनर्जी	. 28-1-80
8.	श्री एस० डी० भौमिक	. 28-1-80
9.	श्री एम० के० बर्देन	. 28-1-80
10.	श्री एस० डी० दुग्गल	. 28-1-80
11.	श्री अर्जुन सिंह	. 28-1-80
12.	श्री जी० आर० वैन्स	. 28-1-80

दिल्ली, दिनांक 6 मार्च 1980

सं० ए० 31014/1/79-ई० ए०—महानिदेशक नामर विमानन निम्नलिखित सहायक विमानक्षेत्र अधिकारियों को 1 मार्च 1980 से नामर विमानन विभाग के विमानमार्ग तथा विमान

क्षेत्र संगठन में सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी के घोष में स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	मौजूदा सैनाती स्टेशन
1	2	3
1.	श्री सच्चिदानन्दसिंह	पालम, नई दिल्ली
2.	श्री बी० एन० जयसिंह	बम्बई एयरपोर्ट
3.	श्री पी० एस० नारायणन	मद्रास
4.	श्री सुरिन्दर सिंह	बम्बई एयरपोर्ट
5.	श्री परवीन आहरी	लखनऊ
6.	श्री ए० साहा	आगरतला
7.	श्री जे० एस० सेठी	बम्बई एयरपोर्ट
8.	श्री पवन बकरी	पालम, नई दिल्ली
9.	श्री रनजीत कुमार	द्वाराणगी
10.	श्री एन० जी० गिदवानी	पालम
11.	श्री आर० एस० जसवाल	बम्बई एयरपोर्ट
12.	श्री ए० के० लखियार	रांची
13.	श्री डी० पी० मजूमदार	दम-दम
14.	श्री सी० पी० पुरुषोत्तम	मद्रास एयरपोर्ट
15.	श्री के० एस० गोजला	मद्रास एयरपोर्ट
16.	श्री ओ० पी० भट्टाचार्य	पालम
17.	श्री के० सुभ्राम्यम्]	मद्रास एयरपोर्ट
18.	श्री पी० एस० मुंतेकर	गोदा (डेवोलिन)
19.	श्री बी० एन० प्रसाद	बम्बई एयरपोर्ट
20.	श्री एस० बसु मल्लिक	दम-दम
21.	श्री एस० के० साहा	नार्थ लखीमपुर
22.	श्री बी० के० जोशी	बम्बई एयरपोर्ट
23.	श्री जी० एस० राजमणि	मद्रास एयरपोर्ट
24.	श्री बी० साह	बम्बई एयरपोर्ट
25.	श्री एस० एस० पराठे	बम्बई एयरपोर्ट (एय- रोडम आफिसर के रूप में स्थानापन्न)
26.	श्री जी० के० वर्मा	पालम
27.	श्री के० एम० हरीदास	बम्बई एयरपोर्ट
28.	श्री अवदेश प्रसाद	आगरतला
29.	श्री ईश्वरी प्रसाद	पालम
30.	श्री ए० के० सरकार	दम-दम
31.	श्री श्रीकिशन	दम दम (एयरोडम अधि- कारी के रूप में स्थानापन्न)
32.	श्री डी० के० गुहा	जमशेदपुर
33.	श्री परम हंस सिंह	गोहाटी
34.	श्री बी० के० सिंह	लखनऊ
35.	श्री एन० बी० धनपाल	मद्रास एयरपोर्ट
36.	श्री के० बी० पी० एन० सिंह	गोहाटी
37.	श्री एम० एम० सिंह	दम दम
38.	श्री एस० के० सींगल	बम्बई एयरपोर्ट
39.	श्री डी० आर० मलिक	जम्पुर
40.	श्री अशोक राजह	पालम

1	2	3
41.	श्री शिवराज सिंह	पालम
42.	श्री बी० आर० देवी रेड्डी	मद्रास एयरपोर्ट
43.	श्री एस० एम० कौशल	बम्बई एयरपोर्ट
44.	श्री युधिष्ठिर अग्रवाल	पालम
45.	श्री जी० एल० कातम	बम्बई एयरपोर्ट
46.	श्री पी० एन० तिवारी	दम दम
47.	श्री पी० जोशी	कुम्भीरग्राम
48.	श्री सी० पी० वर्धाराजन	मदुरै
49.	श्री ए० के० राव	मद्रास
50.	श्री पी० पी० जी० नायर	विशाखापट्टनम
51.	श्री ए० एन० विश्वनाथ	दम दम
52.	श्री एस० एस० साठे	पूना
53.	श्री पी० एल० सक्सेना	दम दम
54.	श्री एम० के० बनर्जी	आर० डी० आफिस दम दम
55.	श्री आर० एल० व्याला	राजस्थान सरकार के अधीन फ्लाइंग बलब जयपुर में प्रतिनियुक्त
56.	श्री गोपाल मेहता	बागडोगरा
57.	श्री एम० गोविन्दराजन	तिरुचिरापल्ली
58.	श्री एल० पी० मेन्जीस	बम्बई एयरपोर्ट
59.	श्री मिहिर कमर्किर	दम दम
60.	श्री एस० एस० वर्मा	लिंगिया सरकार के अधीन बैंगाजी में प्रतिनियुक्त
61.	श्री एन० के० अवल	मद्रास एयरपोर्ट
62.	श्री के० वैकटरमण	मद्रास एयरपोर्ट
63.	श्री स्वतन्त्रलाल	जुहू (बम्बई)
64.	श्री जे० पी० माथुर	बम्बई एयरपोर्ट
65.	श्री आर० जलपुरी	पालम
66.	श्री एस० के० सेन	दम दम
67.	श्री पी० सन्ध्याल	दम दम
68.	श्री राकेश वर्मा	पालम
69.	श्री के० के० एन० फिल्म	कोचीन
70.	श्री कमल पराशेर	पालम
71.	श्री एस० इब्राहीम	मद्रास एयरपोर्ट
72.	श्री के० बागची	सफदरजंग
73.	श्री ए० बी० दत्त	दम दम
74.	श्री आशाराम	पोर्ट ब्लेयर, (विमानक्षेत्र अधिकारी के पद पर स्था- नापन्न रूप में कार्यरत)
75.	श्री विलियम मिंज	गया (विमान क्षेत्र ^{अधिकारी के पद पर स्था- नापन्न रूप में कार्यरत)}
76.	श्री पुरज चन्द	बम्बई एयरपोर्ट

बी० बी० जौहरी
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च, 1980

सं० ए० 32013/5/78-ईसी—इस विभाग की दिनांक 14-11-79 की अधिसूचना सं० ए० 32013/5/78-ईसी के क्रम में राष्ट्रपति ने श्री आर० पी० शर्मा की नागर विमानन विभाग में उपनिवेशक संचार के रूप में तवर्थ नियुक्ति को 12-10-79 के बाद 31-12-79 तक जारी रखने की मंजूरी दी है।

दिनांक 10 मार्च, 1980

सं० ए० 32014/4/79-ईसी—महानिवेशक नागर विमानन निम्नलिखित दों संचार सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से तदर्थ आधार पर सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं और उनके नाम के सामने दिए गए स्टेशनों पर तैनात करते हैं :—

क्रम	नाम	मौजूदा	नया	कार्यालय
सं०		तैनाती	तैनाती	संभाल की
		स्टेशन	स्टेशन	तारीख
1.	श्री आर० एम० वैमानिक आधार	वै०सं० संचार स्टेशन, विवेन्द्रम	वै०सं० स्टेशन, कलकत्ता	31-12-79 (पूर्वाह्न)
2.	श्री के० पी० पी० वैमानिक मेनम	वै० सं० स्टेशन संचार स्टेशन विवेन्द्रम	वै० सं० स्टेशन मद्रास	27-12-79 (पूर्वाह्न)

सं० ए० 38012/1/79-ईसी—निवत्तं आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर श्री ए० सी० बोस सहायक संचार अधिकारी, नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद ने दिनांक 31-12-1979 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ए० 38013/1/80-ईसी—निवत्तं आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी भेवा से निवृत्त होने पर वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित तीन अधिकारियों ने 31-1-80 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है :—

क्रम	नाम व पवनाम	स्टेशन	सेवा
सं०			निवृत्ति की तारीख
1	2	3	4
1.	श्री जी० एन० नायर तकनीकी की अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, विवेन्द्रम	वै०सं० (अपराह्न)

1	2	3	4
2.	श्री वी० रामनथन महायक तकनीकी अधिकारी	निदेशक, रेडियो निर्माण प्र्रा० विकास एक्क नई दिल्ली	31-1-80 (अपराह्न)
3.	श्री जे० इसाई महायक संचार अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	31-1-80 (अपराह्न)

एन० ए० पी० स्वामी
सहायक निवेशक, प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1980

सं० 1/19/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिवेशक एमद्वारा पुणे शाखा के तकनीकी सहायक, श्री वी० एस० राम राव को नियमित आधार पर 10 जनवरी, 1980 वे: पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक बम्बई शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

पा० कि० गोविन्द नायर
निवेशक (प्रशा०)
कृते महानिवेशक

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बड़ौदा
बड़ौदा, दिनांक 7 मार्च 1980

सं० 2180 3/समाहर्ता—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अहमदाबाद के कार्यालय के वर्ग 'ख' अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्री एम० बी० खें को दिनांक 29-2-80 से स्वैच्छिक आधार पर सेवानिवृत्ति होने की अनुमति दी जाती है क्योंकि उन्होंने 20 वर्ष से अधिक की अहंक भेवा पूरी कर ली है।

गमाहर्ता
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बम्बई

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय
सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क
नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1980

सं० 3/80—श्री दुर्गप्रसाद ने, दिनांक 13-2-80 (अपराह्न) को निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय, सीमा व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के नई दिल्ली स्थित मुद्यालय में निरीक्षण अधिकारी ग्रुप 'क' के पद का कार्यभार त्याग दिया और दिनांक 14-2-80 के पूर्वाह्न से निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय सीमा व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के गाड़ियाबाद स्थित उत्तरी प्रावेशिक

यूनिट में निरीक्षण अधिकारी ग्रुप 'क' के पद का कार्यभार संभाल लिया।

कृ० रेखी
निरीक्षण निदेशक

चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना

चित्तरंजन, दिनांक मार्च 1980

सं० जी० एम० ए०/जी० ए८०/८ (एडमिनिस्ट्रेशन) — निम्नलिखित स्थानापन्न इंजीनीय-श्रेणी अधिकारियों को जो राम्रति दक्षिण रेलवे में प्रबल वेतनमान में स्थानापन्न रूप में नियुक्त हैं तथा इस प्रशासन में तृतीय श्रेणी के पद पर उनका लियन है, उनके नाम के सामने अंकित तिथि से चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना के कार्यालय विभाग के संबंध में इंजीनीय श्रेणी वेतनमान में सहायक कल्याण अधिकारी के पद पर स्थायी किया जाता है।

अधिकारी का नाम

किस अवधि स्थायी करने के लिए की तारीख
स्थायी किया गया

1. श्री एम० पी० चैल्लाप्पान	11-7-73 (पूर्वाह्न) से 5-6-78 (प्रपराह्न) तक	—
2. श्री ए० के० मुखर्जी	—	6-6-78 (पूर्वाह्न)
		के० रमन महाप्रबन्धक

केन्द्रीय जल आयोग

नई विल्ली-110022, दिनांक 6 मार्च 1980

सं० ए-19012/756/78-प्रशा० पांच—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा श्री उल्लास टीकेकर को गंगा बेसिन जल संसाधन संगठन में सहायक इंजीनियर के रूप में रु 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 20 मार्च, 1979 की पूर्वाह्न से स्थानापन्न क्षमता में, अगले आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

2. श्री उल्लास टीकेकर सहायक इंजीनियर के पद पर 20-3-79 से दो वर्ष की अवधि तक के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

दिनांक 7 मार्च 1980

सं० ए-19012/724/78-प्रशा०-पांच—प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री एम० पी० एस० बीर पर्यवेक्षक को पदोन्नति पर अतिरिक्त सहायक इंजीनियर के ग्रेड में रु 650-30-740-

35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 24-6-78 की प्रपराह्न से पुर्णतया अस्थायी तथा तर्वर्ष आधार पर केन्द्रीय जल आयोग में इस पद को नियमित प्राधार पर भरे जाने तक, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 10 मार्च 1980

सं० एफ० सं० ए०-19012/778/79-प्रशा० पांच—लंघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री मेघ चन्द मीना को केन्द्रीय जल आयोग, नई दिल्ली में सहायक अनुसन्धान अधिकारी (विज्ञान-भौतिकी) के रूप में रु 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में रु 650/- (छ: सौ पचास रुपये के बल) के प्रारम्भिक वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में 26 फरवरी, 1980 की पूर्वाह्न से, अगले आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

श्री मेघ चन्द मीना, सहायक अनुसन्धान अधिकारी (विज्ञान-भौतिकी) के पद पर 26-2-1980 से दो वर्ष तक की अवधि के लिए परिवीक्षा पर होंगे।

जे० के०	साह
अवर	सचिव
केन्द्रीय	जल आयोग

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022, दिनांक 7 फरवरी 1980

सं० 2/152/70-प्र०-I-ब—प्रध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा, श्री रोहताश मिह पर्यवेक्षक को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियर श्रेणी-2 सेवा में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियन्ता के ग्रेड में दिनांक 20-6-79 से अथवा अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न तौर पर नियुक्त किया जाता है।

एस० आर० खीथा
अवरस चिव

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

“कम्पनी अधिनियम 1956 और बोर्डेन कारपेट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्वी) के विषय में

कानपुर, दिनांक 6 मार्च 1980

सं० 2291/1417—प्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (4) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर बोर्डेन कारपेट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्वी) का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ओ० पी० चड्ढा
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज
य० पी० कानपुर

“कम्पनी अधिनियम 1956 और आर्यन चिट फन्ड एन्ड
फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 7 मार्च 1980

सं० जी/स्टेट/560/2803/1953—कम्पनी अधिनियम,
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में
एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के

अवसान पर आर्यन चिट फड एन्ड फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड
का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर
से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

एन० एन० मौलिक
कम्पनी रजिस्ट्रार
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-ए, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 1 मार्च 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/3-80/995—
यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि 15 बीघा 12 बिस्त्वा है, तथा जो गांव गदईपुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती शकुन्तला वर्मा पर्टिन मनोहर सिंह वर्मा निवासी 14 विशाल कालोनी नजफ गढ़ रोड, द्वारा इनके जनरल अटोरनी श्री प्रभू लाल दो भाई झुंटामल बी-14, विशाल कालोनी, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्रीमती आशी याकी लाओ एक्टिन स्व० श्री जे० डी० वेन्डाचुक निवासी बी-5, ग्रेटर कैलाश-I इनके जनरल अटौरनी श्री एस० तेन्जिंग

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 15 बीघा 12 बिस्त्वा, खसरा नं० 397/1, (3-5), 397/2 (0-3), 398 (3-12), 399 (4-16), 400/2 (3-16), साथ बाऊंडरी वाल, ट्यूबवैल (2), फार्म हाऊस, गांव गदईपुर नई दिल्ली में स्थित है।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज-ए, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 1-3-1980

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/।/एस० आर०-IV/6-79/
1053—यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1/359 भाग प्लाट नं० 32 है, तथा जो फैन्डस
कालौनी जी० टी० रोड, झिलमिल तहारपुर शाहदरा दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 2-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

यतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. (1) श्रीमती कमला वर्मा स्व० श्री बी० एन० वर्मा,
(2) श्री सुरिन्दर नाथ वर्मा और श्री रजिन्द्र नाथ वर्मा
पुत्र (स्व०) बी० एन० वर्मा निवासी 422 जी० टी०
रोड, शाहदरा, दिल्ली

(अन्तरक)

2. (1) श्री हरनाम सिंह आनन्द पुत्र श्री अमीर सिंह
आनन्द निवासी डी-58 फेस-I अशोक बिहार
दिल्ली-52

(2) श्री मुन्दर सिंह आनन्द पुत्र श्री अमीर सिंह आनन्द
निवासी जी-101 एल, टी० जी० मकान फेस-III,
अशोक बिहार, दिल्ली-52

(3) श्री अजीत सिंह पुत्र श्री अमीर सिंह निवासी जे-165,
फेस-I, अशोक बिहार दिल्ली-52

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्राप्ती नं० 1/359 पार्ट नं० 32, खसरा नं० 1171/320,
क्षेत्रफल 375 वर्ग गज जो कि फैन्डस कालौनी जी० टी० रोड,
झिलमिल तहारपुर शाहदरा दिल्ली में स्थित है।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-3-1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एल० आर०-IV/
6-79/1075—यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 122/15-ए प्लाट नं० 44 है,
तथा जो शंकर नगर गोण्डली, दिल्ली में स्थित है (और इसे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपद्धारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गुरु देवी धर्मपत्नी सुरज प्रकाश रामपाल
निवासी 596/एच-6/9, नेहरू गली, गांधी नगर
दिल्ली-1

(अन्तरक)

2. श्रीमती कुन्ती लगू धर्मपत्नी श्री सोम नाथ गुरु निवासी
1543 गली आर्य समाज, बाजार सीता राम, दिल्ली-6
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 122/15-ए, जो कि प्लाट नं० 44, खसरा
नं० 156 स्थित है शंकर नगर, गोण्डली दिल्ली जिसका थेटफल
100 वर्ग गज जो कि स्पेशलिकली इंस्ट्रूमेंट अन्तरक कि रजिस्ट्री
में है। 22-6-1979।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002,

तारीख : 6-3-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 मार्च 1980

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/
6-79/1472—यतः, मुझे जी० सी० अग्रवाल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है।
और जिसकी सं० क्वाटर नं० एफ-255 है, तथा जो न्यू राजिन्द्र
नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है
और घन्तरक (घन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों के
बीच ऐसे घन्तरण के निए तय पारा गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त घन्तरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है) :—

(क) घन्तरण से हुई किसी पार की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रभारक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या निवी बन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आपहर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, त्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्षातः—

1. श्री अवतार सिंह पुत्र श्री अमर सिंह निवासी 6/23
वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, रजिस्टर्ड जनरल एटार्नी
श्री एस० सी० नन्दा पुत्र श्री हर नारायण नन्दा,
निवासी आर-32, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली-1
(अन्तरक)

2. श्री जगदीश सिंह पुत्र श्री अमर सिंह निवासी 6/23,
वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्बन्धित के अर्जन के पंद्रह में कोई भी आवेदन।—

(क) इस दूचना के राजवन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या नवसंबंधी व्यक्तियों पर मूल्यान्वयन से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अधिक बाब में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस मूल्यान्वयन के राजवन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी
प्रथम व्यक्ति द्वारा, अब्रोडस्टाक्सरी के नाम लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20क में परिचालित हैं, वहो मर्यादा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गवर्नरमेंट क्वाटर नं० एफ-255, जिसका क्षेत्रफल 125 बर्ग गज है जो कि स्थिति है न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली में है।

जी० सी० अग्रवाल
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-3-1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० ठी० एन० एस०—
 ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्राप्तक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 7 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/6-79/
 243—यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,
 ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
 की धारा 269व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यदि
 विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
 उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
 और जिसकी सं० दुकान 3 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-2 नई
 दिल्ली में स्थित है और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण
 रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
 में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
 अधीन, तारीख जून 1979
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
 बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
 प्रतिफल का फौर्ह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक
 (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रत्यक्षितयों) के बीच ऐसे
 अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
 नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से इह किसी भाय की बाबत उक्त
 प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिये; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
 घन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुष्ठण में,
 उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपशारा, (1) के
 अधीन, निम्नलिखित अर्थक्षियों अर्थात् :—

1. डी० एल० एफ० बिल्डर, 21-22, नरेन्द्रा पैलेस पार्लियामेंट
 स्ट्रीट नई दिल्ली
 (अन्तरक)
2. मैसर्स परफैक्शन सिल्क एण्ड साड़ी हाऊस, ए-6 एन०
 डी० एस० ई०-१ नई दिल्ली
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
 जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
 पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे ।

उपलब्धोक्तरता :— इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
 गया है।

अनुसूची

एक दुकान नं० 3 क्षेत्रफल 557.47 वर्ग गज जो कि
 ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली में स्थित है ।

जी० सी० अग्रवाल
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक ग्रायकर प्राप्तक, (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 7-3-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० पृ० १०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस० आर-III/
6-79/207—यह, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
परन्तु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
प्रधीन उक्तम प्राविधारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जितना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० 21 है, तथा जो रिंग रोड, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त वंशति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में वास्तविक
छार में नियत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मासितयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या जिसे जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः:—

1. मैसर्से प्रोम प्रकाश बलदेव कृष्ण निवासी जी-सी/6
वेस्टन इक्सटेन्शन एरिया करोल बाग नई दिल्ली
(अन्तरक)
2. सिस्टर आफ चेरीटरी 21, रिंग रोड, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्बति के अर्जन के प्रबन्ध में कोई आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजनीत में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनीत में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध निसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बंगला नं० 21, रिंग रोड, नई दिल्ली जिस का 3200 वर्ग
फुट है। जिसका लेलोफिकली डीस काइवार्ड भें इन्स्टूमेंट अन्तरक
की डीड में है।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-3-1980

मोहर :

इकम आई० टी० एन० एस०—

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० १/एस० आर०-II/।
८-७९/१६६—यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन समय प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है
कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० खेती हुर भूमि है, तथा जो गांव विजवासन,
तहसील, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-६-१९७९
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का
कारण है कि यापार्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से
अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और प्रत्यक्षिती (प्रत्यक्षितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिशत,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वै वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ओय की वास्तव उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिवेद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी ओय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय ब्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तरक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के द्वयोन्नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के प्रत्यक्षरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्वत :—

1. श्रीमती फूल वती पुत्री श्रीमती धीर सिंह पुत्री श्रीमती
स्व० चनगी राम निवासी गांव विजवासन, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्रीमती सत्तोष देवी पुत्री श्रीमती महाबीर सिंह निवासी
गांव और डाकघासा भट गांव जिला सोनीपत
(हरियाणा)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्यम में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित
है, वही प्रथं होगा, जो उम प्रधायाय में
विया गया है।

अनुसूची

खेतीहर भूमि 38 बीघा और 16 बिसवा खसरा नं०
67/16, 16/26, 43/6, 43/7, 43/14, 43/15 गांव
विजवासन तहसील महरौली नई दिल्ली ।

जी० सी० अग्रवाल
संसाम प्राधिकारी
सहायक ब्रायकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-३-१९८०

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०--

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, 4/14क, आसफली मार्ग नई दिल्ली-1100002

नई दिल्ली-110002, विनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I-/एस० आर०-III/
6-79/170—यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खेती भूमि है, तथा जो गांव महरौली तहसील, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979 को तारीख 11 जून, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अंतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तब गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में की रखने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तरक प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिंगने में सुविधा के लिए;

अतः, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकतयों, अर्थात् :—

3—516GI/79

1. श्रीमती राजो धर्म पत्नी श्री शीश राम निवासी गांव महरौली, तहसील, महरौली, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री इन्द्र लाल सूरी पुत्र श्री लेट दयाल भल सूरी और विनोद कुमार सूरी पुत्र श्री इन्द्र लाल सूरी निवासी ई-248, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

गौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के समन्वय में कोई भी माझे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अधिकतयों पर सूचना को तामीन में 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रतिवाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकतयों द्वारा किसी अविन द्वारा;

(ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अधिकत द्वारा, अधोवृक्षाकारी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

संबोधीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

एप्रीकलचरल भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 बीघा और 8 बिसबा जो कि स्थित है। गांव महरौली, तहसील महरौली नई दिल्ली जो स्पेसिकली इंस्ट्रूमेंट्स अन्तरक की डीड में है।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

महायकर प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-3-1980

मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1

4/14 क आसफ़अली मार्ग, नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/।/एस० आर०-III/
6-79/188—यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि खेती है, तथा जो गांव सापुर, तहसील
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाङ्ग अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरे किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त प्रविनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना वाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री कैलाश चन्द्र पुत्र श्री भोला नाथ निवासी गांव महरौली
और श्री प्रेम चन्द्र गुप्ता जो गुरदियाल और आधा
उसके पुत्र राजीव गुप्ता, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मण दास पुत्र श्री फकीर चन्द्र लूधरा और श्रीमती
लाजबन्ती धर्म पत्नी श्री लक्ष्मण दास निवासी 4 मोहन
प्राशीश, बस्वई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हैं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रथम वाकित द्वारा, अधीक्षणाकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एग्रीकलचरल भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 बीघा जो कि स्थित
है गांव शहूरपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली जो स्पेसीफिकली
इस्टर्स्मेंट में है । अन्तरक की डीड में है ।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-3-1980

मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/६-७९/
222—यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
दस्के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० बी०/१३-बी० है, तथा जो कैलाश कालोनी नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चव प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई निसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, जैसे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहिन्द्र पाल खन्ना पुत्र स्व० राम सहाय खन्ना
बी०/३१-बी०, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. मैसम अमृत इस्टेट प्राइवेट ए०-३ कैलाश कालोनी नई
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्वन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रतीक्षाकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

संष्कीरण :——इसमें पुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अन्याय 20-क में वरिभाषित हैं, वही
प्रयोग होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुद्धवो

एक मंजिला मकान नं० बी०-३१/बी जिसका क्षेत्रफल 634
वर्ग गज तथा जो कि कैलाश कालोनी में स्थित है।

जी० सी० अग्रवाल
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली-नई, दिल्ली-110002

तारीख : 7-3-1980

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निवेश नं० श्राई० ए० सी०/एक्य०/ग्र० आर०-III/6-79/
245—यतः मुझे जी० सी० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान 13, 14 और 15 है, तथा जो ग्रे टर
कैलाश-III नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रति-
फल के लिये प्रस्तुति की गई है प्रीर पुङे यह विश्वास करने वा
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिशत रो
पणीय है और प्रस्तुतक (प्रतारकों) प्रीर प्रस्तुतियों (अन्तरितियों)
के दीघ ऐसे अन्तरण के लिये हय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाल्यावक रूप से फृष्टि नहीं
किया गया है:—

(क) प्रस्तुत से हुई किसी भाय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कार देने के अन्तर्नक के दायित्व में
कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी फिसी आय या छिसी इन या अन्य प्राप्तियों की
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धननकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमान
अन्तरिती द्वारा वक्त नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, छिसी में सुविधा के लिए;

यतः यद्युपर्याप्त, जी धारा 269-घ के धन-
संख्या में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन 1—

1. डी० एन० एफ० बिल्डर, 21,22 नरेन्द्रा पैलेस,
पालियामेट स्ट्रीट नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. मैसस बैनसनशु, स्वास्थ्यक हाऊस आन्द्रा बैंक बिल्डिंग
सपक स्टोर के पास) अजमल खां रोड ब्रूकरोल बाग,
नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिता करता हूँ।

उमा तमाति के प्रवर्तन के प्रमाण में कोई भी प्राप्ते:—

(क) इस सूचना के राजपत्र पर प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षितियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रत्येक व्यक्ति द्वारा अवोहस्तात्तरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
मर्ग होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 13, 14, 15 जिसका क्षेत्रफल 1013,29
वर्ग गज, कमर्शल कम्पलेक्स, प्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित
है।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण,
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-3-1980

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/एस० आर-3/
6-79/244—गत, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
द्वाके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान 10 और 11 है, तथा जो कमर्शल
कम्पलैक्स ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रत्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपाधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति :—

1. जी० ए० म०म०फ० चिल्डर 21, 22 नरेन्द्रा पैलेस,
पालियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री जमीत मिहू पुत्र श्री एस० जयवंत सिंह निवासी
डी-11 एन० डी० एस० ई०-भाग- नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हित्रद्विसी अवधि द्वारा अत्रोदृस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक दुकान जिसका नं० 10 और 11 जिसका क्षेत्रफल
1126.20 वर्ग फुट है तथा जो कमर्शल कम्पलैक्स ग्रेटर कैलाश-
2 में स्थित है।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-3-1980

मोहर :

प्रधान आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/
६-७९/२१८—यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इतने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन अक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० एम० 160 है, तथा जो ग्रेंटर कैलाश-2 नई
दिल्ली में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पृष्ठ
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और
ग्रन्तरात् (अन्तर्गत) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।

(क) ग्रन्तरण में हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, प्र्यात् :—

1. श्री एस० अमीक सिंह बालिया पुत्री श्री एस० मेला
सिंह बालिया 44/1 रोड बिल्डिंग कनाट सकेंस
नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्रीमती सुमन महाजन पत्नी श्री केशव चन्द्र महाजन
सी-43 डिफैन्स कालोनी नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरंगबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
प्रमाण होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित
में किए जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खाली प्लाट नं० एम-160, क्षेत्रफल 400 वर्ग गज
जोकि ग्रेंटर कैलाश में स्थित है।

जी० सी० अग्रवाल
मशम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-3-1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राइंटी ८० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निदेश सं० प्राइंटी १० सी०/एक्य० १/एस० प्रार०-III/
६-७९/२१७—यतः, मुझे जी० सी० श्रग्रवाल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम-103 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली में स्थित है (प्रौढ़ इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए मन्त्रित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्त्रकर (अन्तरकों) और मन्त्रिती (मन्त्रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शान्तिव में कमी करने या उससे अन्तरण में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुग्रह में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलाय (१) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

१. श्री जगदीश चन्द्र पुत्र श्री मुकुल राज मगों, निवासी आर-244 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-48 (अन्तरक)
२. श्रीमती देवेन्द्र मोहिनी खाना पत्नी श्री प्रेम स्वरूप खाना,

निवासी सी-4/140, सफदरजंग डिवलपमेंट एरिया, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह नूत्रा जारी फरह दर्शाना नियम के प्रति के लिए कार्यालयों शुरू करा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

- इस सूचना के राज्यता में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्रमाण होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- इस सूचना के राज्यता में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किनी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में हिए आ सके।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० एम-103, ग्रेटर कैलाश-II; नई दिल्ली। जिसका क्षेत्रफल 300 वर्गमील है।

जी० सी० श्रग्रवाल
सम्पत्ति प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/एस० आर०-III/
6-79/214—अतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रतिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० आर०-63 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-I, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
मुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पुष्पा वन्ती निवासी आर-63, ग्रेटर कैलाश-I
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती श्रावा राष्ट्रीजा, निवासी आर-63, ग्रेटर कैलाश-I
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैत के प्रमाण में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रतिधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से निसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
कियो अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्वार्थीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20क में यथा परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक 2 1/2 मंजुला मकान जिसका क्षेत्रफल 2800 वर्ग
फीट है। जो स्थित है। आर-63, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-3-1980

मोहर :

प्रख्यप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को बारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 दिल्ली

नई दिल्ली-110002, विनाक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/एस० आर०-3/
6-79/215—यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी० धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये
से अधिक है

और जिसकी सं० आर०-63 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, सारीब जून 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापरित में कमी फरमे या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी क्षिप्री आय या क्षिप्री घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अन्तः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, को धारा 269-घ की उपद्वारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रहीत :—

5—516 GI/79

1. श्रीमती पुष्पा वन्ती निवासी आर-63, ग्रेटर कैलाश-I,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश चन्द्र राखिजा निवासी, आर-63, ग्रेटर
कैलाश-1, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया मुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशरी के पास
लिखित में छिप जा सकें।

रजिस्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोर पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भावित हैं, वही पर्यंत होता, जो उस प्रथाय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक 2 1/2 मंजला मकान नं० आर-63, जिसका क्षेत्रफल
3200 बर्ग फीट है। जो कि स्थित ग्रेटर कैलाश-I, में है।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, दिल्ली-110002

तारीख : 10-3-1980

मोहर :

प्रखण्ड प्राई० टी० एन० एस०—

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एक्य०/I/एस० आर०-III/
6-79/213—अतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,
मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय मन्त्रिति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ब्यप्त से प्रधिक है

और जिसकी सं० ई-572 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-१, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीर्टी प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,
तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्त्ररक्त (मन्त्ररक्तों)
और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण
लिखित में वास्तविक रूप न किया गया है:—

(क) प्रस्तरण में हुई किसी आय की बावत उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन रुप देने के प्रस्तरक के
दायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ईश्वर चन्द्र गुप्ता सुपुत्र श्री स्वर्गीय राम चन्द्र गुप्ता,
ए-II, ग्रेटर कैलाश इन्क्लेव-II, नई दिल्ली।

(मन्त्ररक्त)

2. (1) श्री प्रेम नारायण मेहरा,
(2) श्री प्रदीप नारायण मेहरड,
(3) श्रीमती किरन मेहरा 2/6 अन्सारी रोड,
दरिया गंज, दिल्ली।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवश्यक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तापारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्लाट जिसका नं० ई-572 है। जिसका क्षेत्रफल
550 वर्ग गज जो स्थित है। ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-१, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, विनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस० आर०-III/
6-79/212—अतः, मुझे जी० सी० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एस-217 है, तथा जो प्रेटर कैलाशII-, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकरण के लिए प्रन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया या प्रतिकरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अनुसरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
यौर/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री योगेन्द्र पाल अग्रवाल निवासी, 3936, गली खसरा
वाली, पहाड़ गंग नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री विजय सिंह मेहता और श्रीमती बीना मेहता;
ए-88, नई दिल्ली साऊथ एक्सटेनशन पार्ट-II, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्त्राक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परंतु का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक 2 1/2 मंजिला मकान जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज
है। जिसका नं० एस-217 स्थित प्रेटर कैलाशII-, नई दिल्ली
में है।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1110002

तारीख : 10-3-1980

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली कार्मलिय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्स०/I/एस० आर०-III/
6-79/204—अतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के
अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० सी-158 है, तथा जो डिफेन्स कालौनी, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावरु अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती ज्ञान देवी पारगल धर्म पत्नी स्वर्गीय श्री एम०
आर० पारगल निवासी लुधियाना (पंजाब)
डॉ एच० के० पारगल पुत्र स्वर्गीय श्री एम० आर०
पारगल निवासी 74-एम सुन्दर नगर नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. डॉक्टर (मिसिस) प्रीतो पारगा, धर्म पत्नी
डॉक्टर एस० के० पारगल निवासी 74, सुन्दर नगर,
नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो की अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षणात्मकी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० सी-158, डिफेन्स कालौनी, नई दिल्ली, जो कि
बना हुआ है। जिसका क्षेत्रफल 325 कर्च गज है। जिसका
स्पेसिफिकली डिस्क्रीब्रिड में इन्स्ट्रूमेंट्स दिए वह अन्तरक की
डीड में है।

जी० सी० अग्रवाल
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-3-1980

मोहर ।

प्रकृष्ट प्राइंट ट्री। एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस० आर०-III/
6-79/191—अतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० द्वेषी भूमि है, तथा जो गांव तुकलका बाद,
तहसील महूरौली नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण स्वप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख, जून 1979
को पूर्वोक्त नं० गति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्टामान प्रति-
फल के निए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के दीने पैदे प्रन्तरण के लिए तथा पापा गया प्रतिकृ, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहियत नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, किपाने में गुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स बनारसी दास चड्डा एण्ड ब्रदर्स (1) डी-18
लाजपत नगर नई दिल्ली जिसका पार्टनर श्री बनारसी
दास चड्डा, धर्मपाल, चड्डा, सुधीर चड्डा और संदीप
चड्डा।

(अन्तरक)

2. श्राद्धर्ष फार्म, 8/27, ईस्ट पटेल नगर, जिसके पार्टनर
कैलाश देवी हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आगे करके प्रत्यक्षित संपत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ :

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या नर्तांबंधी व्यक्तियों गर सूचना की
नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अस्ति बाद में
नमाप्त होती हा, के भीतर प्रत्येक व्यक्तियों में
में किमी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा रहेंगे।

प्रत्यक्षित:—इसमें प्रस्तुत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के में
परिवापित हैं, वही अर्थ होता, जो उस
अध्याय पे दिया गया है।

अनुसन्धान

एग्रीकलचरल भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 विघा और 3
विश्वाम जो स्थित है तुकलकाबाद, तहसील महूरौली, नई दिल्ली।

जी० सी० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-3-1980

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/उ/एम० आर०-II/ 6-79/189—यतः, मुझे, जी० सी० श्रीग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का निर्णय है कि स्थावर सम्पत्ति, बिलका उचित बाजार मूल्य 2,00,00/- रु० से अधिक है। प्रौढ़ जिमकी सं० खेती भूमि है, तथा जो तुकलकाबाद, तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (प्रौढ़ छसरो उपबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णलूर से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरीत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण न हो सिसो आय को बाबत, उक्त धर्मान्वयम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिसी में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को निरुद्ध भारतीय आयनार मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धर्मान्वयम, या धन-कर धर्मान्वयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रस्तावितों द्वाया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारियों, अर्थात् :—

1. मसर्स बनारसी दास चड्ठा एण्ड ब्रदर्स डी-18, लाजपत नगर, नई दिल्ली, जिसके पार्टनर श्री बनारसी दास चड्ठा, धर्मपाल चड्ठा, सुधीर चड्ठा और प्रदीप चड्ठा (अन्तरक)

2. आदर्श फार्म, 8/27, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली जिसके पार्टनर कैलाश बेरी है। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी रखे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के अंतर्वर्ती कोई भी आप्ता :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अधिकारियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारियों में से किसी अधिकता दाता;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कृतबद्ध किसी प्रन्य अधिकता द्वारा अधोहस्ताक्षरी के राग लिखित में किए जा सकें।

स्थावीकरण --- इसमें प्रयुक्त अधिकारी और दर्ता का, ता उक्त अधिनियम, के यज्ञाय 20-क में प्रसिद्धि है, वही प्रबंध होगा जो उस अदाय में दिया गया है !

प्रनुसूची

एग्रीकलचरल भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 मिघा और 16 बिलास जो स्थित है गांव तुकलकाबाद तहसील महरोली, नई दिल्ली ।

जी० सी० श्रीग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-3-1980

मोहर :

प्रमुख प्राई० डी० एन० एस०

रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 1/एस० आर०-३/
६-७९/१९५—यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारब्र है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० खेती भूमि है, तथा जो गांव तुकलकाबाद,
महरौली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया,
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
पार्श्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हे आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनामे अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा से लिए;

अः पर, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलाप (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बतातः ।—

1. मसस बनारसी दाम चड्डा एप्ट ब्राइट्स डी-१८, लाजपत
नगर, नई दिल्ली जिसके पार्टनरम बनारसी दाम¹
चड्डा धर्म पाल चड्डा, मुधीर चड्डा और प्रदीप
चड्डा है।

(अन्तरक)

2. आदर्श फार्म ८/२७, इस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली जिसके
पार्टनर कैलाश बैरी है।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त प्रमाणि के अर्जन के
लिए कार्यालयियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के प्रमाण में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास
निलिपि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एग्रीकलचरल भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 विधा और 15
विश्वास जो कि स्थित है। गांव तुकलकाबाद तहसील महरौली
नई दिल्ली ।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-३-१९८०

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एम० एग०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 11 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/प्रक्ष० I/एम० आर०-III/
6-79/194—यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ग के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवाद
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि ज्ञेता है, तथा जो गांव तुकलकाबाद;
तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे
यह विवाद लगाने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे
दृष्टमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
दृष्टय से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से क्षिति
नी किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त
प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए। प्रीर/पा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
प्रनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, जी धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग
की उपन्धारा (1) के अधीन, निम्नविवित वक्तियों, अर्द्धतः—

1. मैमस बनारसी दाम चड्ढा पृष्ठ ब्रदर्स डी-18, लाजपत
नगर, नई दिल्ली जिसके पार्टनरस बनारसी दाम
चड्ढा, सुधीर चड्ढा, धर्मपाल चड्ढा और प्रदीप
चड्ढा हैं।

(अन्तरक)

2. आदर्श फार्मस, 8/27, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली
जिसके पार्टनर श्री कैलाश बैरी है।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोचना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
करी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधानाय 20-क में परिभावित है,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रधानाय में दिया
गया है।

अनुसूची

एग्रीकलचरल भूमि, जिसका क्षेत्रफल 14 बिंदा और 18
विश्वास जो कि टूबेल के साथ स्थित है। गांव तुकलकाबाद
तहसील महरोली, नई दिल्ली।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-3-1980

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-I, 4/14क, आसफगढ़ी मार्ग नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, विनांक 12 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/।।/एस० आर०-JV/
6-79/1063—प्रतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर भवन जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० एफ-15/9 है, तथा जो कृष्ण नगर नईदिल्ली
में स्थित है (ओर इससे उपावड़ अनुसूची में ओर पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने
या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयहर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) पा उक्त अधिनियम, या धनहर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थी अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए
था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अम: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुमरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित अविक्षयों प्रति :—

6-516GI/79

1. श्री सुरिन्द्र कुमार कपूर पुत्र श्री वरकत राम निवासी
एफ-15/9, कृष्ण नगर नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्रीमती सीमा दीवान पति श्री दविन्दर दीवान, एफ-
15/9, कृष्ण नगर नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी अविक्षय द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धि किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अवोद्धस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उन प्रशासन में दिया गया
है।

अमृसद्धी

महान नं० 15/9, बताक नं० एफ क्षेत्रफल 200 वर्ग गज
गांव गोड़ीली, आबादी कृष्ण नगर नई दिल्ली ।

जी० सी० अग्रवाल
सम्राम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जेन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 12-3-1980

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एच०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, 4/14 क, आसफ़ अली भारा, नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस० आर०-II/।
6-79/1516—यतः, मुझे, जी० सी० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बी-2/16, है, तथा जो सफदरजंग डब्ल्यूमेंट
स्कीम नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979
को पूर्वोक्त संगति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आप की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वार्तालय में कमों
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और, या

(ख) ऐसी किसी अस्य या किसी धन या धन्य पारिवर्त्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथति:—

1. श्रीमती कमला प्रोबा मुर पत्नी श्री श्रीमंका मोहनसुर,
163, लोअर सरकुलर रोड, कलकत्ता
(अन्तरक)
2. श्री सुभाष सी० गौतम पुत्र अमर नाथ गौतम एफ-8
ग्रीन पार्क मेन, नई दिल्ली
(अन्तर्गत)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्बन्धि के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों नहीं हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंदिर में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या नस्तंबंधी अविक्षयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूषित शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिचालित हैं, वही भव्य होगा, जो उस
बहायत में स्थित गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-2/16, सफदरजंग डब्ल्यूमेंट स्कीम, क्षेत्र फल
486 धर्ग गज, नई दिल्ली

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 12-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I 4/14 क, आसफजली मार्ग, नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली-110002 दिनांक 12 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्य०/I/एस० आर०/7-
79/1073—अन्तः मुझे जी० स० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी संख्या बी-4 है तथा जो कृष्ण नगर, दिल्ली-
51 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूरी
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 I 16) के अधीन दिनांक जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रद्वारा
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी फिरी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति जीवन बाई पत्नी श्री सोम नाथ शर्मा निवासी
बी-4 कृष्ण नगर नई दिल्ली 51।

2. श्री कंवरप्सैन जैन पुत्र श्री सुलहन मल जैन, 113-
नया नाहौर शास्त्री नगर दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनसूची

जायदाद नं० बी-4 क्षेत्रफल 117/3/5 घर मज खसरा
नं० 584/528 गांव गौकर्ल आबादी कृष्ण नगर नई
दिल्ली ।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज नई दिल्ली

तारीख : 12-3-1980
मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एम० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज-I, 4/14 क, असफलती मार्ग, नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 मार्च 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस० आर०/6-
79/1510—ग्रन्ति: मुझे जी० सी० अप्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापत्र सम्भाल, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है।

और जिसकी संख्या पी-39, फ्लैट नं० ए० है तथा जो एन० सी० एस० पार्ट दो नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्भाल के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भाल का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पद्धति प्रतिगत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपर्युक्त व्यवस्था में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या नियम या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सन्तोष शामा पत्नी श्री बलदेव राज शामा निवासी पी-23, एन०डी०एस०सी० पार्ट दो नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री राज॑ कूर तथा श्रीमती अविनाश कूर एक० एन० डी० ए० सी० पार्ट एक० नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्भाल के प्रधीन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्भाल के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिकारी में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापत्र सम्भाल में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्राप्तिहासिकी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संदर्भानुसार:— इनमें प्रयुक्त नियमों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयोग 20-८ में परिवर्तित हैं, वही नियम द्वारा, जो उक्त प्रयोग में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए० प्रांडू फ्लोर, पी०-३९ एकेन्फल 1007 वर्ग गज एन०डी०एस०सी० नई दिल्ली में निम्न प्रकार स्थित है।

पूर्व : दूसरे की जमीन

परिवर्तम : एक्ट नं० पी०/४०

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : साल्क 30 फीट छौड़ी

जी० सी० अप्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजेन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 12-३-१९८०

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, 4/14क, आसफगढ़ी मार्ग नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 मार्च 1980
निवेश सं० आई० ए० सी०/एव्य०/।/एसआर III/-6
79/1501—ग्रन्त: मुझे जी० सी० अग्रवाल

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ए-1/7 है तथा जो वसन्त विहार नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए ग्रन्तियों को गई है और यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और यह कि ग्रन्तियों (ग्रन्तिरक्तों) और प्रश्नरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तिरक्त के लिए वय पाप्त यथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप संक्षिप्त नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के ग्रन्तिरक्त के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी ग्रन्ति या अध्यय प्राप्तियों को जिन्हें सार्वतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अनन्कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रबृ, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में, ये, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपलाप (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवृत्त :—

1. श्रीमती लीला वन्ती भल्होत्रा पत्नी श्री डी० एन० भल्होत्रा निवासी ए-1/7 वसन्त विहार नई दिल्ली (अन्तरक)
2. श्री ग्यान प्रकाश गोड पुत्र श्री बलजीत सिंह शर्मा निवासी ए-7/10-ए वसन्त विहार नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जाने करके पूर्वोक्त मामले के ग्रन्त के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्बन्ध के ग्रन्त न सम्बन्ध में कोई भा प्राप्त :

- (क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अवक्षितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और श्री अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षितयों में में किसी अवक्षित द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य अवक्षित द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास तिवित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक रिहायशी एक मंजिला मकान जो प्लाट नं० ए-1/7 वसन्त विहार नई दिल्ली में बना है क्षेत्रफल 595 वर्ग गज।

जी० सी० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्त रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 12-3-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

मार्यान्थ, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार

पटना, दिनांक 13 फरवरी, 1980

निर्देश सं० III 374/अर्जन/79-80—अतः मुझे ज्योतिन्द्र
नाथ

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० तीजी नं० 9 खाता नं० 2 प्लौट नं० 237 (अंश)
थाना नं० 10 खेत नं० 1 इत्यादि है तथा जो बहादुरपुर पटना
में स्थित है (और इसे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना सीटी
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 21-6-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरधमान प्रतिफल
के लिये अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को
पन्द्रह वर्षियन से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
ना लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जान चाहिए था, छिपाने में
रुद्धि के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

मेसर्स बिहार केयल कम्पनी, कंकडबाड़ा रोड थाना सुलतानगंज
जिला पटना द्वारा संस्थादारी (पार्टनर्स) का नाम :—

1. श्री मदन लाल विसनोई बलदान स्व० हरिदता विसनोई
निवासी-बोरिंग केनाल रोड थाना कोतवाली जिला पटना जानी
विसनोई, पेशा व्यापार।

2. डा० जांती लाल विसनोई बलदान स्व० हरिदता
विसनोई निवासी बोरिंग केनाल रोड थाना कोतवाली जिला
पटना जानी विसनोई तेशा व्यापार

3. श्रीमति गणेश कुमार विसनोई पति
श्री रत्न लाल विसनोई निवासी श्री कृष्णा पूरी थाना कोतवाली
जिला पटना जाति विसनोई पेशा-व्यापार

4. श्री अंजनी कुमार विसनोई बलदान श्री मदन लाल विसनोई
निवासी बोरिंग केनाल रोड थाना कोतवाली जिला पटना जाति-
विसनोई पेशा व्यापार

5. श्री उदय विसनोई बलदान श्री रत्न लाल विसनोई निवासी
श्री कृष्णा पूरी थाना कोतवाली जिला पटना जाति-विसनोई पेशा-
व्यापार

6. श्री देवेन्द्र कुमार सिंह

7. श्री जोगेंद्र कुमार सिंह

(6—7) दोनों बलदान श्री राजेंद्र कुमार मिह निवासी बरा-
दरी थाना कोतवाली जिला मोरादाबाद (य० पी०) दोनों जाति—
विसनोई पेशा-व्यापार दोनों अपने आपको लांकूल ऐटोरनी के द्वारा
दर्शाते हैं — श्री रत्न लाल विसनोई बलदान स्व० श्री हरिदता
विसनोई निवासी-श्री कृष्णा पूरी थाना-कोतवाली जिला पटना ।
(अन्तरक)

2. लक्ष्मीदेवी सराफ पति श्री हरि प्रसाद सराफ अधिकारी,
ऐक्यीवीशन रोड थाना कोतवाली जिला पटना (अन्तरिती)

को यह तूफा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजाव में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त हो गी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजाव में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का रक्ता 10 कठुआ बाउन्डरी बाल (वारदीवारी),
एक कम्परा और एक कुंप्रा के साथ बहादुरपुर में स्थित है जिसका
सौजी नम्बर 9, थाना नम्बर 2, प्लौट नम्बर 237 (अंश)
थाना नम्बर 10 खेत नम्बर 1 इत्यादि है । जो पूर्ण रूप
में वसिका नम्बर 2646 दिनांक 21-6-1979 में अंकित
है तथा जो अवर निवासीकरण पदाधिकारी पटना सीटी के द्वारा
पंजीकृत है ।

ज्योतिन्द्र नाथ

सक्षम प्राधिकारी

महायक ग्रामकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 13-2-1980

मोहर :

प्रधन प्राइंटी० टी० एन० एस०-----

आयकर व्यविधियम्, 1961 (1961 का 43) की भाग
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बिहार, पटना

पटना दिनांक 8 फरवरी, 1980

निदेश सं० III 371/अर्जन/79-80—अतः भुजे जे०
नाथ

आयकर व्यविधियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त व्यविधियम्' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
हारण है कि स्थावर समाप्ति, जिप्पा उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी मं० होर्लिंडग नम्बर 281 प्लौट नम्बर 10, होर्लिंडग
नम्बर 25 का अंग सबै प्लौट नं० 2450 म्यूनिसिपल होर्लिंडग
है, तथा जो नम्बर 712 वार्ड नम्बर VII वी इत्यादि रांची में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अन्युक्ति में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्री-
करण व्यविधियम्, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 20-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और भुजे यह विश्वास करने
का कारण है कि पश्चापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के प्रदृढ़
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पर्याय गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बाह-
रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से इई फिसो प्राप्ति को बाबत उक्ते व्यविधि-
यम के अधीन कर देने के प्रतिरक्त के वायित्व में कभी
करने या उसमें चबौं में सुविधा के लिए; और/या

(क्ष) ऐसी किसी प्राप्ति या छिसो वा या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें मार्लीप यायकर व्यविधियम्, 1922
(1922 का 11) या उक्त व्यविधियम्, या
घनकर व्यविधियम्, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वाय प्रहर नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिसो में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त व्यविधियम की द्वारा 269-ए के अनुसरण
में, उक्त व्यविधियम की द्वारा 269-ए की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यविधियों, अधृतः:—

1. श्री अमल कुमार बनर्जी बलदान स्व० महेंद्र नारायण
बनर्जी ८४६ राजबल्लभ स्ट्रीट स्थामपुर कलकत्ता (अन्तरक)
2. श्री सज्जन कुमार अग्रवाल (2) संतोष कुमार अग्रवाल
(3) महेंद्र कुमार अग्रवाल (4) जीतेन्द्र कुमार अग्रवाल मार्किन
कान्ता टोली चौक रांची (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के बीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के बीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध फिसी प्रनय व्यक्ति द्वारा, प्रधाइस्तानीरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
व्यविधियम के अध्याय 20-ए में
परिचित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त
व्यायाम में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकवा 12 कठां 1 छटां 3 वर्ग फीट जो
होर्लिंडग नम्बर 281, खास महल, प्लौट नम्बर 90 होर्लिंडग
नम्बर 25 का अंग, सबै प्लौट नम्बर 2450 म्यूनिसिपल
होर्लिंडग नम्बर 712 वार्ड नम्बर VII वी पहला 463 वार्ड
नम्बर VII पुराना 40 और 41 वार्ड नम्बर I जो रांची में स्थित
है और पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 5706 दिनांक 20-6-79
में वर्णित है और जो जिला और निवन्धन पदाधिकारी रांची
के द्वारा पंजिकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम पदाधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,
अर्जन रेज, बिहार, पटना
तारीख : 8-2-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पटना

पटना दिनांक 8 फरवरी, 1980
निदेश सं० III-372/अर्जन/79-80—अतः मुझे जे०
नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० होर्लिंग नं० 13 मर्किल नं 22 बाई० नं०
8 सीट नं० 67 है तथा जो दर्जी टोला मुरादपुर पटना में
स्थित है (ओर इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 26-6-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए प्रतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए
तय पाया गया प्रतिशत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण गे हुई किसी आप की बाबत, उक्त
प्रधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कभी करते या उसमें बचते में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी दिसी आप या निषीध धर या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुश्किल के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थतः—

1. श्रीमति धापी देवी कुनञ्जनवाला विधवा स्व० सत्य
नारायण कुनञ्जनवाला (2) श्री केदार नाथ कुनञ्जनवाला
(3) श्री ललित कुमार कुनञ्जनवाला (4) श्री जगत किंशोर
कुनञ्जनवाला (5) श्री अशोक कुमार कुनञ्जनवाला सभी पुत्र
स्व० सत्य नारायण कुनञ्जनवाला बोरीग रोड बसन्त बिहार
कालोनी, पटना
(अन्तरक)

2. श्री मीताराम अग्रवाल पुत्र श्री निवाश अग्रवाल
(स्वर्गीय) माकिन दरजी टोला मुरादपुर थाना पीरबहौर जिला
पटना
(अन्तरक)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेय :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी प्रथा व्यक्ति द्वारा, अग्रस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकेंगे।

दण्डोक्तणः—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का रकवा 2088 वर्ग फीट दो मंजिला मकान
सहित मौजा दरजीटोला मुरादपुर बांकीपुरा थाना पीरबहौर
पटना में स्थित है और पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 4081
दिनांक 26-6-1979 में वर्णित है और जो जिला अवर
निवन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतिन्द्र नाथ
सकाम पदाधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पटना

तारीखः 8-2-1980

मोहरः

प्रस्तुप शार्दूल टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 8 फरवरी, 1980

निदेश सं० III-373/अर्जन/79—80—ग्रतः मुझे ज्यो-
रिति नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन
मकान प्राप्तिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इयरे से अधिक है
और जिसकी सं० तोड़ी नम्बर 438 थाना नं० 4 खाता नं०
97 प्लौट नं० 605 है तथा जो काजीपुर, कदमकुआं पटना
में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राप्तिकारी के कार्यालय पटना
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 27-6-1979

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत
में अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से लिखित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के
शायित्य में गमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्यासितियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
पर्योजनायां प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया थाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अवित्यों अवात :—

7—516 GI/79

1. श्रीमति लड्ड रानी देवी जीजे स्व. जाखु अनुष्ठानी
प्रसाद ऐडवोकेट, कदमकुआं वी० अलाक म्यू ऐरिया पटना-3
(अन्तरक)
2. श्रीमति कलानती देवी जीजे श्री द्वारिका प्रसाद कदम-
कुआं थाना कदम कुआं पटना-3
(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के संबंध में कोई भी ग्राहक :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सहसंबंधी अवित्यों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त अवित्यों में से किसी
अवित्यों का
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अव्यक्ति द्वारा अप्रोहत्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे :

स्थावीकरण:—इसमें प्रकृत सम्बों और पदों का, जो उक्त प्रभि-
नियम के अव्याय 20-व में परिमाणित है, वही
बचे होंगा, जो उस अव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रक्खा 1 कठ्ठा 7 घूर 8 घूरनी दो मंजिला
मकान सहित मौजा काजीपुर, कदम कुआं पटना-3 में स्थित है
और पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 4107 दिनांक 27-6-79
में वर्णित है और जो जिला अवर निवन्धन पदाधिकारी पटना
के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतिष्ठ्र नाथ
सक्षम पदाधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण/
अर्जन रेज, पटना

तारीख : 8-2-1980।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 13 फरवरी, 1980

निवेश सं० III 375/श्रजन/79-80—अतः मुझे ज्योतिंश्च
नाथ

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उन ह रश्चात् 'उन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
ह अधीन सबम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
कि स्थावर समाति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० तौजी नं० 9 खाता नं० 2 प्लौट नं० 237
(अंग) याना नं० 10 खेवत नं० 1 है, तथा जो बहादुरपुर
पटना में स्थित है (श्रीर इसमें उपावनव्य अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 26-6-1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अत्यारित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उमके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पद्धत प्रधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों)
प्रौद्य अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वादित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
भन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना आहिए था, छियाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपायारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों अर्थातः:—

मेमसं विहार केवल कम्पनी कंकडवाग रोड याना मुलतानगंज
जिला पटना द्वारा साझेदारी (पार्टनर्स) का नाम:—

1. श्री महेन लाल विसनोई बलदान स्व० हरिदता विसनोई
निवासी बीरीग कैनाल रोड याना कोतवाली जिला पटना जानी
विसनोई, पेशा-व्यापार।

2. श्री गांती लाल विसनोई बलदान स्व० हरिता
विसनोई निवासी बीरीग कैनाल रोड याना कोतवाली जिला,
पटना जाति विसनोई पेशा-व्यापार।

3. श्रीमति शुभेश कुमार विसनोई पत्नि श्री रत्न लाल विस-
नोई निवासी श्री कृष्ण पुरी याना कोतवाली जिला पटना जाति-
विसनोई पेशा-व्यापार।

4. श्री अंजनी कुमार विसनोई बलदान श्री मदन लाल विसनोई
निवासी बीरीग कैनाल रोड याना कोतवाली जिला-पटना, जाति-
विसनोई पेशा-व्यापार।

5. श्री उदय विसनोई बलदान श्री रत्न लाल विसनोई निवासी
श्री कृष्णपुरी याना कोतवाली जिला पटना जाति-विसनोई पेशा-
व्यापार।

6. श्री देवेन्द्र कुमार विसनोई

7. श्री जोगेन्द्र कुमार विसनोई

(6-7) दोनीं बलदान श्री राजेन्द्र कुमार सिंह निवासी बरादरी
याना कोतवाली जिला मोरादाबाद (य० पी०) दोनों जाति-विस-
नोई, पेशा-व्यापार।

दोनों अपने आपको लाफूल एटोरनी के द्वारा दर्शाते
हैं—श्री रत्नलाल विसनोई बलदान स्व० श्री हरिता विसनोई
निवासी श्री कृष्णपुरी याना-कोतवाली जिला पटना (अन्तरक)

2. श्रीमति इन्दु मोर पटनी श्री कमल प्रसाद मोर अधिवक्ता,
प्रार० केंद्रेन्स्य, याना पीर बहौर पटना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकोप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी घम्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसन्धान

जमीन का रक्का 3 कड़ा 8 घूर 10 घूरकी, चाहर
दिवारी एक गोदाम और चार कमरा के साथ बहादुरपुर
में स्थित है जिसका तौजी नम्बर 9, खाता नम्बर 2, प्लौट
नम्बर 237 (अंग) याना नम्बर 10, खेवत नम्बर 1 इस्पादी
है जो पूर्ण रूप से वसिका नम्बर 2645 दिनांक 26-6-79
में अंकति है तथा जो श्रवर निवन्धन प्राधिकारी पटना भीटी
के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतिन्द्र नाथ

सदाम पदाधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

तारीख 13-2-1980

मोहर:

परूप आई० टी० आई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 14 फरवरी 1980

निदेश सं० III 376/अर्जन/79-80—अतः, मुझे, ज्योतीन्द्र
नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी म्यूनिसिपल होल्डिंग नं० 344 वर्तमान होल्डिंग
नं० 344C, वार्ड नं० 1, थोका नं० 248 है तथा जो गिरडीह
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 13-7-1979

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्रिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तर्रिम
(अन्तर्रितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. हरी चौधरी पति कृष्णा प्रसन्ना चौधरी मोतीडीह, जिला
धनबाद। (अन्तरक)
2. श्रीमती कल्पना नाग चौधरी पति बंकीम चन्द्र नाग चौधरी,
28 हरि घोष स्ट्रीट, कलकत्ता। (अंतरिती)
3. श्री ए० के० भट्टाचार्य (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

म्पस्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 12½ कट्टा तीन मंजिले मकान
सहित जो गिरडीह में स्थित है जिसके पुराना म्यूनिसिपल
होल्डिंग नं० 344, वर्तमान होल्डिंग नं० 344 सी, वार्ड
नं० 1, थोका नं० 248 है तथा जो पूर्ण रूप से दस्तावेज
संख्या I—3825 दिनांक 13-7-79 में वर्णित है तथा जो
रजिस्ट्रार आफ ऐस्युरेंस कलकत्ता द्वारा निबंधित है।

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पटना

तारीख : 14-2-1980

मांहूर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1980

आ० ए० सी० न० 49/794/79-80—अतः मुझे
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० मलबी न० 2-3-9 है, जो सिकन्दराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन जुलाई 1979

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ए० एन० वीराब्द्रा (2) ए० प्र० जयाकुमार
(3) ए० टी० नारीनदर 6/ए मद्रास में रहते हैं (अन्तरक)

2. श्री महवी आली ८६, एम० जी० रास्ता सिकन्दरा-
बाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ भरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मलबी न० 2-3-9 और 2-3-10 एम० जी० रास्ता
सिकन्दराबाद रजिस्ट्री बस्ताबेज न० 1889/79 उप राजस्ट्री
कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1980

आर० ए० सी० नं० 494/79—80—प्रतः मुझे के०
के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
दारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० सरवे नं० 16, 17 है, जो शेकपेट गाऊ
में स्थित है (और इससे उपाखण अनुसूची में और पूर्णरूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय केरताबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन जन 1979

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं० कम के दूर्घमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दूर्घमान प्रतिफल से एंसे दूर्घमान प्रतिफल का पन्थ है
प्रतिशत सं० अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप सं० कार्यालय नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एम० एम० खाजा 5-9-303 गनफैन्डरी, हैदराबाद
(अन्तरक)

2. श्री अलूरी सत्यानारायण राजू (2) ए० विजय कुमार
राजू (3) ए० सीतादेवी (4) पी० वरलशमी (5) पी० बनगरम्मा
(6) पी० नीरमला (7) ए० मलीकारजुनराजू (8) ए० गोपाल
राजू (9) ए० कीशमराजू (10) पी० नरसीम्माराजू
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शीरायती जमीन सरवे नं० 16 और 17 घुमला जमीन 9
येकर्स 24-1/2 गुनटा शेकपेट गऊ है हैदराबाद रजिस्ट्री अस्तावेज
नं० 1746/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय केरताबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1980

माहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

1. श्री किशन राऊ येस कारबानकर
- (2) श्री निवासाराऊ कारबानकर
- (3) श्रीमति रुक्मीनीबाई कारबानकर
- (4) कुमारी गीतान्जली तमाम का धर 5-4-435 नामपत्री
हैदराबाद।
(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1980

आरा० ये० सी० नं० 495/79-80—अतः मुझे के० फे०
बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 5-4-935/ए है, जो नामपत्री
में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जून 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिभा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिम द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आवृण्ठ था छिपाने में
सूचिभा के लिए;

(2) मेसर्स काकातीया कन्स्ट्रक्शन लिमिटेड 5-4-435
नामपत्री हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के उक्त के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दो मन्जिला घर नं० 5-4-435/ए० स्टेशन रास्ता नामपत्री
हैदराबाद वेस्टने 727-वर्ग यार्ड रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 3784/
79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० बीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्ता (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख 12-2-1980

मांहृ:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रेरुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयदार आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 12 फरवरी 1980

आर० य० सी०न० 496/79—80—अतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 43 है जो 22-7-269/43
दीवानदेवडी में स्थित (और इससे उपाध्य अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आजम-
पुरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हैर्ड किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगजनार्थ अन्तरित द्वाग प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. मैसर्स शहबुल्हस 22-7-269/3 दीवानदेवडी हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. श्री हाजीम्बुल अजीज पिता हाशम 15-7-503 बेगम
बाजार हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीय गरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 43 घर नं० 22-7-269/43 दीवानदेवडी हैदराबाद में
है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1781/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय आजम-
पुरा में है।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख 12-2-1980
मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 497/79-80—अतः
मुझे कौ० कौ० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सत्तन राजिनामी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 356 है, जो मोलाली सिकन्दराबाद स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्यमान प्रतिफल ता० पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
महीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से बुर्झ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, प्रथमतः—

1. श्रीमति इन्दिरा जगवानी (2) कुमारेवी (3) राजू
बुरुमल, आर० कोशनवेनद इनके नीतारकार हैं किसन्दराबाद ।
(अन्तरक)

2. श्री इन्डस्ट्रियल वरकर्स बीकर सेक्शन ही बिल्डिंगसीसैवी
सनतनगर हैदराबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षण :—

(क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसंबंधी अस्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से
किसी अस्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अस्ति द्वारा, अधीदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही
प्रथम होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धीरायती जमीन सरके नं० 356 में है मोलाली मलका-
गिरी पतकालम में है सिकन्दराबाद बीस्टैंड 12 एकड़ 15-
गुनटा रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 6520/79 उप रजिस्ट्री कार्य-
लय हैदराबाद ईस्ट में ।

कौ० कौ० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद
तारीख : 12-2-1980
मोहर :

प्रस्तुत मार्गी० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1980

आर० य० सी० न० 498/79-80—प्रतः, मुझे, के के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन संश्लेषण प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 298/1 299/1 है, जो मलकाज गवरी में स्थित है (प्रीर इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जून 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
8—516GI/79

1. श्री पी० वी० सी० तीम्हाराजू (2) पी० सुबाराजू (3) रामाकृष्णाराजू (5) के० चन्द्राराजू (5) श्रीमति जानी-कम्मा घर नं० 1/191 लीनगीजीगुडा सिकन्दराबाद (अन्तरक)

2. श्री दी० माडरन कवापरेटीव हैंज बिल्डिंग सोसाइटी 4-1-624 तुरुष बाजार हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंते के लिए कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अजंते के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जीरायती जमीन सर्वे नं० 298/1 और 299/1 वेस्टर्न येक येकर 20-पुनर्मलकाजगीरी राज सिकन्दराबाद में है रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 5804/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में।

के० के० वीर
संश्लेषण प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1980
मोहर :

प्रस्तुप प्राईडी टी० एन० एस०--
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी, 1980
आर० य० सी० न० 499/79—80—ग्रतः सुझे के०
के० वीर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सरवे न० 298/1 है, जो मलकाजगिरी
राऊ स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जून 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में दुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में रुमी करने या उपरे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
यत्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के परोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रहट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथाति:—

1. (1) पी० वी० सी० तीम्हाराजू (2) पी० सुबा-
राजू (3) रामाकृष्ण राजू (4) के० आर० राजू (5)
एम० जानाकम्मा तमाम का घर 1/191 लीनगीजी गुडा गड
(अन्तरक)

2. श्री दी माडरन क्वापरेटिव होज बिल्डिंग सोसेटी घर नं०
4-1-624 तुरुप बाजार हैदराबाद (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि पा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामीन से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलिखित:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के आधार्य 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस आधार्य में दिया
गया है।

अनुसूची

जीरायती जमीन सरवे 298/1 वेस्टर्न मेक मेकर 24 गुनटा
मलकाजगीरी गऊ हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज न०
5842/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद ईस्ट में।

के० के० वीर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-2-1980।
मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 12 फरवरी, 1980

आर० य० सी०न० 500/79—80—अतः मुझे के० के० वीर,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 8-3-969 है, जो थेलारेडीकुड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :

1. श्रो० भास्कररेडी (2) श्रो प्रबाकररेडी (3) श्रो० प्रताप रेडी तमाम रहते हैं 8-2-530/5 बनजारा होल्ली हैदराबाद
(अन्तरक)

2. श्रीमति शानोदेवी पति मेगराज कुराना (2) श्रीमति प्रेमलता कुराना 3-4-874/1 बरकतपुरा हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपेक्षाकृती के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-र में परिचालित है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 8-3-969 येल्लारेडीगुड़ा में है बेस्टने 1073 वर्ग यार्ड (श्रीनगरकालोनी) हैदराबाद में रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 1936/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, कैरताबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1980।

मोहर :

प्रलूप प्रार्थ० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 12 फरवरी, 1980

आर० य० सी० न० 551/79-80 यतः मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० सरखे न० 74 है जो पन्त नगर गाऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय कैरलाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी वत या प्रत्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. नेशनल इंजीनियरिंग येन्टरप्रैसेस 8-4-368/ए० सनत नगर हैदराबाद (अन्तरक)

2. औरीक इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड 8-4-38/ए० सनतनगर हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनवदू किसी अन्य अविकृत द्वारा अधोहस्ताशरी के पाय लिखित में किए जा सके।

संबोधित:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सरखे न० 74 वेस्टर्न 5908/012 वर्ग मीटर पत्ता नगर गाऊ हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज न० 1898/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, कैरलाबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1980।

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी, 1980

आर० य० सी० न० 502/79-80—ग्रत: मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संशोधन प्राधिकारी को, यदि विश्वास करने
का छारण है कि स्थापन सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 5/8 विभाग है जो 5-1-680, 680/1 बेनक गली
में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकल्प के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का छारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण
नियित में वास्तविक रूप से नहिं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की वादत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्ष में कमी करने या उससे अन्तरे में सुविधा
के लिए; प्रौर्यम।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनामे अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के
अधीन मिम्नलिखित अवित्यों अर्थात् :—

1. श्री एस० राघवन, (2) रनजीत राघवन (3) राजा-
लशमी (4) वेदम्मा तमाम का घर नं० 7 श्रीनगरकालोनी हैदराबाद
(अन्तरक)

2. श्री सप्तागीरी रोमल ईस्टेट प्रैवेट लिमिटेड 4-3-74
क्लिलस्ट्रीट गासमनडी सिकन्दराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्ययन 20-क में परिचालित हैं,
वही शब्द होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5/8 विभाग घर नं० 5-1-1680 और 680/1 बेनक कालोनी
हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3733/79 उप रजिस्ट्री कार्या-
लय, हैदराबाद में।

के० के० वीर,
संक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1980

मोहर :

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-----

आधिकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1980

भार० य० सी० न० 503/79—80—अतः मुझे के० के० वीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सकाम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सलाहि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3/8 विभाग है, जो 5-1-680, 680/1, बैनक का गली स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जूलाई 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्वरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्वरक (अन्वरकों) और अन्वरिती (अन्वरितियों) के बीच ऐसे अन्वरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्वरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्वरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्वरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुवरण में, में उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की क्षणधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. मिस रंगनाथन (2) दिलीप रंगनाथन (3) सन-दीप रंगनाथन (4) प्रदीप रंगनाथन घर नं० 5-1-680 बैनक गली हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री सप्तगिरी रियल ईस्टेट प्राइवेट लिमिटेड 4-3-74 ईलस गली सिकन्दराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहिंगों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तात्सम्बन्धी अवधियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवधि द्वारा, अग्रेश्वाकारी के पाय लिखित में किए जा रहेंगे।

रजिस्ट्रीकरण :—इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम', के अन्वय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रायाय में दिया गया है।

अनुसूची

3/8 विभाग घर नं० 5-1-680 और 5-1-680/1 बैनक का गली हैदराबाद में रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 4449/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1980।

मोहर :

प्रकल्प ग्राइंड टी० एन० ए०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 फरवरी 1980

आर० य० सी० न० 504/79—80—प्रतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति त्रिमात्रा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 6-3-875/बी है, जो बेगमपेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन कैरताबाद 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है प्रौर मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है प्रौर अन्तरक (प्रस्तरकों) प्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्ननिमित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन फर देने के प्रस्तरक के शायित्व में हमी हरन या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रौर, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपनामा (1) के अधीन निम्ननिमित अविक्तियों, अर्थात् :—

1. परीदापरजाना पति महमद रीयासत अली कानर (जी पी० ओ०) श्रीमति कुकुनाबेगम -6-3-865/ए बेगमपेट हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री महमद कलीमपाशक (2) महमद शमीम पैसल (उप के० मा० सैसीया रीयाना अलीम रकवाले है 6-3-865/ए० बेगमपेट हैदराबाद में। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रतिधिया तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना ही नामीन से 30 दिन की प्रतिधिया, जो भी प्रतिधिया बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्येक अविक्त द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास निविन में किए जा सकेंगे।

उपर्योगरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर न० 6-3-965 बी बेगमपेट हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज न० 1924/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० के० वीर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज हैदराबाद

तारीख : 14-2-1980।
मोहर :

प्रध्य प्राईं टी० एन० एस०————
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा की
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 8 फरवरी 1980

ग्राम० य० सी०न० 505/79—80—अतः मुझे के० के०
वीर

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इपके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सज्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि यथावत् सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इपए से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन सरवे नं० 278 286 है, जो अल-
वाल स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदरा-
बाद वेस्ट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुसूचित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य ग्राहितयों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अनुसूचित हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० बगवान्ना (2) पी० वी० गगवेनदर (3)
ग० बी० श्रोमकर (4) पी० बी० मोहन तमाम रहते हैं
4/25-पुराना अनवान मिकन्दराबाद (अन्तर्क)
2. श्री इन्दिरा नगर क्वापरेटु होजीरा सोयेटी निमिटेड 8-3-
222 युसुगुडा हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारा इके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अधिनियम द्वारा, अधोदृस्ताकरी के पास
विखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अन्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

जमीन का सरवे नं० 278 और 286 बीस्टर्न गूनटा लोटू-
कुनटा अलवाल हैदराबाद जिला (रनगरेडी जिला) के पास
में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1245/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद वेस्ट में।

के० के० वीर
मध्यम अधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 14-2-1980

मोहर :

प्रकप शाई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 फरवरी 1980

निदेश आरा० ए० सी० नं० 506/79--80—अतः मझे
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-घ
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० 278,286 तथा जो अलवाल लोण
कुटा स्थित है (और इसमें उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
बेस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जून 1979

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिकूल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए सब पाया
गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक सिद्धि में
वास्तविक रूप से नहिं नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, उपरोक्त
में सुविधा के लिए;

प्रतः यद्युपकार अधिनियम की वारा 269-घ के अनुसरम
में, में, उक्त अधिनियम की वारा 269-घ की उपबारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—
9—516GI/79

1. श्री पी० मल्ल्या (2) पी० कृष्णा (नाबालग घर
नं० 4/25 अनवाल मिकन्दराबाद में है) (अन्तरक)
2. इन्दिरा नगरको आपरेटीव्ह ब्राउसिंग सोसायटी लि० घ०
नं० 8-3-222/बी/जेड इन्डिशनगर युसुफगडा हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी भावेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा अप्रोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

जो जमीन सर्वे नं० 278 और 286 में है जिसका विस्तीर्ण
34 गुंटे है, जो लोणकुटा अलवाल के० पंचायत रंगा-
रेही जिले में है जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ नं० 1243/79
जरिये उप रजिस्ट्रार हैदराबाद बेस्ट कार्यालय में हुआ है।

के० के० वीर
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-2-1980

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एम० एस०—

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 फरवरी, 1980

आर० य० सी० न० 507/79-80—ग्रत: मुझे, के० के०
बीर

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन संज्ञा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है**

और जिसकी सं० जमीन सं० 278, 286 है, जो लोथ-
कुटा अलवाल में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद वेस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्ड्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और
धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त ग्रन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राम की धावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तीनों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
ग्रन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनावर धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः धब्ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपकारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्द्धांक:—

1. श्री पी० नारेन्द्र राव, (2) पी० मुख्यमंत्री दोन्हों
घरनं० 1-2-399 दोमलाहूङ्गा हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तर्क)

2. मेसर्स इन्डर नगर कोआपरेटिव हाउसिंग सोमायटी लि०
जरिये श्री ए० ताताराव घ० नं० 8-3-222/बी/7 इन्डरनगर
यूसुफगुडा हैदराबाद में रहते हैं (अन्तरिती)

को यह सूचना आरै करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन व्याप्ति या तस्वीरधी अधिकारी पर
सूचना की तामील से 30 दिन की व्याप्ति, जो भी
व्याप्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अधिक द्वारा, अधोदस्ताकारी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया
गया है।

धनुसूची

जो जमीन सं० न० 278 और 286 वीस्टीर्ण 23 गुंटे लोथ-
कुटा अलवाल, रंगारेडी जिल्लहे में है, जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० न०
1242/79 के जरिये उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में
हुआ है।

के० के० बीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 14-2-1980
मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी ट्री। एन। एस।—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 14 फरवरी 1980

सं. आर। य० सी। नं। 508/79-80—अतः मुझे, को। को।
बीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें
इसके पाचवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सकान प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि प्रश्नपत्र सम्पत्ति, त्रिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- 60 से प्रधिक है
और जिसकी सं। तीसरी मंजिल है, जो 5-9-22/76 आदर्श-
नगर में स्थित है) और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदरा-
बाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1980 का 16)
के अधीन जून 1979

को पूर्वोक्त समानि के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यनाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का अन्दरूनी उत्तिष्ठान से अधिक है और प्रान्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती से (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण न होने का उत्तराधिकारी के बीच ऐसे
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः प्रथम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपलापा (1)
अधीन लिखित अविक्तियों अचान्त:—

1. श्री बी। रामास्वामी, 5-9-22/76 आदर्श नगर, हैदराबाद
में रहते हैं। (अन्तरक)
2. श्रीमती नाल्लीमा अन्सारी उर्फ नाजीमुनिसाबेगम पत्नि
हामीद अन्सारी, 8-2-466/1 ब्लॉक नं। 4, बजारा
हिल्स, हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की
सामील होने 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी अविक्त द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध निवी अथवा अविक्त द्वारा, प्रधोदृशताकारी के
पास तिक्तिमें जिर जा सकें।

स्वाधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तीसरी मंजिल प्लाट नं। 2 बिल्डिंग नं। 5-9-22/76 विस्तरण
1200 वर्ग फुट जो आदर्श नगर हैदराबाद में है जिसका रजि-
स्ट्रेशन आ। नं। 3433/79 से जवाहैंद आफ रजिस्ट्रार हैदराबाद
कार्यालय में हुआ है।

को। को। बीर
सकान प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 14-2-1980

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटीं एन० एस०

आष्टकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269-ए (1) के पद्धति सूचना

भारत सरकार

कार्यतिय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 फरवरी, 1980

ग्रामो य० सी० न० 509/79-80—ग्रामः मुम्पे, कें
के० वीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 भा 43) (विसे इसमें
इसके पहलात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के प्रधीन संप्रभु प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो 16-2-866/2 सैद्धां-
बाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हैदरा-
बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तररक (अन्तररकों) दौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तम अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है। --

(क) अन्तरर से हूई किसी आय की बावत उक्त परिनियम के पश्चात कर देने के अवधरक के दायित्व में की करने या उससे बचने में शिक्षा के लिए; प्रीर/या

(ख) ऐसी किसी जाग मा किसी घन पा धन्य प्राप्तियो
को जिन्हे भारतीय प्राप्तकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) पा उक्त प्रधिनियम,
पा घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी शारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के व्यवसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमति तायबा मजीद खान, 3-5-782/ए कींग कोटी
में रहते हैं। (प्रन्तरक)

2. श्री सीझीवाजाद बेग ध० नं० 16-2-851-ए सैफाबाद में
रहते हैं। (प्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई प्री आकेश :-

(क) इस सूचना के राष्ट्रपति में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-—इसमें प्रश्नकृत शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रविनियम के प्रधानाय 20-के में परिचयित है, वही पर्व छोगा, जो उस प्रधानाय में दिया गया है।

अन्तर्राष्ट्रीय

लुली जमीन वीस्टीर्ण ६५९ वर्ग गज जो ध० नं० १६-२-८६६/२ से लगी हुई है, सैद्धाबाद हैदराबाद में है। जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० ३५५२/७९ से जार्हित उप रजिस्ट्रार कार्यालय में होगा है।

के० के० बीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 14-2-1980

मोहर :

प्रस्तुप पाई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 फरवरी 1980

आरोग्यों सी० सी० नं० 610/79-80—अतः मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इपने पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० जमीन खेत नं० 15 और 19 है जो युमुफगुडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जून 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का फन्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकर विनियिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयतंत्र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कोयापल्ली स्वामी (2) श्री कोयापल्ली जीतव्या यह दोनों युमुफगुडा हैदराबाद में रहते हैं (अन्तरक)
2. गव्हर्नर्मेन्ट मेडीकल स्टोअरस डिपार्टमेन्ट को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० [हैदराबाद] (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन विस्तीर्ण 200 वर्ग फुट जो खेत नं० 15 और 19 युमुफगुडा हैदराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन आ० नं० 1731/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में हुआ है।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 15-2-1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

आर० ये० सी० नं० 511/79-80—प्रतः मुझे, के०
के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन सं० नं० 15, 18 19, है जो
युसुफगुडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के बिंदु तय काया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
चुदृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अंकितियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री कोथापल्ली मल्लम्मा (2) के० श्रीसेलम, (3) के०
यादगीरी (4) सुदरशन (5) के० प्रकाश यह सब युसुफगुडा
हैदराबाद में रहते हैं।
(अन्तरक)

2. गवर्नरमेंट मेडिकल स्टोअरस डिपार्टमेंट यमप्लाईज कोशाप-
रेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० सन्जीव रेड्डी नगर हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्धि किसी अन्य अंकित द्वारा, प्रयोहस्ताकरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन विस्तीर्ण 3158 वर्ग मीटरों जो सं० नं० 15, 18, 19
युसुफगुडा हैदराबाद में हैं जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 1732/
79 से उप रजिस्ट्रार खैरताबाद कार्यालय में हुआ है।

के० के० वीर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 15-2-1980

मोहर :

प्रख्य प्राई. टी. एम. एस.—
भायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 फरवरी 1980

आर० य० सी० न० 512/79-80—ग्रतः मुझे, के० के० वीर,

भायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि निम्नलिखित उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० न० 5-9-22/75 है, जो आदर्श नगर हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध भनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से दुई किसी भाव को जावत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में अपील करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ब) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिसमें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प को उपरांत (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात:—

1. श्री पी० रामचन्द्रराव 5-9-22/75 आदर्श नगर हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरक)

2. (1) श्रीमति कलावती, (2) श्री भगतराम (3) गिरीधर लाल (4) लिजलाल (5) अमरनाथ यह सब 5-9-22/75 आदर्श नगर हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरिती)

को यदि सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोपः—

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित के पास निम्नलिखित में किए जा सकेंगे।

स्वावरकरण:—इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसन्धान

घ० न० 5-9-22/75 आदर्श नगर हैदराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डा० न० 3342/79 से उप रजिस्ट्रार हैदराबाद कार्यालय में दुग्धा है।

के० के० वीर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-2-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 513/79-80—यतः
मुझे के० के० बीर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट 11 -4-656/1 है, जी रेड हिल्स
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाकृत अनुसूची में और
पूर्णांग से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 19 जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; बीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिम द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, सौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधान निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री ए. एन० राजगोपाल जरीये श्री यु० पी०
जगदीशन 86 बी किंगज बे सिकन्दराबाद में रहते हैं।
(अन्तरक)

(2) श्री शम्भूदयाल 11-4-656/1 रेड हिल्ज हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
तिलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ध० नं० 11-4-656/1 का हिस्सा जो रेड हिल्ज
हैदराबाद में है, जिसका रजीस्ट्रेशन डॉ० नं० 3285/79 से उप
रजीस्ट्रार हैदराबाद कार्यालय में हुआ है।

के० के० बीर०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
जैन रेज, हैदराबाद

तारीख : 16-2-1980

मोहर:

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०--
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदरबाद
हैदरबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० ये० सी० नं० 514/79-80—यतः मुझे
के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० हिस्सा 11 -4-656/1 है, जो रेड हिल्स
हैदरबाद स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्टा अधिकारी के कार्यालय,
हैदरबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जून 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

10—516GI/79

(1) श्रीमती लक्ष्मी नटराज आम्ब्यर (2) शारदा
राजनाथन दोनों घ० नं० 3-6-779 हिमायत नगर हैदरबाद
में रहते हैं।
(अन्तरक)

(2) श्री दीनदयाला पुत्र मुकराम अग्रवाल मन्त्ररमाल
श्रादीलालाबाद मिलहे में रहते हैं।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घ नं० 11-4-656/1 का हिस्सा रेड हिल्स में है जिसका
रजीस्ट्रेशन डॉ० नं० 3290/79 जाइंट उप रजिस्ट्रार
हैदरबाद कार्यालय में हुआ है।

के० के० बीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदरबाद

तारीख : 16-2-1980

मोहर :

प्रेषप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश नं० आर० य० सी० नं० 515/79-80—यतः मुझे,
के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० हिस्सा नं० 11-4-656/1 है जो रेझिल्स
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 19 जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दूसरमान प्रतिफल से ऐसे दूसरमान प्रतिफल का फैलौं
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आव की बाबत, उक्त
अधिनियम के धीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपबारा (1)
अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात्:—

(1) श्री मिस० नमीनी पुत्री स्वर्गीय ए० एन०
रामनाथन जी० पी० ए० शारदा रामनाथन 3-6-779 हिमायत
नगर हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरक)

(2) श्रीमती संतोष कुमारी पत्नी शामसुन्दर अग्रवाल
माचीरयाल आदिलाबाद जिले में रहते हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तन्मन्त्रियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्ययन 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रनुसूची

ब नं० 11-4-656/1 का हिस्सा रेझ हिल्स हैदराबाद
में है जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं० 329/79 में जाइन्ट उप
रजिस्ट्रार हैदराबाद में हुआ है।

के० के० वीर,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-2-1980
मोहर :

प्रारूप आई० टो० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्चन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

सं आर० ये० सी० नं० 516/79-80—यतः मुझे,
के० के० वीर,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० हिस्सा नं-114-656 है, जो रेड हिल्स हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किये करने या इससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी बाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

यतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (1) श्रीमती विजयलक्ष्मी पत्नी वर्धराजन जी० पी० ए० शारदा रामराघवन 3-6-779 हीमायत नगर, हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती गीता गणेश पत्नी पी० गणेश जी पी० ए० नं० 1।

(2) श्री मुकुन्दलाल पुत्र श्री गीरधारीलाल अग्रवाल 21-1-748 पटेल मार्केट हैदराबाद में रहते हैं।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वैतस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसंधी

घ नं० 11-4-656/1 का हिस्सा जो रेड हिल्स में है जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 3288/9 से जाइन्ट उप रजिस्ट्रार हैदराबाद कार्यालय में हुआ है।

के० के० वीर,
सक्षम 'प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 16-2-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एन् एस्—

भाष्यकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

आरो ० सी० नं० 517/79-80—यतः मुझे केंद्रों
बीर,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है,

और जिसकी सं० 1-10-66/ए० है, जो बंगमपेट सीकन्दरा-
बाद में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सीकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 19 जुलाई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह
प्रतिशत स अधिक है पीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे प्राप्तरण के १०५ तथा पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिकल लिखित में वास्त-
विक रूप से नথित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त प्रधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्वरक के दायित्व में कभी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के बास्तव में,
म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मेहरुनिसा बेगम घ० नं० 7-1-616
आमीरपेट हैदराबाद में रहते हैं

(प्रन्तरक)

(2) श्री पी० जीर पुत स्वर्गीय पी० एम० अक्रपाणी
बलाक नं० 450 लालगुडा सिकंद्राबाद में रहते हैं।
(प्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्समानी अवित्यों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविष्ट बाद में
प्राप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी
अवित्य की तारीख ;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में द्वितीय किसी
अन्य अवित्य द्वारा, अवौहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 6 सं० नं० 29, 189, में एम० नं०
1-10-66 ए० बेगमपेट सिकंद्राबाद में है, जिसका रजिस्टे-
शन आ० नं० 1659/79 से उप रजिस्ट्रार सिकंद्राबाद
कार्यालय में हुआ है।

के० के० बीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 16 : फरवरी 1980
मोहर:

प्रसूप प्राई० टी० एन० एस०—

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-प (1) के ग्रन्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्राप्तकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 518/79-80—यतः
मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-प के ग्रन्थीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- हथ्ये से अधिक है
और जिसकी जमीन सं० 83 और 84 है जो अंबर
हैदराबाद में स्थित हैं (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदरा-
बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि व्यापूर्वक सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
वृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिसत से अधिक है और
प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से छपित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वावत उक्त अन्तरण अधिनियम के ग्रन्थीन कर देने के अन्तरक के वायित्र में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे, भारतीय प्राप्तकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, प्रब, सूचना अधिनियम की घारा 269-प के अनु-
तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-प की उपग्राहा
(1) के ग्रन्थीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रथाति :—

1. श्री सयद आशम पुल स्वर्गीय आशीम थ० नं० 2-2-22
बाग अंबरपेट में रहते हैं।

(प्रन्तरक)

2. मैसर्से तुलसी कोशापरेटीव हाउसिंग सोसायटी लि०
सी० टी० आय-नल्लाकुन्टा हैदराबाद में रहते हैं।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी अविक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सं० 83 और 84 विस्तीर्ण 5243
स्कवायर गज बाग अंबरपेट हैदराबाद में है, जिसका रजिस्ट्रेशन
डॉ० नं० 3294/79 से जाइन्ट सब रजिस्ट्रार हैदराबाद
कार्यालय में हुआ है।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्राप्तकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-2-80
मोहर

प्रृष्ठप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 519/79-80—यतः
मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन सं० नं० 83 और 84 है जो बाग
अंबरपेट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तप्र पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की वाधत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या आप आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रन्तः, अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्ति :—

1. श्री सव्यस आक्षम पुल स्वर्गीय आक्षीज 2-2-22 बाग
अंबरपेट में रहते हैं।

(प्रत्तरक)

2. मैसर्स तुलसी कोआपरेटीव सोसायटी लि० सी० टी०
आय रोड नल्लाकुटा हैदराबाद।

(प्रत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरंगबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्साक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
मर्यादित होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जो सर्वे नं० 83 और 84 बाग अंबरपेट
में हैदराबाद में वीस्टीर्न 6145 वर्ग गज है जिसका
रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 3397/79 से जाईंट उप रजिस्ट्रार
कार्यालय हैदराबाद में हुआ है।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-2-1980

मोहर:

प्रेरण आई० टी० एन० एम०-----
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सत्रायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 520/79-80—यतः
 मुझे के० के० वीर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
 बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
 और जिसकी सं० जमीन सं० नं० 83 और 84 है, जो अंबर-
 पेट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाद्व अनुसूची में और
 पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
 हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
 का 16) के अधीन तारीख जून 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
 दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
 विश्वास करना नहीं हारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
 उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे
 दृश्यमान प्रतिक्रिया के पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और
 अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
 ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित
 उद्देश्य पूर्वक उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप से कर्तित
 नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की वावन उक्त अधिनियम, के अधीन रुर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात् :—

1. श्री संयोग आकम च० न० 2-2-22 बाग अंबरपेट
 में रहते हैं।
 (अन्तरक)
2. मैसर्स तुलसी कोऑपरेटीव सोसायटी लि०, सी० टी०
 श्राय रोड, नल्लाकुटा हैदराबाद में है।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य वर्गित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

दण्डीकरण :—इसमें प्रायक शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 83 और 84 बाग अंबरपेट हैदराबाद में हैं जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 3319/79 से जाइन्ट उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में हुआ है।

के० के० वीर
 सक्षम प्राधिकारी
 महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-2-80

मोहर :

प्रलेप ग्राही टी० एन० एम०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 521/79-80;—यतः
मुझे के० के० वीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से पहिले है

और जिसकी सं० नं० 2-176 है, जो फतेह नगर हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद वेस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृहयमान प्रतिफल के निये प्रनवरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे बृहयमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रनवरिती (अन्तरितियों) के बाबू एसे अन्तरण के लिए तथ याया याया प्रतिफल, निम्नांकित उद्देश्य से उक्त प्रतिशत मिलित में वास्तविक रूप से कमित नहीं किया गया है :—

(a) उक्त बाजार से हुई किसी याय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षरक के वायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(b) ऐसी किसी याय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिसमें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावं अक्षरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः मात्र, उक्त प्रधिनियम की आरा 269-ए के प्रत्यक्षरण में, में, उक्त प्रधिनियम की आरा 269-ए को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवकृत।—

1. श्री पी० व्यक्टेशवराराव पुत्र नारायण घ० नं० 2-716 फतेह नगर हैदराबाद में है।

(अन्तरक)

2. (1) श्री ए० नरसिंहा रेडी

(2) श्री ए० श्रीरामा रेडी घ० नं० 1-28 और 1-29 पालेरला रामायणपेट ता० नलगुन्डा जिले में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधि बाबू में अपार्ट होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में जिमी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के पोँर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, प्रधात्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्राप्त्याय 20-क में परिभ्रष्ट है, वही अर्थ होगा, जो उस प्राप्त्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घ० नं० 1-176 जो प्लाट नं० (0.5) सं० 20, 21 वीस्टीर्ण 2005 वर्ष गज फतेह नगर में है जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 1284/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में हुआ है।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 16-2-80

मोहर :

प्रलूप पाई० छो० एन० एस०—

वायक्ति प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत भरकार

भारतीय भाषायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० धारा० ए० सी० नं० 523/79-80—यतः
मुझे के० के० वीर

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके उपरान्त 'उक्त प्रविनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के प्रधीन सभी संप्राप्ति को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 6-3-347/20 है, जो द्वारकापुरी कालोनी
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद ग्रन्तुसूची में और
पूर्ण रूप से अंशित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रविनियम, 1908 (1908
का 16) के प्रधीन, तारीख जून 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतर एतिहों) के बीच ऐसे
मत्तारण के निए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अमरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया जाया
है।—

(अ) अमरण से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त प्रविनियम
के प्रधीन कर देने के अन्तरक के अधित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बन या मात्र्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर प्रविनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रविनियम,
ग्रन्तकर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
किपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त प्रविनियम की धारा 269-घ के ग्रन्तकर
में, मैं उक्त प्रविनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्तः—

11—516GI/79

1. श्री शो० शिवानन्द रेहु जी० पी० ए० वी० व्यक्ति
रमनारेहु घ० नं० 3-6-267 हीमायत नगर
हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. (1) श्री एन० वी० सुब्बाराव।

(2) श्रीमती डॉ० के० भास्करम्मा घ० नं०

1-10-193 आशोक नगर हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
शार्पेबाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीन्दर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्द किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाभारी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रविनियम के प्रध्याय 20-क में परिचायित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में विद्या गया है।

ग्रन्तुसूची

घ० नं० 6-3-347/20 की पहले मंजिल जो द्वारकापुरी
कालोनी हैदराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 3612/
79 जाइंट उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में हुआ है।

के० के० वीर
सभी प्रधिकारी,
महायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखः 16-2-1980

मोहरः

प्रलूप अर्थ ३० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 524/79-80—यतः
मुझे के० बीर

आयकर अधिनियम, 1962 (1962 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति जिम्मा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० नं० 194/3, 4, है, जो टोली चौकी हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार रु० मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री हनुर जर्सिवानी पुन श्री करतार सिंह
(2) श्री करतार सिंह उदय सिंवानी दोनों
घ० नं० १४-१३२ टोली चौकी हैदराबाद
रहते हैं।

(अन्तरक)

- (2) श्री एस० ए० सलाम पुन एस० महबूब मियां
6-३-१०८६/३ सोमाजी गुडा हैदराबाद में रहते हैं)।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हू० ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन, की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जीराती जमीन बीस्टीर्ण 3 एकड़ 5 गुडा जो सं० नं० 194/3 और 194/4 टोली चौकी हैदराबाद में है और दो पौलट्री रोड्स और बाड़ली है, जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 1845/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में हुआ है।

के० के० बीर
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-2-1980

मोहर:

प्रख्य प्राई० टी० एम०एस०—————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 525/79-80—यतः
मुझे के० के० वीर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगति जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 194/3 और 194/4 है, जो टोली चौकी हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में भी पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त संरक्षित के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथार्थवाद संरक्षित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री करतार सिंह जयसिंघानी 9-4-132 टोली चौकी हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. श्री एस० महबूब मीया घ० नं० 6-3-1086/3 सोमाजी गैड हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्कालीन व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोग पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उम्म अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जीराती जमीन सं० नं० 194/3 और 194/4 वीस्टीर्ण 1.8 एकड़ जो टीली चौकी हैदराबाद में है और एम० नं० 9-4-132 है जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 1846/79 से उप-रजिस्ट्रार कार्यालय खैरताबाद में दुआ है।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-2-80

मोहर :

प्रह्लप बाई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० नं० 526/79-80—यतः मुझे कें० कें० वीर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिन्हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 193/4, 194/4 है, जो टोली चौकी हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(र) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री नलीनी कृपलानी।
(2) श्री करतार सिंह जयसिंघानी 9-4-132 टोली चौकी हैदराबाद।
(अन्तरक)
2. श्रीमती सुरेया कादिर 6-3-1086/3 सोमाजीगुडा हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध हिती अथवा उपक्रिया द्वारा, अद्वैतसाक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसे प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही ग्रथ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जीरायता जमीन वीस्टर्न 1.6 एकड़ सबै नं० 194/3 और 194/4 पौलटरी रोड 3-नौकर का घर 2 स्टोर घर और नहानेका घर टोली चौकी हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1847/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय खैरताबाद में।

कें० कें० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-2-1980

मोहर:

प्रस्तुत श्राई० टी० एन० एम० -----

1. श्री महमूद सीराजीदीन 261/श्री मलकपेट हैदराबाद।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर शास्त्रकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद,

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्वेश सं० आर० ए० मी० नं० 527/79-80—यतः
मुझे मे० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सभप्राधितारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति का अधिकारी ने उक्त सम्पत्ति के अधीन
राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल के
पद्धति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी फिसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय प्रान्तीर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजतार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

गठ: ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवक्षियों, अर्थात् :—

2. श्री महमूद अरीफ सय्यद मीरजा 22-2-380 दुसरी
महला हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यक्तिपत्र :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को प्रवधि या तत्त्वान्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संधोरण :—इसमें प्राकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही ग्रथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर सं० 2-3-662/2 आजाद नगर, अमबरपेट हैदराबाद
में विस्तीर्ण 824 वर्ग गज रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3723/79
उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
संसाम प्राधिकारी
सहायक आयकर शास्त्रकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-2-1980

मोहर:

प्रृष्ठ प्राई० टी० एन० एस०----

आयहरश्विनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भाषकर प्राप्तक (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निदास सं० आर० ए० सी० नं० 528/79-80—यतः
मुझे के० के० और

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर मम्पति, निसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ०
से अधिक है।

और जिसकी सं० 22-2-1088 है, जो अम्बरपेट में स्थित है
(और इससे उपायदृ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृहत्मान
प्रतिफल के लिये अन्तरित को गई है और मुझे वह विवास करने
का कारण है कि पश्चात्पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृहत्मान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से
अधिक है और पत्तरक (भूस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे पत्तरण के लिए तथा पावा भवा प्रतिक्षल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त पत्तरण अन्तरित में कास्तिक छप के कारण नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के पत्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे बचन में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या धर्म आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनुकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया
गया चाहिए या, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त पांचांतरण की धारा 269-ए के अन्तरण में
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अन्तरिती, बचाव :—

1. (1) श्रीमती वी० विनोदमा पत्नी वी० प्रसाद राऊ¹
(2) श्री ए० मोहनराऊ घर नं० 2-2-1088
अम्बरपेट हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. श्रीमती के० भवानी पत्नी के० दामोदर राऊ 2-2-
1088 अम्बरपेट, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

उक्त पत्ति के अन्तर्गत में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर सूचना
फो सामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से
किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हितवद
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, प्रधानस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

लघुलिखित :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही पर्याप्त होगा, जो नम प्रधान्य में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 2-2-1088 अम्बरपेट हैदराबाद में वीस्टन 400
वर्ग गज है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3442/79 उप रजिस्ट्री
कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वी०
सक्षम प्राप्तिकारी
महायक भाषकर प्राप्तक (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 16-2-1980

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी, 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 529/79-80—यतः
 मुझे के० के० वीर
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पाँचवां 'उक्त अधिनियम', कहा गया है); की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/16 विभाग है जो दीलू अपार्टमेन्ट में स्थित
 है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सीकिन्द्राबाद में भारतीय
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
 तारीख जून 1979
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित
 में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; प्रौर्या
 (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
 सुविधा के लिए;

यतः अब, सक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती दीलावर बानु—बनजारा हिल्स हैदराबाद।
 (अन्तरक)
 (2) श्रीमती बशीरुल्लासा 1/16 विभाग का घर बेगमपेट
 हैदराबाद।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अवित्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य अवित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
 अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
 है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति विभाजन नकिया दुवा विभाग 1/16 दीलू
 अपार्टमेन्ट बेगमपेट सीकिन्द्राबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं
 1559/79-उप रजिस्ट्री कार्यालय सीकिन्द्राबाद में।

के० के० वीर
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-2-1980

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइंट दो० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजेन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 16 फरवरी, 1980

निर्देश सं० आंर० ए० सी० नं० 530/79-80—यतः मझे
के० के० वीर

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वै नं० 336 है, जो मुसापेट में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में भारतीय रजिस्ट्री
करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कर के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए प्रमुखित की जई है और मझे यह विवास
करने का कारण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रत्यवरण के लिए तब यादा यादा प्रतिक्रिया, निष्ठनिष्ठित
उद्देश्य के उक्त प्रत्यवरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किमी प्राय की दूरी उक्त
प्रधिनियम के अधीन करने के अन्तरह के
दृश्यमान में किमी करने वा उपर बचने में मुविषा
के लिए; ग्रौट्या

(ख) एसी किमी प्राय वा हिसाधत या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्य-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया जाया
वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में
मुविषा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनुदर्श
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निष्ठनिष्ठित अविक्तियों, अवात् :—

1. श्री राधिश्याम ।

(2) श्रीमती तारकेंद्री 49/श्री सुन्दरनगर
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री बी० मल्लेश और

(2) श्री के० समलू 2-48 मुसापेट हैदराबाद वेस्ट ।
(3) श्री के० महबूब ।
(4) श्रीज बी० जे० रेडी तमाम रहते हैं मुसापेट
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के अनुदर्श में कोई भी आधेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रतिविधि, या नस्तम्भन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रतिविधि; जो भी
प्रतिविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद् किसी अन्य अविक्त द्वारा अधिस्तानारी के
पास निवेदित में लिए जा नहें।

इन्होंकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्तों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के विधाय 20-क में परिमाणित हैं,
वही प्रय॑ होगा जो उक्त प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जिरायती अमीन सर्वै नं० 336-मुसापेट रनगारेडी
जिला-रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1147/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद वेस्ट में।

के० के० वीर
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजेन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-2-1980

मोहर:

प्राप्ति आई० टी०एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 531/ 79-80—यतः
मुझे के० के० बीर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट है, जो सबै नं० 118/2,
118/4 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भवनजा,
गुटा खेताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का नहीं प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावजूद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

12—516GI/79

1. श्री पी० सारनगपाली पुद्र पी० एस० नारायण
5-3-140 कीता हनमकोनडा वरनगल।
(अन्तरक)
2. श्रीमती सी० एच० लक्ष्मी पत्नी भासकर राऊ 6-3-
252/4 एरमभनजील हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्याद्वयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावजूद से
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा
में किए जा सकेंगे।

संशोधन:—इसमें प्रदृश्य शब्दों प्रौर पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन बीस्टन 600 वर्ग गज सबै नं० 118/2
और 118/4 पनजागुटा हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं०
1935/79 खेताबाद उप रजिस्ट्री कार्यालय में।

के० के० बीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर विभाग, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-2-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 532/79-80—यतः मुझे
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 1-बी है, जो गुडीमलकापुर में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीफरण अधिनियम, 1908 (10908 का 16) के
अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—}

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

यतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० वेंकटेशवर राऊ 12-2-725/23-रेतीबोला
हैदराबाद।
(अन्तरक)
2. दी सर्वेलकापरेटोर हाऊसिंग सोसायटी रेतीबोली
हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन 2,873.7 वर्ग गज प्लाट 1-बी गुडीमलका-
पुर में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1918/79 ऊपर रजिस्ट्री कार्यालय
खैरताबाद में।

के०के०वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-2-1980

मोहर :

प्रकाप भार्टी टी.एन.एस.-----
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ग (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं. आर.० ए० सी० नं० 533/79-80—यतः मुझे
 के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 दूसरे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
 के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
 स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
 अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं० 1-ए है, जो गुडीमलकापुर में स्थित
 है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में भारतीय
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
 तारीख जून 1979
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यहाँ पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
 दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिक्रिया
 से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और प्रत्यक्षित (अन्तरितियों)
 के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
 गया प्रतिफल, निम्नलिखित चेतावनी से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से करिता नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षित के वायित्व में
 कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित अन्तियों, प्राप्ति :—

श्री 1. श्री पी० रामघेंद्र राऊ 12-2-725/23 रत्नीबोली,
 हैदराबाद।
 (प्रत्यक्ष)
 2. दी सेरवेल कोओपरेटोर हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड
 रत्नीबोली, हैदराबाद।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन के
 लिए हायंवात्रियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैतन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिपूर्ण विवरण :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तस्वीरी अन्तियों पर सूचना की
 नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 ममात्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अन्तियों में से
 किसी अन्तियि द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
 अन्य अन्तियि द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
 अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वीस्टर्न 2873.76 वर्ग गज गुडी मलकापुर
 में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1917/79 ऊपर रजिस्ट्री कार्यालय
 खैरताबाद में।

के० के० वीर
 सकाम प्राधिकारी
 सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 16-2-80
 मोहर:

प्रधान प्राइंटी० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 534/79-80—यतः मुझे
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इधर पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो पंजाबगुड़ा में स्थित है
(और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का
कारण है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के नन्हे प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तिया) के बीच ऐसे अस्तरण के सिए तथ पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायितव्य
में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनावृत्त अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अन्: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुपरग में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपावढ़ (1) के
अधीन निम्नलिखित अवितयों, अधीत् :—

1. श्री महमद अबुल अक्फ़ुल पुत्र महमद अबुल रहीम
10-3-287/3 शान्तिनगर हैदराबाद।
(अन्तरक)
2. श्री पी० शेशारेहु 6-3-454/455 पंजाबगुड़ा हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यशाहियों करता हूँ।

उक्त सम्बन्ध के अंतर्गत सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के उत्तरावत् में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी अवितयों वर यह सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, यो भी प्रवधि याद में
समाप्त होनी ही, के भीतर पूर्वोक्त अवितयों में से
किसी अवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के उत्तरावत् में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमध्य
किसी अन्य अवित द्वारा अशोहस्त्राकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एवंतोऽरच :——इसमें प्रदर्शन भवदों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के प्रधान 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ दोनों जो, उस
अन्तरण में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वीस्टन 1321 वर्ग गज पंजाबगुड़ा के पास
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1899 उप रजिस्ट्री कार्यालय खरता-
बाद में।

के० के० वीर
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-2-1980

मोहर :

प्रलूप ग्राही टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सदायह आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 534/79-80—यतः मुझे
के० के० वीर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
अधीन सकाम शाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में
अधिक है।

और जिसकी सं० 10-2-8 है, जो ए० सी० वार्ड में स्थित है
(और इससे उपावड़ ग्रनुसची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून 1979 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुमति की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमाण प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अनुरण के लिए तय राया या
प्रतिक्रिया, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अनुरण लिखित में
बाहरित रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के प्रधीन कहने के अन्तराल के दायित्व
में कभी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जोर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती डारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, विधान में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के बाबत
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री रामीया असोक मीरजा और दूसरे 1-86-हृषी-
गुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री संयद जीयाअल्ला हुसेनी और दूसरे 23-1-642/3
मोगलपुरा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्रेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के रास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ग्रनुसची

घर नं० 10-2-8 ए० सी० गार्ड हैदराबाद रजिस्ट्री इस्ताबेज
नं० 3293/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय मोजमजारी मारकीट
हैदराबाद में।

के० के० वीर

सकाम अधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 16-2-1980

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 फरवरी, 1980

निवेश सं० ए० एस०/आर० II/1979-80—गतः, एम०
एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कि गांव ढंड में स्थित
है (और इसमें उपावस्था अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से बर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून
1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया तिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई, किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

गतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. जीतो, प्रीतो पुद्दीयां चलण सिह निवासी
ढंड, तहसील तरन तारन।
(अन्तरक)
2. मर्वशी कुलविन्द मिह, हरसा सिह, हरजिन्द सिह
हरदेव सिह मार्कत मुखतार सिह निवासी ढंड
तहसील तरनतारन।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार
हो तो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुची रखता हो
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की व्यवधि या तरफ़वंशी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की व्यवधि, जो भी व्यवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्यी

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 71 कनाल 8 मरला है 2/3
भाग 107 कनाल 1 मरला का नहरी जो कि गांव ढंड तहसील
तरनतारन में स्थित है जैसाकि रजिस्ट्रीडांड नं० 440/14-6-
1979 आफ रजिस्ट्री कार्यालय तरन तारन में दर्ज हैं।

एम० एल० महाजन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीखः 11-2-1980

मोहरः

प्रलेप श्राइंटी० टी० एन० एम०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्रारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निर्वेश सं० ए०ए०म०ग्राम०/७९-८०/३१७—यतः मुझे एम०
एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है
प्रौद्योगिकी सं० दुकान का 1/2 भाग है तथा जो किंगुरु बाजार
अमृतसर में स्थित है (प्रौद्योगिकी सं० दुकान का 1/2 भाग है
पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) प्रौद्योगिकी (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए जरूरी गया प्रतिफल, विधिविहित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के
लिए ; प्रौद्योगिकी

(ख) ऐसी फिसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या फिसा जाना चाहिए था, छिनाने में
मुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की बारा 269-व के अनुसर
में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अकित्यों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हीरा देवी विधवा श्री नरपत राण आप प्रौद्योगिकी
मुख्यतार द्वास मिन जानब श्रीमती शुक्लसला देवी
पुत्री तरपत राण प्रौद्योगिकी मदन मोहन, श्री
ओम प्रकाश, श्री किशोर चन्द्र निवासी बाजार
गुजरा, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रकाश वन्ती पत्नी श्री किशन चन्द्र गुरु बाजार,
बुकान नं० 173/2, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में प्रौद्योगिकी किंगुरु बाजार
(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति
है।)

4. यदि प्रौद्योगिकी किंगुरु बाजार में हचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रौद्योगिकी किंगुरु
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रौद्योगिकी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौद्योगिकी का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान का 1/2 भाग नं० 173/2 जो कि गुरु
बाजार अमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डील नं० 664/1
दिनांक 1-6-79 आफ रजिस्ट्री अथारटी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 12-2-1980

मोहर :

प्रलूप प्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निर्देश सं० जे०बी०जे०/७९-८०/३१८—यतः मुझे एम०
एन० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
दसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सबम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० क्रषि भूमि गांव झन्बाल कला अमृतसर है
तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी 'आय' की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ब्रतवा मिहू पुत्र श्री अला मिहू झन्बाल कला
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री अवतार मिहू पुत्र भोला मिहू गांव झन्बाल कला
अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसाकि नं० 2 में है यदि कोई किरायेदार हो तो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में हवा रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संबद्धी नाम :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिसापित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 56 कनाल 8 मरला गांव झन्बाल कला में
है। जैसाकि रजिस्ट्रीक्रेशन नं० 416 दिनांक 13-6-79 रजिस्ट्री
अधिकारी झन्बाल में स्थित है।

एम० एल० महाजन,
मध्यम प्राधिकारी
निम्नलिखित अधिकारी
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12-2-1980

मोहर :

प्रश्नप्राइंटी ८० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1060

निर्देश सं० एएसक्यू/79-80/319—यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति शिक्षका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट आफ लैण्ड शास्त्री नगर अमृतसर में स्थित है (प्रौढ़ इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), प्रौढ़ रजिस्ट्रीकरता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 19879 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है प्रौढ़ मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृथमान प्रतिफल से, ऐसे वृथमान प्रतिफल का पन्द्रह अंतिशत प्रधिक है प्रौढ़ अन्तरक (अन्तरको) प्रौढ़ अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविष्ठा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी ब्लू या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत. रब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—
13—516GI/79

1. चैत्रल खाना पत्नी श्री किशन कुमार खाना निवासी गागर मल रोड कटरा झेंग मिह अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र श्री राम श्रीमती रेनू मेठ पत्नी सुरिन्द्र कुमार प्रौढ़ मनीष कुमार (प्रम.) निवासी कोठी नं० 59 अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा सं० 2 पर और कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इच्छा हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी वर्कितियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी घब्बि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ए. एल० प्लाट 1000 वर्ग गज शास्त्री नगर में जोकि सेल डीड नं० 740/I दिनांक 6-6-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में वर्ज है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 12-2-80
मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रापुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निदेश सं० एएसक्य०/79-80/320—यतः मूँगे एम० एल०
महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है जो शास्त्री नगर में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून
1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण में दुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनानु-
पन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. निम्न खाता पर्सी विष्ये खाता प्रार/ओ 368 गत
एजवेन्यूज।

(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र श्री राम श्रीमती रेनू सेठ पर्सी
सुरिन्द्र कुमार कीठी नं० 59, अमृतसर।

(अन्तरिक्ती)

जैसा कि सं० 2 पर और कोई किरायेदार हो।

4. यदि और कोई व्यक्ति इसका हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवड़ है)

को वह सूचना जारी रखे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अवधि में कोई भी प्राप्तप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी
प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

उपलेख:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट आफ लैण्ड खसरा नं० 623, लारंस रोड पर शास्त्री नगर
सकीन नं० 62 जैसे कि सेल डीड नं० 758/I दिनांक 7/6/79
आफ रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रापुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 12-2-80

मोहर:

प्रस्तुप घाइँ. डी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर व्यापक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निदश सं० एएसआर/79-80/321—यतः मुझे, एम०
एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पालान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- वरए
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का प्लाट है तथा जो कि क्वीनज रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोत्तर तमाति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) प्रोर अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल निर्दिष्ट उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तर्ह के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी छन या अन्य घास्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिनने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर में
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अन्तीम, विवरिति व्यवित्ती, अवैत्:—

1. श्रीमती महिन्द्र कौर विधवा सु० करम सिंह और
सतीश इन्द्र सिंह पुत्र सु० चरण सिंह 3-क्वीनज
रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जान्ति देवी पत्नी सु० जीत सिंह 17-मकबूल
रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेवार होतो
(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना बारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैत के
निए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैत के सम्बन्ध में कोई भी घाँटेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
सिविल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के प्रधायाप 20-क में परिभाषित हैं
वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रधायाप में विद्या गया है।

प्रमुख

एक जायदाद नं० 8 जिसका क्षेत्रकल 266.7 वर्ग मी०
है जो कि क्वीनज रोड, अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड
डीड नं० 689/1 दिनांक 4-6-79 आफ रजिस्ट्रीग अथारटी
अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक व्यापक व्यापक, (निरीक्षण,)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 12-2-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी, 1980

निर्देश सं० एएसआर/79-80/322—यतः मुझे एम० एल० महाजन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्राप्ती है तथा जो कर्मो डयोरी, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पांद्रह ग्रन्थित से अधिक है और प्रस्तुरक (प्रस्तुरकों) और प्रस्तुरिती (प्रस्तुरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तुरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तुरण से ही किसी प्राय की वावत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तुरक के शर्तियाँ में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्राण्य प्रासितियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अनन्कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रस्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, डिपान में सुविधा के लिए;

वह, प्रबृ, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपब्राशा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यविधि, अर्थात्:—

1. श्री शिवलाल, हर प्रसाद, कर्मो डयोरी द्वारा हर प्रसाद पुत्र शिव लाल मुख्तार आम मिन० जनाब श्री राम किशन, श्री प्रेम नाथ, श्री केवल किशन, श्री विजयकुमार पुत्र हर प्रसाद

(भरकन्त)

2. श्री बहादुर सिंह पुत्र केसर सिंह, रजिन्द्र सिंह पुत्र बहादुर सिंह निवासी शरीफपुरा, अमृतसर।
(अन्तरिक्त)

3. किरायेदार गोपाल दास, संजे कुमार, जान चंद महाजन एंड संज, जनक राज पुत्र किशन चन्द, पवन कुमार एंड कं०, पवन कुमार एंड कं०, जोगिन्द्र सिंह पुत्र गोपाल सिंह, श्री किशन कुमार महाजन, नवल कुमार खन्ना, सत पाल ओम प्रकाश, आर०के० विजय कुमार, विज लाल खन्ना एंड सेन्ज, विज खन्ना, शिव कुमार पुत्र दीना नाथ, मै० सन्त राम एंड सन्ज, सन्त राम, विजय कुमार, चमन लाल पुत्र श्रवन मल देव राज, किशोर चन्द, अशोक कुमार एंड ब्रदर्स, सरदार हरमिन्द्र एंड कं०, देवराज किशोर चन्द अमृत महाजन, बलविन्द्र सिंह एंड कं०, उत्तम सिंह पुत्र तेजा सिंह वैशानो टेक्सटाल चमन लाल एंड सन्ज।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इसमें रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबोधकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बिल्डिंग नं० 2342-43 और 830, 662 करमो देवरी शिव मार्केट में जैसाकि सेल डील नं० 6901 दिनांक 4-6-79 रजिस्ट्री प्रधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख: 12-2-80

मोहर:

प्रसंग आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 2 फरवरी 1980

निर्देश सं० एएसआर/79-80/323—बतः मुझे एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्राप्तिर्दृष्टि करमो दिओरी में है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्यी में और पूरी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थतः—

1. मैसर्सं शिव लाल हरप्रसाद, बाजार करमो दिओरी अमृतसर, राही हरप्रसाद खुद मुख्तार आम जनाब सिरी केवल कुमार, प्रेम नाथ, राम कुशन, विजय कुमार प्रजान। (अन्तरक)

2. श्री मान सिंह गुलाटी पुत्र हरनाम सिंह गुलाटी सतिन्द्र सिंह पुत्र हरनाम सिंह निवासी 20, कैट अमृतसर। (अन्तरिती)

3. सर्वश्री गोपाल दास संजय कुमार ज्ञान चन्द महाजन एण्ड सन्ज, जनक राज पुत्र किशन चन्द पवन कुमार एड कं०, पवन कुमार एन्ड कं०, जोगिन्द्र सिंह पुत्र गोपाल सिंह, किशन कुमार महाजन, नवल कुमार खन्ना, सत्य पाल ओम प्रकाश, आर० के० विजय कुमार, मैसर्सं ब्रजलाल खन्ना एण्ड सेन्ज, ब्रिज खन्ना, शिव कुमार पुत्र दीना नाथ, मैसर्सं सन्तराम एण्ड सन्ज, सन्त राम विजय कुमार चमन लाल पुत्र सरबन लाल, देव राज किशोर चन्द, अशोक कुमार एण्ड एस० हरमोहिन्द्र एड कं०, देवराज किशोर चन्द, अमृत महाजन बलविन्द्र सिंह एड कं०, उत्तम सिंह पुत्र तेजा सिंह वैश्नो टैक्सटाइल चमन लाल एण्ड सेन्ज।

वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षणाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो [उक्त अधिनियम के प्रधायां 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायां में दिया गया है।

अनुसूची

एक बिल्डिंग नं० 2342-43 और 830, 662 करमो डिओरी में शिव मार्केट अमृतसर जैसाकि सेल डीड नं० 905/1 विनांक 20-6-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 12-2-1980

मोहर:

प्रस्तुप प्राई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी, 1980

निदेश सं. एएसआर/79-80/324—यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एक प्राप्ती है तथा जो करमो डिग्री अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उत्तर अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कपित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिक भ करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर क प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाल अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रत्येक अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. शिव लाल हर प्रशाद करमो डिग्री अमृतसर राही हर प्रशाद खुद मुख्तार आम जनाब श्री राम कृष्ण, श्री प्रेम नाथ, श्री केवल कृष्ण, श्री विजय कुमार पुत्राण वलों।

(अन्तरक)

2. श्रीमती तजिन्द्र कौर विश्वा सुरिन्द्र सिंह और तेजपाल सिंह पुत्र सुरिन्द्र सिंह वासी शरीकुरा अमृतसर। (अन्तरिती)

3. मैसर्स गोपाल दास संजय कुमार, मैसर्स जानचन्द्र महाजन एंड संज, जनक राज पुत्र श्री किशन चन्द्र, मैसर्स पवन कुमार एंड कं०, मैसर्स पवन कुमार एंड कं०, जोगिन्द्र सिंह पुत्र गोपाल सिंह, श्री किशन कुमार महाजन, नवल कुमार खन्ना, मैसर्स सतपाल ओम प्रकाश, मैसर्स आर० क० विजय कुमार, मैसर्स ब्रिज लाल खन्ना एंड सन्ज, श्री ब्रिज खन्ना, शिव कुमार पुत्र दीना नाथ, मैसर्स सन्त राम एंड सन्ज, मैसर्स सन्त राम विजय कुमार, श्री चमन लाल पुत्र सरवन लाल, मैसर्स देव राज किशोर चन्द्र, मैसर्स अशोक कुमार एंड ब्रदर्स, हरमोहिन्द्र एंड कं०, मैसर्स देव राज किशोर चन्द्र, श्री अनूत महाजन, मैसर्स बलविन्द्र सिंह एंड कं०, उत्तम सिंह पुत्र तेजा सिंह वैशनो टैक्सटाइल्स, मै० चमन लाल एंड सन्ज।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इसमें रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के रास लिखित में किए जा सकें।

स्वावोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-ख में परिवाचित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्राप्ती नं० 2342-43 और 830, 682 करमो डिग्री में शिव मार्केट जैसा कि सेल डील नं० 800/I दिनांक 12-6-79 रजिस्ट्री अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12-2-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा—
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निर्देश सं० एएसआर/79-80/325—यतः, मुझे, एम०
एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० कोठी नं० 8 का $\frac{1}{4}$ भाग है तथा जो कि जी०
टी० रोड, रोगों ब्रिज, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए ;

यतः, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शुलकशना अग्रवाल पत्नी श्री अरंजीब लाल
अग्रवाल 53- दयामन्द नगर, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश लाल और राज पाल पुत्रान् श्री जीया
राम निवासी कटड़ा गोरमिह नई आबादी अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में इच्छा रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 8 का $\frac{1}{4}$ भाग जो कि जी० टी० रोड निकट
रीगों ब्रिज अमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 721/1
दिनांक 5-6-79 आफ रजिस्ट्रींग अथार्टी अमृतसर के
कार्यालय में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 12-2-80

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सशायक आयकर प्राधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निर्देश सं० पासशार/79-80/326—यह: मुझे, एम०
एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1/3 हिस्सा कोठी रोगो ब्रिज अमृतसर
है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतु:—

1. श्रीमती शुलक्षना अग्रवाल पत्नी चरनजीत लाल
अग्रवाल निवासी 53, दियानन्द नगर अमृतसर।
(अन्तरक)
2. श्री अशोक कुमार और किशोरी लाल पुत्र श्री जीया राम
निवासी कटरा थोर सिंह अमृतसर।
(अन्तरिती)
3. जैसाकि नं० 2 में और कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि और कोई व्यक्ति इसमें हचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लिखित—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 हिस्सा कोठी नं० 8 नं० 1260/सीएल रीगो ब्रिज पर
जैसाकि सेल डीड नं० 721/1 दिनांक 5-6-79 रजिस्ट्री अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है।

एम एल० महाज,
सम्मु प्राधिकारी,
सशायक आयकर आयुत (निरीक्षण
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 12-2-1980

मोहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०—

आयतन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सार्वजनिक, भूमि पर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निर्देश सं० आम स्पर्श/79-80/327—यतः, मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन तज्ज्ञ प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कि कूचा मिशर बेली राम, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त गमनि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यन्तर (अन्तराल) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच दो अन्तरगति के लिए नहीं गाँग गतिहास, विनियित उद्देश्य से उक्ता अन्तरगति लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(६) अन्तरगति के लिये आप की वाचन उक्त अधिनियम, को अधीन नहीं करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(७) ऐसी हीमी आप का ऐसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः, आब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुराग में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपर्याप्तः:—

14—516GI/79

1. श्री ओम प्रकाश पुत्र स० दीवान चंद कटड़ा परजा, कूचा मिशर बेली राम, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीण राज पुत्र श्री सन्त राम कटड़ा रजा, अन्दरून कटड़ा मिशर बेली राम।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार होतो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति द्वारा जायदाद में रक्षी रखता है (वह व्यक्ति, जिसके वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है फिर वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी रखके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वावधी अविक्तियों पर सूचना की तासीन में 30 दिन तकी अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किस अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 115/12 और नं० 313/ XII-3 का तु भाग जो कि कटड़ा कूचा मिशर बेली राम, कटड़ा पर्जा अमृतसर में स्थित है जैसा कि सेत डीड नं० 935/1 दिनांक 6-6-79 आफू रजिस्ट्रीग्र अधारटी अमृतसर में स्थित है।

एम० एल० महाज,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर,

तारीखः 12-2-1980

मोद्दर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, अमृतसर
 अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/328—अतः मुझे
 एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 ह० से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कि कूचा
 मिशन बेलीराम, कटरा परजा, अमृतसर में स्थित है (और
 इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-
 करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
 तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 के अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया
 गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में
 कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आविष्यों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगान्वय अन्तरिटी द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना आविष्ट था, जिसमें
 सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
 अधीन निम्नलिखित अवित्यों, प्रर्थात्:—

1. श्री चमन लाल पुत्र श्री दीवान चन्द कटड़ा पर्जा,
 कूचा मिशन बेली, अमृतसर (अन्तरक)
2. श्री जगदीश राज पुत्र श्री सन्त राम कटड़ा पर्जा,
 कूचा मिशन बेली राम अमृतसर (अन्तरिटी)
3. जैसा कि ऊपर से 2 में और कोई किरायेदार
 होतो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
 हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
 वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
 से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रधाय में दिया
 गया है।

अनुसूची

मकान नं० 115/2 और नं० 313/XII-3 का 1/3
 भाग जो कि कटड़ा परजा, कूचा मिशन बेली राम, अमृतसर
 में स्थित है जैसा कि सेल डील नं० 778 दिनांक 11-6-79
 आफ रजिस्ट्रीग्रामारिटी अमृतसर में हितति है।

एम० एल० महाजन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, अमृतसर
 दिनांक 12-2-1980
 मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एल०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/329—यतः मुझे
एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० ए० जायदाद जो कि कूचा मिशर बेली राम, कटडा परजा, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्ययुक्ते उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथातः:—

1. श्री चमन लाल पुत्र श्री दीवान चन्द कटडा पर्जा, कूचा मिशर बेली, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री जगदीश राज पुत्र श्री सन्त राम कटडा पर्जा, कूचा मिशर बेली राम, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर से 2 में और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि व सम्पत्ति में हितबद्ध है)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई शाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 115/2 और नं० 313/XII-3 का 1/3 भान जो कि कटडा परजा, कूचा मिशर बेली राम, अमृतसर में स्थित है जैसा कि सेलडीड नं० 778 दिनांक 11-6-79 आफ रजिस्ट्रीग अधारटी अमृतसर में स्थित है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख 12-2-1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निदेश न० ए० एम० आर०/79-80/330—यतः मुझे
एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसां उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो कि कटड़ा आहलुवाला
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख जून 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य वर्तमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त लम्हता का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कभी नहीं या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रत्येक नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन;
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैमरजा हंस राज विद्या प्रकाश निवासी 2 फलोर
बम्बई, हनुमान विलिंग, बम्बई द्वारा महिन्द्र कुमार खुद,
विद्या प्रकाश और महिन्द्र कुमार पुगान विद्या प्रकाश द्वारा
महिन्द्र कुमार मुजादर मुख्तार (अन्तरक)

2. श्रीमती मीना वली पस्ती श्री बिंज लाल कटड़ा
आहलुवाला, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर से 2 में और काई किरायेदार
हो तो (वह व्यक्ति जिसके जिसके अधिभोग में सम्पत्ति)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
हो तो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी व्यक्ति बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

एक दुकान नं० 1040/2 पुराना और नया नं० 1669/II
23 और 106/ II 23 जो कि कटड़ा आहलुवाला में स्थित
है जैसा कि सेल डीड नं० 995/1 दिनांक 29-6-79 आफ
रजिस्ट्रींग अथारटी अमृतसर में स्थित है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 12-2-1980
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निर्देश सं० एस० एम्स०/एम्स०/79-80/331—यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो रणजीत पुरा, पुनलीघर में स्थित है (यांग इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्टी अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित का गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरुप के निए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भागीदार आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के ग्रन्त्यरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, असौतः :—

1. श्री किशोर चन्द्र पुत्र श्री राम प्रताप निवासी दया नद नगर, अमृतसर श्री रोगन नाल पुत्र श्री जय गोपाल निवासी दया नद नगर अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री हरिन्द्र जीत निडू पुत्र श्री नाल सिंह निवासी मकान नं० 4397/23, रनजीत पुरा पुनलीघर, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और काई किरायेदार होता है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अद्वौहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिन्दूद्वाद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पञ्चवी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्दूद्वाद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वौहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि पर शेड जिसका माप 234 वर्ग मी० रणजीत पुरा पुनलीघर, अमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 840/I दिनांक 15-6-79 को रजिस्ट्री अथारिटी, अमृतसर के कार्यालय में दज है।

एम० एल० महाजन

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 12-2-1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राईंट टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निक्षेप सं० ५० एस० आर० /७९-८०/३२२—यतः, मुझे,
एम० एल० महाजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ५० एक जायदाद है तथा जो कि रणजीत
पुरा, पुतलीधर, अमृतसर में स्थित है और इससे उपाखद
अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तर पात्र गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय यात्रा-हर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

1. श्री किशोर चन्द्र पुत्र श्री राम प्रताप और श्री
रोशन लाल पुत्र श्री जोगन पाल निवासी दयानन्द नगर,
अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती जसबीर वौर पुढ़ी श्री शीशम सिंह मकान
नं० 4397/XIV -23, रणजीत पुरा पुतलीधर अमृतसर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० २ में और कोई किरायेदार
हो तो (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
व सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी नहरे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन हे सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शेड जिसका क्षेत्रफल 234 वर्ग मी० है जो कि रणजीत
पुरा, पुतलीधर, अमृतसर में स्थित है जैसा कि सेलडीड
नं० 841/1 दिनांक 15-6-79 आफ रजिस्ट्रीग्र अधारटी
अमृतसर शहर में स्थित है

एम० एल० महाजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 12-2-1989

मोहर :

प्रलेप आई० ती० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/333—यतः मुझे
एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्रापटी तरन तारन रोड पर है तथा
जो एस० आर० अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
ग्रनूसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सी अधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, जून 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और एस० आर० अमृतसर
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से लियेत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी पाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन अर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें सामनों प्रयोकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वा० उक्त अधिनियम, वा
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ जारी द्वारा प्रकट नहीं किया
बया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

बता: प्रब; उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
अनुसरमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कबलजीत सिंह पुन श्री कलियान सिंह वासी चौक
बाबा भोरी वाला, अमृतसर
(अन्तरक)

2. सुरजीत सिंह पुन गोपाल सिंह और सतनाम सिंह
पुन सुरजीत सिंह वासी चौक बाबा भोरीवाला अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 और कोई किराएदार, श्री बलबीर
सिंह, बम्बे टेक्साटाईल मिलज, श्री बी० पी० टैक्साटाईल मिलज।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इसमें रुची रखता है) वह
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानाता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रावेप :--

(क) इस पूत्रग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की प्रवधि या तस्मान्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रत्यं होता जो उस प्रध्याय में दिया
करा है।

अमृतसर

एक प्रापटी नं० 3161/ए/XVI तरन तारन रोड पर
अमृतसर जैसा कि सेलडीड नं० 929/I दिनांक 21-6-79 रजीस्ट्री
अधिकारी अमृतसर।

एम० एल० महाजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 12-2-80

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी डी० एन० एस०—

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सुचना

नारन भट्टाचार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/334—यतः मुझे
एम० एल० महाजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन समर प्राधिकारी को यह विषयाम
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, असका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो कि बाजार बुतमलकां,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावन्धु अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकरण नियित की गई है और मूँहे यह विषयाम
करने का कारण है कि यसापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकरण में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकरण का
अद्वितीयता से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्त^(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिकरण, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में उत्तरविक
रूप से उचित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को राबड़ उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भास्तीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 111 वा उक्त अधिनियम,
एवं अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रविधियाम अन्तरिक्त होता प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता जातिए था, किपाने में
सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रविधियाम में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की सुचना (1) के अधीन;
निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्—

- श्रीमती पुष्पा लता विधवा श्री प्राण नाथ मकान नं०
2836/2, बाजार बुत मलकां, अमृतसर (अन्तरक)
- श्रीमती सवित्री देवी पत्नी श्री ओम प्रकाश निवासी
भोजनी जिला बैहड़ धबबाद और श्रीमती प्रेम लता पत्नी
श्री मदन लाल निवासी मकान नं० 118 बाजार मोरी गंज,
अमृतसर (अन्तरिक्त)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो
तो (1) मैसरज जगत नाथ खना 70/पी० एम० (2) मैसरज अमा टेबसटाइल एजेंसीज 75/- पी० एम० (वह
व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में हचि रखता
हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
को यह सुचना गार्ह करने पूर्वीन संक्षिप्त के भवनों के लिए
हार्ड एडियो शुरू करा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अंतर्गत में नाइंवा आरंभ :—

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन जी अधिक या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अधिक ताद
में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी भेजे से
किसी अविवादित होता है;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में रकाशत की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अप अधिक द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
विद्युत नॉक्ट वा बड़वे।

स्पष्टीकरण —इसमें पर्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही वर्ध होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 2836/2 जो कि बाजार बुत मलकां,
अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 777/1
दिनांक 11-6-79 आफ रजिस्ट्रीग अथारटी अमृतसर शहर
में दर्ज है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर
तारीख 13-2-80
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/335—यतः मुझे
एम एल महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट मुलतान सिंह रोड पर है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपारद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निर्मनलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राप्ति को बाबन, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के
अधीन निर्मनलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

15—516GI/79

1. जगीर कोर पत्ति अमरीक सिंह R/O गोविन्दगढ़
जिला पटियाला संसि गुरचरण सिंह पुत्र प्रेम सिंह वासी
हमीन्दपुर तपील अमृतसर मुखतार आम (अन्तरक)

2. मैमर्स अकाश फोड़री बरबस, सुलतान बिंड रोड राहीं
मुरिन्दर सिंह सुलतान बिंड रोड अमृतसर (अतरिती)

3. जैसा कि सं० 2 पर और कोई किरायेवार (वह
व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति यह रखता है। (वह व्यक्ति
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की प्रत्यधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रत्यधि, जो भी
प्रत्यधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
प्रयृष्ट होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस प्लाट 726 वर्ग गज सुलतान बिंड रोड पर जैसा कि
सेल डीड नं० 843/I दिनांक 15-6-79 रजिस्ट्री अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 13-2-80

मोहर :

प्रकृत पाईद० दी० एव० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को आदा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निर्देश सं० एस० ए० आर०/79-80/336—यतः मुझे
एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को आदा
269-ए के प्रधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विवाह करने का
कारण है कि स्वावर सम्पत्ति निकाल उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ए० से अधिक है।

और जिसकी सं० बिल्डिंग नं० 1731 से 1737 करमों
डिओरी अमृतसर है तथा जो में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979
को पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विवाह
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत से अधिक है और प्रतिरक्त (अन्तर्की) और प्रतिरक्ती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकाल में वास्तविक
रूप से लाभित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी प्राद की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षरक के वायितन में कमी
करने या उससे बचने वें सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी प्राद या किसी बाब की अन्तरण में प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षरक के वायितन में कमी
करने या उससे बचने वें सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की आदा 269-ए के अनुसार में, उक्त अधिनियम की आदा 269-ए को उपलब्ध
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिसंघों, वर्षात् :—

1. श्री केशल किशन अश्वतार किशन कपूर पूर्ण रामदास कपूर
और शामदास पूर्ण डा० गुरदिता मल R/o भजीठा रोह
अमृतसर (अन्तरक)

2. सुदेश कुमार खना, और राज कुमार पुन राम मूर्ति खना
रीटा खना W/o सुदेश कुमार & कमला खना W/o राम मूर्ति
350 शास्त्री मार्केट अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा सं० २ और किरायेदार शेरीलाल बधारका
दास, शिव कुमार भगत सिंह जगदीश लाल, दधारका नाथ
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. पदि और कोई व्यक्ति रुचि रखता हो (वह
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आदी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी अधिकारी पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्त अधिकारी
में से किसी अधिकता द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
विवित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रत्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रत्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक बिल्डिंग नं० 1731 से 1737 करमा डिओरी अमृतसर
जैसा कि सेल डीड नं० 801/I विनांक 10-6-79 रजिस्ट्री
अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,
सक्षम प्राप्तिकारी,
सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण),
प्रज्ञन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-2-1980

मोहर :

प्रह्लाप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 1961 का 43 की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर
अमृतसर, विनांक 13 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/337—यतः मुझे
एम० एल० महाजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके उपचार 'उत्तर प्रधिनियम' कहा गया है), को
धारा 269-ख के परीक्षण प्राविकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- वा० से प्रधिक है
और जिसकी सं० कोठी नं० 549 है तथा जो कि बसंत
एवन्यु, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जून 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्ति
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री शूनीलाल पुत्र श्री वरिता मल कोठी नं० 549,
बसंत एवन्यु अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री गिरधारी लाल पुत्र श्री भजन लाल कटड़ा आहलु-
वालिया, गली लाला बाली अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 ऊपर और कोई किरायेदार
हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापे:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मर्दों का, जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

1/2 भाग कोठी नं० 549 जो कि बसंत एवन्यु, अमृतसर में
स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 944/1 विनांक 22-6-79 आफ
रजिस्ट्रीग्र अधिकारी अमृतसर शहर में स्थित है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

विनांक : 13 फरवरी 1980

मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०——

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/79-80/339—यतः मुझे
एम० एल० महाजन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० ए० एक प्रपाठी कटरा शेरन सिंह और उपर
अमृतसर है तथा जो में स्थित है (श्री इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
प्रतिक्रिया (पन्द्रहों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित
उद्देश्य व उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ प्रतिरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्रायकर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अमृतसर जैशा, हरसरण कौर, बमंत कौर, सुखमनी कौर पुत्रियां अमृतसर (अन्तरिती)

2. सरदार वरदाम सिंह, मखन सिंह, दरणन सिंह पुत्र हरनाम सिंह 62 रानी का बाग अमृतसर (अन्तरित)

3. जैसा कि सं० 2 और किरायदार देवी दयाल, ज्ञान चन्द, हरनान सिंह, बलवंत राय, मदन मोहन, हरनाम सिंह, हंस राज, रामपाल (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस में रूचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के प्रबन्धन में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तरसंबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसन्धी

प्लाट नं० 2046/12 कटरा शेरसिंह सिंह म एस्या 335 जैसा कि सेलडीड नं० 765 दिनांक 6-6-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीखः 13-2-80

मोहरः

प्रस्तुप प्राईंटी०एन०एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/340—यतः मुझे
एम० एस० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है।

और जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा कृष्ण नगर लारेन्स रोड अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथ पाया गया प्रतिफल निम्ननिमित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौद्योगिकी

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अपर्याप्त :—

1. श्री हरिंश कुमार पुत्र भगवानदास कटरा प्रजा, अमृतसर (अन्तरक)
2. श्रीमती मोहिन्दर कौर पस्ती हरभजन सिंह लोरेन्स रोड अमृतसर (अन्तरक)
3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिक्षेषण में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति ऐसे सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संवत्सर में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा खसरा नं० 641 मिन कृष्णा नगर लारेन्स रोड में है। जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 990, दिनांक 29-6-79 रजिस्ट्री अधिकारी, अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 13-2-80

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

प्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर प्रायक्षण (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निदेश सं० ए० एस० आर०/79-80/341—यतः मुझे
एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके उच्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के प्रधीन सकाम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर भवन, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इपथ से प्रधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कि गांव बासरके
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से छम के दृश्यमान
प्रतिकरण के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकरण से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकरण के
पश्चात् प्रतिशत से प्रधिक है और भवतरक (भवतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिकरण, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के समरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
सम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात् अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्पात् :—

1. श्री प्रवतार सिंह, इकबाल सिंह, निवेल सिंह पुकान
श्री गुरवियाल सिंह निवासी गांव बासरके (अन्तरक)

2. श्री बलदेव सिंह, जीरं सिंह पुकान गुरनियामत सिंह
निवासी काला अनुपुर तहसील, अमृतसर (अन्तरैती)

3. जैसा कि सं० नं० 2 ऊपर और कोई किरायेदार
हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि श्रीर कोई व्यक्ति इस जायदाद में लौंग रखता
हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवादियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना भी तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
राय है ।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 35 अनाल 17 मरला जो कि
गांव बासरके तहसील अमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल
डीड नं० 1898/11-6-79 आफ रजिस्ट्रीग्राही अद्यार्दी अमृतसर
तहसील में स्थित है ।

एम० एल० महाजन
सकाम प्राविकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर
तारीख 13-2-80
मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निदेश सं० ए० एस० आर०/79-80/342—यतः मुझे
एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा कुन्नी रोड अमृतसर
है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायद्र
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय अमृतसर में राजस्त्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि व्यापारीपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के बायित्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, यै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मोहिन्दर कौर विधवा करम सिंह और
सतीश हन्दर सिंह पुत्र चरन सिंह, 3 कुवीन्स रोड अमृतसर
(अन्तरक)

2. श्री जसपाल सिंह पुत्र जीत सिंह 17 मकान रोड
अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किराएकार हो
तो (वह अवित जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई अवित इसमें सम्पत्ति में सचि रखता हो
तो (वह अवित, जिनके बारे में अधोहस्ताकरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के मंत्रिष्ठ में कोई भी व्याक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी अवित द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक जमीन का टुकड़ा कुवीन्स रोड अमृतसर में है ।
जैसा कि राजस्त्रीकृत नं० 680 दिनांक 4-6-79 राजस्त्री
अधिकारी अमृतसर घहर में है ।

एम० एल० महाजन
सन्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 13-2-80

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निदेश सं० ए० एस० आर०/7९-८०/३४३—यतः मुझे
एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक बिलिंग है तथा जो कि जेल रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता :—

1. श्री केशव चन्द्र पुत्र श्री गुरदास मल आप और स्पैशल
एटारनी आफ कपल कुमार उसके भाई और श्री रमण कुमार
जगदीश कुमार पुत्रान श्री मुलख राज निवासी टाहली साहिब,
अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्री केशव कुण्ठ पुत्र श्री बाबू राम श्रीमती निरमल
पत्नी श्री केवल कुण्ठ संतोष कुमारी पुत्री श्री बाबू राम निवासी
बी० आर० माडरन स्कूल अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार होती है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में लिंग रखना हो
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रथ्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस प्रथ्याय में दिया गया है।

अमृतसूची

एक कोठी नं० 21 जो कि प्लाट नं० 137 पर है जो
कि जेल रोड, अमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं०
780/I दिनांक 11-6-79 आफ रजिस्ट्री अथारटी अमृतसर के
कार्यालय में दर्ज है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 13-2-1980

मोहर :

प्रधन प्राई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/344—यतः मुझे
एम० एल० महाजन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक बिल्डिंग है तथा जो कि गली उपलां
गुरु बाजार, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाध्याय
अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा प्रधि-
कारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
प्रतिफल निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मान्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आद-कर प्रधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उआधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात् :—

16-516 GL/7

1. हंगूर बाबा मधुसूदन सिंह पुत्र बाबा देविन्द्र सिंह
निवासी ऊना जिला ऊना (अन्तरक)

2. श्रीमती अजीत कौर पत्नी बहादुर सिंह, जसमीत
कौर पत्नी रजिन्द्र सिंह, हंस राज पुत्र मान्यु राम, रजिन्द्र
सिंह, सुरिन्द्र कौर पत्नी सुरजीत सिंह निवासी शरीफपुरा,
रानी बाजार, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर सं० 2 में प्रौर कोई किरायेदार हो
तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयाद्या करता हूँ ।

उपर सम्पत्ति के अर्जन के मम्बत्व में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंग ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक बिल्डिंग नं० 198/2, रक्तवा नं० 158/II-3
जो कि गुरु बाजार, गली उपलां, अमृतसर में स्थित है जैसा
कि सेल ऑड नं० 835/1 दिनांक 15-6-79 प्राप्त रजिस्ट्रीग
अथारटी अमृतसर गहर के कार्यालय में दर्ज है ।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-2-80

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 फरवरी 1980

निदेश सं० ए० एस० आर०/७९-८०/३४५—यतः मुझे
एम० एल० महाजन,

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान दरशनी दिओरी अमृतसर है तथा जो
अमृतसर में हिथर है (और इससे उपावद्ध अनुभूति में और<sup>पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय
जून 1979</sup>

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि दृश्यमान प्रतिफल का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल न ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है,
और प्रन्तरण (प्रन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया याया प्रतिलिपि,
निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वे वास्तविक
रूप से हथित नहीं छिपा गया है।—

(6) प्रन्तरण से उई किसी बाय को बाबत उक्त
प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में
मुश्किल के लिए; बोध/वा

(7) ऐसी किसी आय या किसी बन वा अन्य भास्तव्यों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
बन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ मन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किसी जामा आहिए वा, छिपाने
में मुश्किल के लिए;

अतः, प्रब, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की बाय 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्ननिखित व्यक्तियों, वर्णत—।—

1. श्रीमती राम प्यरी विधवा श्री ओमप्रकाश श्रीमती कमलेश
कपूर पुत्री, ओम प्रकाश पत्नी श्री रामदास कपूर वासी कैनेडी एवेन्यू,
अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री बनारसीदास महाजन पुत्र राम रत्न श्री दरविन्द्रकमार,
श्री नरिंद्र कुमार पुत्र बनारसी वासी बाजार दरशनी दिओरी
अमृतसर। (अन्तरिणी)

3. जैसा कि 2 पर और कोई किरायेदार बनारसी लाल
महाजन एण्ड सन्ज आफ रवीचन्द्र शिंगारी (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति रखता हो (वह
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी रखता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त
प्रधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दो मंजिला एक दुकान 3406/2, 733/2 दरशनी दिओरी में
जैसा सेल डीड नं० 695/I दिनांक 4-6-79 रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

ख: 14-2-1980

मोहरः

प्रलेप आई० टी० एन० एस०——

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 फरवरी 1980

निकेश सं० अजनाला/69-80/346—यतः भुजे एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व के प्रधीन संघर्ष प्राधिकारी को, यदि विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कुण्डि भूमि अजनाला में है तथा जो अजनाला में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जून 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल ऐसे, दृष्यमान प्रतिकल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तररकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीव ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्ताव के वायित्व में कमों करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तुती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी बाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपचारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवतु :—

1. श्री हरभजन सिंह पुत्र करतार सिंह 9/80 श्रीमती पुरन कौर विधवा गुरदयाल सिंह रत्न सिंह, हरखंस सिंह अमरीक सिंह पुत्र गुरदियाल सिंह और परमजीत कौर पुत्री गुरदियाल सिंह 79/88 अजनाला, जिला अमृतसर) (अन्तरक)

2. श्री धर्म सिंह पुत्र दिवान सिंह पुत्र झंडासिंह वासी अजनाला, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 और कोई किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जैसेकि श्रीर कोई व्यक्ति इसमें रचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यदि सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए कार्यान्वयिता करता हू० ।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवृत्तिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की जामीत से 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी प्रवृत्ति द्वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी यथ्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

प्रधानीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अजनाला म कुण्डि भूमि 4 कनाल 8 मरला जैसा कि सेल डीड नं० 1008, दिनांक 1-6-7-9 रजिस्ट्री अधिकारी अजनाला में दर्ज है ।

एम० एल० महाजन
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर मायकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

दिनांक : 15-2-1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 फरवरी 1980

निदेश सं० अजनाला /79-80/347—यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कि गांव अजनाला में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजनाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दृई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरभजन सिंह पुत्र श्री करतार सिंह पुत्र लक्ष्मन सिंह निवासी अजनाला, जिला अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री धर्म सिंह पुत्र दीवान सिंह श्री ज्ञांडा सिंह निवासी अजनाला (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में हाँ रखता हो (व व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा, जो उस प्रधाय में विया गया है।

अमृतसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 कनाल 12 मरले जो कि अजनाला कस्बा जिला अमृतसर में स्थित है जो कि रजिस्ट्री डीड नं० 1127/5-6-79 आफ रजिस्ट्री अध्यारटी अजनाला में स्थित है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 15-2-1980

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस० —————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269 व (1) के प्रधोन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 18 फरवरी 1980

निम्नें सं० ए० एस० आर०/79-80/348—यतः मुझे
एम० एल० महाजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-वा के प्रधोन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपवे से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा रेस्कोर्स रोड,
अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जून 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अनुरित की जाई है और मम्ह यह
विश्वास करने का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (पश्चातकों) और अस्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक
रूप से निर्धारित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के प्रधोन कर देने के अन्तरक के वायिधत में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और 'या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को,
जिसमें सहायीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्व
अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया जाया था या किया
गाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-। के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-। की बदलाव (1) के पश्चात्
निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री कुलदीप सिंह पुत्र मुन्शीराम मार्फत कुलदीप
इत्काट्रिक वर्कसहाल बाजार, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री इंजिन्वर सिंह पुत्र करतार सिंह तहसील पुरा
गली नं० 3 अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में, है। यदि कोई किराएदार हो
तो (वह अवित जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई अवित इस सम्पत्ति में राजि रखता हो
तो (वह अवित जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधोन के
सार्वाधियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधोन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी अवितयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवितयों में से
किसी अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।

पूर्वोक्तणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त अधि-
नियम के दृश्याव 20-क में पक्षा परिचायित है,
वही अर्थ होता जो उस दृश्याव में दिया जाता है ।

प्रमुख

जमीन का टुकड़ा 209 बीटर गज रेस्कोर्स रोड वसन्त
एन्ड्रू अमृतसर में है। जैसा कि रजिस्ट्रीक्त नं० 737
दिनांक 6-6-1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में
है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 18 फरवरी, 1980

मोहर :

प्रकाश प्राई० टी० एन० एस०----

आयतन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ख (1) के अधीन यूचनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 18 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/349—यतः मुझे
एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को, वह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक है

और जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा रानी का बाग
अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे वह विवास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (प्रत्यरक्तों) और अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त प्रत्यरण लिखित में वास्तविक रूप से लिखित नहीं लिया गया
है ।—

(क) अन्तरण में हृदि किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्राप्तरक के वापिति में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी छिपी प्राय या किसी बन या अन्य आविष्यों
का, जिन्हें प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रमाणकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ भ्रष्टरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिनमें में सुविधा
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की भारा 269-ख के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ख की उप-भारा 1 के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवकृतः—

1. श्री भीम सेन शान्ति स्वरूप, देविन्दर कुमार
पुतगण रूप लाल बजरिया भीम सेन मुहत्यार-ए-आम
माडल टाउन दिल्ली हाल अमृतसर (अन्तरक)

2. श्रीमती चम्पा रानी पत्नी जगदीश चन्द रानी का
बाग अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किरादार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में हचि रखता हो तो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के प्रत्येक में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मांवधी व्यक्तियों पर सूचना
की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भोतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी प्रत्यक्षित व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी
के पास निम्निति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त नं० और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20 के
परिमाणित है, वही प्रथं होगा, जो उक्त
प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन का टुकड़ा 262½ वर्ग मीटर रानी का
बाग अमृतसर में है और जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 732
दिनांक 6-6-1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीखः 18-2-1980

मोहरः

प्रह्लप आई०टी०एन०एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 18 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० एम० शार०/79-80/350—यतः मुझे
एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के प्रधीन सकाम व्याखिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० रानी का बाग अमृतसर जमीन का टुकड़ा
है, जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची
में श्रीर पूर्ण स्वयं भे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जून 1979

को पूर्वोंका समाप्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंका सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक
(अन्तर्कों) और अन्तरिक्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उत्तरण ये उक्त अस्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित
नहो किया गया है:—

(a) अन्तरण में हुई किसी आन की जावन, उक्त अधिनियम
के अंतर्न कर देने के अस्तरक के व्याख्या में कमी
करने या उससे बचने में विश्वा के लिए; और/या

(b) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रदीशनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
की, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवार्तुः—

(1) श्री भीम सेन, शान्ति स्वरूप, दबिन्दर कुमार
पुन्नगण रूप लाल बजरिया भीम सेन मुक्तार आग माडल
टाउन दिल्ली, हाल अमृतसर (अन्तर्क)

(2) श्रीमती विजय शर्मा पत्नी अशोक कुमार मकान नं०
187 रानी का बाग अमृतसर (अन्तर्ती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराए-
दार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में सचि रुक्ता हो
तो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अंतर्न के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के मंदिर वे ऊर्ध्व भी आवेद्य:—

(क) इस सूचना के राजपत्र पै प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
ओं भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिचालित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा 241 वर्ग मीटर रानी का बाग अमृतसर
में है। जैसा कि रजिस्ट्रीक्त नं० 707 दिनांक 4-6-79
रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज, अमृतसर

तारीख: 18-2-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 फरवरी 1980

निदेश सं० ए० एस० आर०/७९-८०/५१—यह: मुझे
एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि सुईया कला अमृतसर है जो
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 19 जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबा, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

ग्रन्त:, ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती निरंजन कौर विधवा के सर सिंह सुईया
कला जिं अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्री जंग बहावुर कश्मीरीलाल कलीलाल द्वारिका नाथ
पुनर्गण विहारी लाल सुईया कला अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किरायेवार हो तो
(वह व्यक्ति जिसके अभियोग में सम्पत्ति है)

(4) यदि कोई व्यक्ति इस जायदाद में सभि रखता हो तो
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावरसम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क म परिभाषित हैं, वही
पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 44 कनाल 9 मरला गांव सुईया कला अमृतसर
में है। जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 2105 दिनांक 14-6-79
रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर तहसील में है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 20-2-1980
मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 फरवरी 1980

निदेश सं० ए० ए० आर०/79-80/312—यतः मुझे,
एम० एल० महाजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी नं० 549 का 1/2 भाग है तथा
जो कि बसंत एवन्य० अमृतसर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पात्र गया परिहर, निम्नांकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

'क) अन्तरण से द्वारा किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

'घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या निया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अन. अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः:—

17—516G1/79

1. श्री चूनी लाल गुप्ता पुत्र श्री वरिता मल 549
बसंत एवन्य० अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्रीमती रेखा रानी पत्नी श्री गिरिधरी लाल गली
लाला बाली कटडा आहलुवाला, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में है और कोई किरायेदार
हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में हचि रखता
हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधीक्षताकारी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्प्रवर्त्ती अप्रक्षितयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बात में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रतीक्षनाकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 549 का 1/2 भाग जो कि बर्नत एवन्य०,
अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रार डीड नं० 957/1
दिनांक 25-6-79 आफ रजिस्ट्रीग्राम आधरटी अमृतसर शहर
के कार्यालय में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-2-1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 8 फरवरी 1980

निवेश सं० सी० एच० डी०/67/79-80—यतः मुझे
सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत नियम उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है।

और जिसकी सं० पलाट नं० 1353 है तथा जो सैकटर 34 सी०, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6 जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(६) अन्तरण के लिये प्राप्त औ बाता उक्त अधिनियम के अधीन छरदेते के प्राप्तारु के दायित्व में लिये करने या उनमें बदले में सुविधा के लिए; और/ग

(७) ऐसी नियोगीय या नियोगी धन या ग्रन्त आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 ला 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. कौ० मान सिंह चाहल पुत्र श्री कर्ण मिह बासी 112 इनफैटरी बटालियन, जालन्धर कैन्ट द्वारा स्वेशल अटार्टी श्री गरीब भासीन पुत्र श्री पीड़ी दास भासीन बासी एस० सी० एफ० 6, सैकटर 22 डी० चन्डीगढ़। (अन्तरिक)

2. श्रीमती भाग बन्ती पत्नी श्री पीड़ी दास भासीन व श्री बिनोद कुमार पुत्र श्री पीड़ी दास बासी 1562, सैकटर 34-डी चन्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेत्र :—

(र) इस सूचना के राजात्र में प्राप्तारु की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरम्मन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्राप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में हिसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजात्र में प्राप्तारु को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगति में हित-प्रद हिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्राही होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलाट नं० 1353 सैकटर 34 सी०, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 377, जून, 1979 में वर्ज है)

सुखदेव चन्द,
सक्षम प्राधिकारी,
गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8 फरवरी 1980

मोहर :

प्रक्षेप भाई० डी० एच० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 फरवरी 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/65/79-80—यतः मुझे,
सुखदेव चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व (1) के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 52, सैक्टर 15-ए, है तथा जो
चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, 6/79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रतिरक्षण से हुई किसी प्राप्ति की बावजूद उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शरियत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी फिसी आप या किसी भ्रन या ग्रन्थ आदित्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सरबन सिंह पुत्र श्री मुन्दर सिंह वासी मकान सं०
3359, सैक्टर 23-डी, चन्डीगढ़ (स्थाई पता : 1/ए चन्द्र-
नाथ चरठरजी स्ट्रीट कलकता-25)। (अंतरक)

2. श्री गुरमीत सिंह तुसरी पुत्र श्री मुनशा सिंह व
श्रीमति राजिन्दर कौर पत्नी श्री गुरमीत सिंह तुसरी वासी
गांव रंगीरां डा० मोरिङा, तहसील रोपड़। (अब वासी
295, सैक्टर 15ए, चन्डीगढ़) (अंतरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के सम्बन्ध में कोई भी घावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रबंधि द्वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 52, सैक्टर 15-ए, चन्डीगढ़।
(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 355, जून 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द्र
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज लुधियाना

तारीख : 8 फरवरी 1980
मोहर :

श्रेष्ठप थाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 8 फरवरी 1980

निर्देश सं० सी० एच० डी०/116/79-80/216—अतः
मुझे सुखदेव चन्द,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, शिवका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
हपए से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2318, है तथा जो सेक्टर
35 सी०, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि याचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की वापत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के शामिल
में कमी नहीं या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या वस्तु अस्तियों को
जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-का
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की प्रारा 269-व के अनुसरण में,
मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जोगिन्द्र नाथ मगत पुनर स्व० श्री गुरमुख राम
मगत मकान नं० 23/32, मोती नगर, नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्री आरप सर्प चौपड़ा पुनर श्री द्वारका दास
चौपड़ा वासी मकान नं० 1076, सेक्टर 18-सी, चन्डीगढ़ ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरी अवित्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी
अवित्त द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्त द्वारा अंगोद्धारकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2318, सेक्टर 35-सी, चन्डीगढ़ ।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़
के कार्यालय के विलोख संख्या 696, जून, 1979 में दर्ज
है) ।

सुखदेव चन्द
सक्रम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8 फरवरी 1980

मोहर :

प्रस्तुत शार्दूल टी. एन.एस.—

श्रावण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 फरवरी 1980

निर्देश सं. सी.० एच० डी०/64/79-80/217—अतः

मुझे सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सकाम अधिकारी को यह विश्वास उत्तरने का कारण है कि स्थावर समर्पण, विश्वास उत्तर गंगार मूल्य 25,000/- का में अधिक है।

और जिसकी सं. मकान नं. 2, है तथा जो सेक्टर 21-ए, चन्डीगढ़ में, स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुज यह विश्वास उत्तरने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्ननिम्नत उद्देश्य से उक्त प्रतिरक्षण विभिन्न में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने का अन्तरकों के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आंसूतयों को, जहाँ सार्वत्रीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरित दाया प्र०ट नहीं किया गया था या किया जाना नहीं था, जिसने में सुविधा के लिए।

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के ममुनरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गुरवक्ष कौर सन्धू पत्नी श्री सुशिलदर सिंह सन्धू वासी मकान नं. 13, सेक्टर 8 ए, चन्डीगढ़। (अन्तरक)

2. श्री अवतार सिंह गिरीन पुत्र श्री ज्ञान सिंह गांव भूतगरानी जिला होशियारपुर द्वारा जनरल अटारनी श्री बखताबर सिंह पुत्र श्री ठाकुर सिंह वासी 1313, रेलवे रोड, गढ़शंकर, जिला होशियारपुर। (अन्तरिती)

3. (i) श्री लालचन्द्र अरोड़ पुत्र श्री पश्च लाल, दीपक कम्पसियल कालेज।

(ii) श्री हरभजन सिंह, प्रोपराइटर पंटी प्रद्योग (enterprises) मकान नं. 2 सेक्टर 21-ए (21-ए) चन्डीगढ़ (वह अक्षित जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित है, वही पर्याप्त दोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 2, सेक्टर 21-ए, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 353 जून, 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8 फरवरी 1980

मोहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 फरवरी 1980

निर्देश सं० सी० एच० डी०/119/79-80/218—अतः
मुझे सुखदेव चन्द्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1415, ई तथा जो सैक्टर 34-सी, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पर्वोंकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः आब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वेश्वी रघु कन्त, सुवीर मोहन, विजय कुमार पुन्न श्री ईश्वर वास भसीन, वासी मकान नं० 1922, सैक्टर 22-बी, चन्डीगढ़। (अन्तरक)

2. श्री साधू मिह गोपाल पुन्न श्री बूटा राम गोपाल वासी मकान नं० 1849, सैक्टर 34-डी चन्डीगढ़। (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकृत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वमन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन वी अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाठीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्राप्ति

प्लाट नं० 1415, सैक्टर 34 सी, चन्डीगढ़।

(जापेश्वर जैपालि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के बिलेख संख्या 638, जून, 1970 में दर्ज ई)।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8 फरवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० ए०० एस०

ग्राम पंचायतियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निर्देश सं० एस० ओ० ए००/7/79-80/219—अतः मुझे,
सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब्र
के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूला 25,000/- रुपये
से अधिक है,

और जिसकी सं० भूमि का प्लाट 732 वर्ग मीटर है तथा
जो लोअर बाजार, सोलन (हि० प्र०) में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोलन में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जुलाई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच १० अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य न उक्त अन्तरण लिया में वास्तविक रूप से लिया नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबन, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बदले में सुविधा के निए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना नाहिए वा छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन,
निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री संगत राम, मोहन्चर पाल पुत्र श्री रत्नी
राम, लोअर बाजार, सोलन। (अन्तरक)

2. सर्वश्री इन्द्र सिंह, सुरिन्दर कुमार पुत्र श्री सन्त
राम मारफत मैसर्ज सन्त राम मदन लाल, माल रोड, सोलन,
(हि० प्र०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए
कार्यवादियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना
की तारीख ये 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में
ये किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रध्याय 20-ह में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 732 वर्ग मीटर है और
जो लोअर बाजार सोलन में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सोलन के
कार्यालय के विलेख संख्या 173, जुलाई, 1979 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 फरवरी, 1980

मोहर :

प्रस्तुति प्राप्ति टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन,

लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निर्देश सं० एन० बी० ए०/८३/७९-८०—अतः
मुझे, सुखदेव चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,060/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० दुकान है तथा जो भाभा बाजार, नाभा,
जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के
कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, अंमे दृश्यमान
प्रतिफल के पश्चात् प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के
लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरक में हुई किसी आय की आवत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के घास्तक के शायित्र जैसे कमी
करने वा उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अर्थ आस्तियों
को, जिन्हें आरतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के द्वयोजनार्थ अन्तरिक्ष अंग एकट नहीं किया
गया था तथा किया जाना चाहिए था, जिसमें में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्—

1. श्री राम पाल पुत्र श्री देश राज वासी मकरीया
स्ट्रीट, नाभा, जिला पटियाला। (अंतरक)

2. श्रीमती सवित्रि देवी विधवा श्री संतोष कुमार,
वासी विवाह स्ट्रीट, नाभा। (अंतरिती)

3. मैसर्ज सत्तोष गलास हाउस, भाभडा बाजार, नाभा,
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन के लिए
कार्यालयाद्वारा द्वारा द्वारा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासंबंधी अवधियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि और भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के नीतर पूर्वोक्त अधिकारी में
उक्तीयों अवैतन द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बदल किसी अर्थ अवधि द्वारा, अपोद्धताकारी के
पास निश्चित दिन किए जा सकेंगे।

हाईकोर्ट - इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित, है वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान भाभडा बाजार, नाभा।

(जायेदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, नाभा के
कार्यालय के विलोक्षण संख्या 925, जून, 1979 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7-2-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन

लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निवेश सं० पी० टी० आर०/5/79-80—अतः मुझे
सुखदेव चन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि 16 कनाल है तथा जो गांव दिक्काड
सभ-तहसील पातरां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, पातरां में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 79 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरड़ों) पीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दूरी किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णीत 1—
18—316GI/79

1. सर्वश्री जगबन्त सिंह, लाभ सिंह, भूपिंदर सिंह, कर्म सिंह, हरगोविन्द सिंह पुत्र श्री हरदियाल सिंह वासी दिक्काड, सभ-तहसील पातरां।
(अन्तरक)

2. श्री गौरी शंकर पुत्र श्री सुरज भाज वासी पातरां।
(अंतरिती)

को यदि सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रियावद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित वासी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इनमें प्रवृत्त वास्त्रों और पदां ता, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित हैं, वही अवृं होगा, जो उन अध्याय 1 दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 कनाल है और जो गांव दिक्काड, सभ-तहसील पातरां में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पातरां के कार्यालय के विलेख संख्या 467 जून, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7-2-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन

लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निदेश सं० आर० पी० टी० आर० /4/79-80—अतः मुझे
सुखदेव चन्द्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
अधीन सक्रम आधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 45 कनाल 7 मरले हैं तथा जो
गांव दिऊँगढ़ सब-तहसील पातरां में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पातरां में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख जून
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पल्लू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया
है :—

(क) अभ्यरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने पा उसके बचत में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) पा उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अंतर निम्नलिखित अंतरां, अर्थात् :—

1. सर्वश्री जगबन्त सिंह, लाल सिंह, भूपिन्दर सिंह, कम-
सिंह, हरगोविंद सिंह पुत्र श्री हरदियाल सिंह वासी गांव दिऊँ
गढ़, सब-तहसील पातरां, जिला पटियाला। (अंतरक)

2. सर्वश्री द्वारका दास' रिशी पाल, डाली राम, बनाम
जनक राज, परम वैद, खजान चन्द पुत्र श्री गौरी शंकर वासी
पातरां। (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर यूक्ता की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही
पर्यंत होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 45 कनाल 7 मरले हैं और जो
गांव दिऊँगढ़, सब-तहसील पातरां में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पातरां के
कार्यालय के विलेख संख्या 466, जून, 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7-2-1980
मोहर :

प्रृष्ठ प्राइंटी०एन०एस०————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन

सुधियाना, विनांक 7 फरवरी 1980

निर्देश सं० पी० टी० आर०/21/79-80—प्रतः मुझे
सुखदेव चन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सभाम प्राधिकारों को, यह विवाह करने का कारण
है कि स्थावर पम्पिंग, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि 54 कनाल है तथा जो गांव सुतराना,
सब-तहसील पातरा, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे
उपावड़ अनूसूची में और पूर्ण रूप से अण्डित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पातरा में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के वृथमान
प्रतिफल के लिए प्रमुखित की गई है और मुझे यह विवाह करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृथमान प्रतिफल से, ऐसे वृथमान प्रतिथल के पश्चात्
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रमुखिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई हिसी आय की बाबा उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायत्व में किसी करने या उससे बढ़ने वे मुद्दिया
के लिए दोर

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारतीय अधिनियम, 1957 (1957 का 57) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

प्रतः, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवक्षियों, अर्थात् :—

1. सर्वेश्वी जोगिन्दर सिंह, मोहिन्दर सिंह पुत्र श्री अमर
सिंह गांव सुतराना, तहसील पातरा, जिला पटियाला ।
(अंतरक)

2. सर्वेश्वी अत्तर चन्द, शिवला राम, रोशन लाल पुत्र
लाल चन्द वासी सुतराना, सब-तहसील पातरा, जिला
पटियाला ।
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षियों में से
किसी अवक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवक्षित द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया हुआ है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 54 कनाल है और जो गांव
सुतराना, सब-तहसील पातरा, जिला पटियाला में स्थित
है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पातरा
कार्यालय के लिलेख संख्या 779, जून 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज सुधियाना

तारीख : 7-2-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एम. ---
 प्राधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
 269-ए (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, प्रायकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक दिनांक 7 फरवरी 1980

निवेश सं. पी. टी. ए. /130/79-80—अतः, मुझे,
 सुखदेव चन्द,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
 269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
 बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
 और जिसकी सं. भूमि का प्लाट 437, 5/9 वर्गगज है तथा
 जो लाल बाग सामने पोलों ग्रोड़, लोअर माल रोड़, पटियाला
 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
 से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
 पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
 16 के अधीन, तारीख जून 1979
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
 दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
 विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
 उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
 दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिज्ञत से अधिक है और
 प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच
 ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
 नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व
 में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
 लिए घीरथा

(ब) ऐसी किसी भाय या किसी छन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोगनार्थ अन्तरिती भारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए या कियाने में
 सुविधा; के लिए;

अतः, यब उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनु-
 सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपबारा
 1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारों, अर्थात् :—

1. श्री भामबिन्दर सिंह पुत्र श्री चेत सिंह वासी लोअर-
 माल, पटियाला।
(अंतरक)
2. श्री ओम प्रकाश जैन पुत्र श्री सीता राम जैन,
 जंद गली, पटियाला।
(अंतरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की
 तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से
 किसी अविक्षित द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
 अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
 अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रपल 437.5/9 वर्ग गज है और जो न्यू लाल बाग, सामने पोलो ग्राउड़, लोअर माल रोड़, पटियाला।

(जापेदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1734 जून, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
 सकाम प्राधिकारी
 सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
 प्रर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 7 फरवरी 1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त] (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निवेश सं० एस० एम०/एम०/20/79-80—अतः, मुझे,
सुखदेव चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 87 कनाल 9 मरले हैं तथा जो
गांव कुतवाना, तहसील समाना, जिला पटियाला में स्थित
है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, समाना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख जून 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उगके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कम करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भजन लाल पुत्र श्री जवाहर लाल, वासी समाना
(अन्तरक)

2. श्री हरजिन्दर सिंह पुत्र श्री सुच्चा सिंह, वासी गांव
कुतवाना, तहसील समाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में स्थित व्यक्ति
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसंधी

भूमि जिसका क्षेत्रफल 87 कनाल 9 मरले हैं और जो
गांव कुतवाना, तहसील समाना, जिला पटियाला में स्थित
है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, समाना के
कार्यालय के विलेख संख्या 489, जून, 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द्र
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 7 फरवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निदेश सं० पी० टी० आर०/6/79-80—अतः, मुझे,
सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि 68 कनाल 3 मरले हैं तथा जो
गांव खानेवाल, सब-तहसील पातरा में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में ग्राम पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पातरा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि पथपूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अक्तियों, प्रर्तितः—

1. सर्वेश्वी हरदेव सिंह, बलदेव सिंह, दर्शन सिंह, लीला
सिंह पुत्र हजूरा सिंह, वासी गांव खानेवाल, सब-तहसील
पातरा। (अंतरिक्त)

2. श्री बलबन्द सिंह पुत्र श्री लच्छमन सिंह, वासी
खानेवाल, सब-तहसील पातरा। (अंतरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोद्दृश्याकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 68 कनाल 3 मरले हैं और जो
गांव खानेवाल, सब-तहसील पातरा में स्थित है।

(जायेवाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पातरा के
कार्यालय के विलेख संख्या 478, जून, 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 7 फरवरी 1980
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एम०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निर्देश सं० पी० टी० आर०/14/79-80—अतः, मुझे,
सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 61 कनाल 12 मरले हैं तथा जो
गांव खानेवाल, सब-तहसील पातरा, जिला पटियाला में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पातरा में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिभाव
प्रतिकूल तरिके लिए प्रभृतिको गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्टिभाव प्रतिफल से ऐसे दृष्टिभाव प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तररक (अन्तररकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रभृतरण निखिल में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रभृतरक के दायित्व में ही
करने या इससे बचने में मुश्किल के लिए; और

(ब) पेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रविनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या
धन-कर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगसार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था। छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः उक्त प्रविनियम की धारा 269-प के अनुसार में, ने, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपषारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री दया सिंह, दीर सिंह पुत्र श्री निहाल सिंह,
वासी खानेवाल, सब-तहसील पातरा, जिला पटियाला ।
(अंतरक)

2. सर्वश्री हरदेव सिंह, बलदेव सिंह, दर्शन सिंह, लीला
सिंह पुत्र श्री हजूरा सिंह, वासी गांव हरिआऊ कर्ला, सब-
तहसील पातरा, जिला पटियाला ।
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी ग्राहक:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्वीरधी अवक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की प्रवधि, और भी प्रवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों
में से किसी अवक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद किसी अन्य अवक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अब होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

प्रमुख

भूमि जिसका क्षेत्रफल 61 कनाल 12 मरले हैं और
जो गांव खानेवाल, सब-तहसील, पातरा, जिला पटियाला।

(जायेवाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पातरा के
कार्यालय के विलेख संख्या 595, जून, 1979 में वर्ज
है।)

सुखदेव चन्द

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 7 फरवरी 1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निदेश सं० पी० टी० आर०/18/79-80—अतः मुझे
सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 72 कनाल 2 मरले हैं तथा जो गांव खानेवाल, सब-तहसील पातरा, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय पातरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ब) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरपाल सिंह पुत्र श्री गुजर सिंह वासी गांव खानेवाल सब-तहसील पातरा, जिला पटियाला। (अन्तरक)

2. सर्वश्री किरपाल सिंह, ज्ञान सिंह, मेवा सिंह, बसाथा सिंह पुत्र चूहड़ सिंह वासी हरिश्राऊ कला, सब-तहसील पातरा, जिला पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारा रखके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 72 कनाल 2 मरले हैं और जो गांव खानेवाल, सब-तहसील पातरा, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, पातरा के कार्यालय के विलेख संख्या 667, जून, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 7 फरवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना १, दिनां ७ फरवरी 1980

निर्देश सं० पी०टी०मा०/१३/७९-८०—प्रतः ममे,
सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि 51 कनाल 1 मरला है तथा जो गांव
खानेवाल, सब-तहसील पातरा, जिला पटियाला में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध ग्रनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पातरा में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख, जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य पह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का फन्दह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
दरवेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में ही किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अधितः—
19—516GI/79

1. सर्वेश्वी किरणल सिंह, जान सिंह, मेवा सिंह, पुत्र
चूहड़ सिंह वासी गांव हरिप्राऊ कलां, सब-तहसील पातरा,
जिला पटियाला।
(अंतरक)

2. श्री विरगा सिंह, बीर सिंह पुज निहाल सिंह वासी
गांव खानेवाल, तुजला पटियाला (सब तहसील पातरा)
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों से
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है,
जहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 51 कनाल 1 मरले है और जो
गांव खानेवाल, सब-तहसील पातरा, जिला पटियाला में
स्थित है।

(जायेवाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पातरा के
कार्यालय के विलेख संख्या 594 [जून, 1979 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द
सकम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 7 फरवरी 1980
मोहर :

प्रकृष्ट प्राप्ति दी॰ एन॰ एस॰—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भाष्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निवेद्य सं. जी० बी० एस० /31/79-80—ग्रतः मुझे,
सुखदेव चन्द,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओरा 269-घ के
अधीन सक्षम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं. भूमि 12 कनाल 15 मरले हैं तथा जो
गांव लोहगढ़, सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के निए प्रत्यक्षित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, [ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और अस्तरिकी (प्रस्तरितियों)
के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रम,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वालविक रूप से
कहित नहीं किया गया है]—

(क) प्रस्तरण से शुरू कियो आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में
कभी करने या सस्से बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अस्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: पब, उक्त प्रधिनियम की ओरा 269-ग के अनुसरण में,
म, उक्त प्रधिनियम की ओरा 269-घ की उपचारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों, अवार्त :—

1. श्री सुखिन्दर सिंह पुत्र श्री नरिन्दर सिंह पुत्र श्री
दशोन्ना सिंह वासी गांव सनौली, सब-तहसील डेरा बस्सी,
जिला पटियाला।
(अंतरक)

2. श्रीमति दविन्दर कौर सेठी पत्नी श्री जसपाल सिंह
पुत्र, श्री भक्ति सिंह, वासी 211, सैकटर 35-ए,
चन्डीगढ़।
(अंतरिती)

गो पूर्व सूचना जारी करने पूर्वी नमूने के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

इस सम्पत्ति के प्रञ्जन ने संबंध में कोई भी प्राप्ते :—

(क) इस पूर्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उत्तममन्त्यी अविक्षियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से
किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस पूर्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अवोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रपूर्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अड्डाय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अड्डाय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्र फल 12 कनाल 15 मरले हैं और
जो गांव लोहगढ़, सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला
में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी, डेरा बस्सी
के कार्यालय के विनेक संख्या 396, जून, 1979 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर भाष्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 7 फरवरी 1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निदेश सं० आर० ए० जे०/६९/७९-८०—यतः मुझे,
सुखदेव चन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि 8 विघा 14 विस्वा है तथा जो
गांव बनवारी, तहसील राजपुरा, जिला पटियाला में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजपुरा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्रीमति सुनेहरी विधवा श्री रत्न सिंह वासी गांव
बनवारी, तहसील राजपुरा, जिला पटियाला। (अंतरक)

2. मैसर्जी सरस्वती जनरल मिलज, टाउन शिप राजपुरा,
जिला पटियाला। (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका धेनफल 8 विघा 14 विस्वा है और जो जो
गांव बनवारी, तहसील राजपुरा, जिला पटियाला में स्थित
है।

(जावेदाव जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, राजपुरा के
कार्यालय के विलेख संख्या 1130, जून, 1979 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना।

तारीख : 7 फरवरी 1980

माहिर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्रूरुष आर्हों टी० एन० एस०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, सहायक आयकर भवन लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निवेदण सं० एस० आर० एल०/५/७९-८०—अतः मुझे,
सुखदेव चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 1/2 भाग भूमि व बिल्डिंग 844 वर्ग गज
है तथा जो टंक रोड, सेर, सोलन (हि० प्र०) में स्थित है,
(और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, सोलन में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जून 1979

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से केम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री भीम सैन मेहरा पुल श्री राधा राम, बाजार
बांसांवाला, जालम्बर द्वारा श्री कंवर सैन मेहरा जनरल
अटारनी।
(अंतरक)

2. श्री जसबंत राय पुत्र श्री नाथी राम, डी, एस० पी०
(हेल्पवाटर) सैट्रल पोलिस अफिस, बैनटोनी, शिमोला।
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोवस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग प्लाट जिसका क्षेत्रफल 844 वर्ग गज है व
बिल्डिंग जो टंक रोड, सेर, सोलन (हि० प्र०) में स्थित
है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, सोलन के
कार्यालय के विलेख संख्या 142, जून 1979 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 7 फरवरी 1980

मोहर:

प्ररूप आर्द्ध० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निदेश सं० डी० बी० एम०/३६/७९-८०—यतः मुझे,
सुखदेव चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि 12 बिंदा है तथा जो गाँव नागला
सब हस्तील डेरा बस्सी, जिला पटियाला में स्थित है (और
इसमें उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है),
राजस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्सी में, राजस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून 1979

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ल) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री शेर जंग सिंह पुत्र श्री रणधीर सिंह वासी गांव
नागला सब-हस्तील डेरा बस्सी, जिला पटियाला। (अंतरक)

2. श्री जसमेर सिंह पुत्र श्री कुलबन्ध मिंह, सुखदेव
मिंह, कुशलपाल मिंह पुत्र श्री मेहर सिंह पुत्र श्री चमेला सिंह
वासी गांव नागला सब-हस्तील डेरा बस्सी, जिला पटियाला।
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 बिंदा है और जो गाँव नागला
सब-हस्तील डेरा बस्सी, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि राजस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, डेरा बस्सी
के कार्यालय के विलेख संख्या 468, जून 1979 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 फरवरी 1980

मोहर:

प्र० अर्थ आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, वितांक 7 फरवरी 1989

निवेश सं० पी० टी० ए०/१७४/७९-८०—अतः मुझे,
सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2 व 3, 500 वर्ग गज है तथा
जो दी माल, पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जून 1979

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री अनन्तपुर सिंह, का० लुपिन्द्र सिंह पुत्र स्व० श्री
जनरल चन्दा सिंह, श्रीमति मुखजीत कौर पत्नी श्री किरपाल
सिंह वासी जनरल चन्दा सिंह हाऊस, दी माल, पटियाला।
(अंतरक)

2. डा० नरेश गर्ग पुत्र श्री प्रेम पाल गर्ग वासी 12-
बाई० दी माल पटियाला।
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2 व 3 जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है
और जो दी माल, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकरणी अधिकारी, पटियाला के
कार्यालय के विलेख संख्या 2243, जून 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 7 फरवरी 1980

माहेश:

प्ररूप आइ० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निवेंश सं० पां० टी० आर०/8/79-80—ग्रतः मुझे,
सुखदेव चन्द्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है।

ग्रीष्म जिसकी सं० भूमि 42 कनाल है तथा जो गांव सुतराना,
तहसील पातरा, जिला पटियाला में स्थित है (ग्रीष्म इससे
10 बढ़ अनूमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पातरा में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
जून 1979

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री बलबीर सिंह, हरजीत सिंह पुत्र श्री भगवन्त
सिंह वासी गांव सुतराना तहसील पातरा, जिला पटियाला।
(अंतरक)

2. सर्वेश्वर हरभजन सिंह, मगल सिंह पुत्र श्री अमर सिंह
गांव सुतराना, सब-तहसील पातरा, जिला पटियाला।
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ह्रित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनूमूली

भूमि जिसका स्थेनफल 42 कनाल है और जो गांव
सुतराना, सब-तहसील पातरा, जिला पटियाला में स्थित
है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पातरा के
कार्यालय के विलेख संख्या 502, जून, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 7 फरवरी 1980

मात्र:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 फरवरी 1980

निवेश सं० पी० टी० आर० /7/79-80—अतः मुख्य सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि 42 कताल है तथा जो गांव सुतराना, सत्र-तहसील पातरा, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पातरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जिसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमति बेंगलू कौर विद्वा श्री भगवन्त सिंह, श्री जसवीर सिंह पुत्र श्री भगवन्त सिंह वासी गांव सुतराना, तहसील पातरा, जिला पटियाला।
(अंतरक)

2. सर्वेश्वी हरमजन सिंह जसवीर सिंह पुत्र श्री अमर सिंह वासी सुतराना, सत्र-तहसील पातरा, जिला पटियाला।
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में वरिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मुख्य जिस का क्षेत्रफल 42 कताल है और जो गांव सुतराना, सत्र-तहसील पातरा, जिला पटियाला में स्थित है

(जामेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पातरा के कार्यालय के विलोद संख्या 501, जून 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना
तारीख : 7 फरवरी 1980
मोहर:

प्रलेप ग्राही० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 फरवरी 1980

निर्वेश सं० जी० डी०/86/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है।

और जिसकी सं० शो रूम साईट नं० 58, है तथा जो सैक्टर 26, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा के 269-घ अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उचिताय (1) के अधीन, अन्तरिती व्यक्तियों, अर्थात् ।—
20—516GI/79

1. श्री अशोक बंसल पुत्र श्री बनवारी लाल बंसल, श्रीमति मीरा बंसल पत्नी श्री यशवीर बंसल द्वारा जनरल अटारनी श्री अशोक कुमार बंसल, श्रीमति रत्न कुमारी पत्नी श्री बनवारी लाल बंसल, श्रीमति मुशील कुमारी गोयल पत्नी श्री हरीश चन्द्र, श्री योगेश गोयल पुत्र श्री हरीश चन्द्र गोयल सारे वासीमकान नं० 17, सैक्टर 10 ए, चण्डीगढ़ ।
(अंतरक)

2. श्री हरसार सिंह सांगा पुत्र श्री विकमंजीत सांगा व श्रीमति अवतार कौर पूर्णी चरन सिंह द्वारा जनरल अटारनी श्री परमजीत सिंह वासी 832, गांव व डा० काला सांधीआ॒ जिला कपूरथला
(अंतरिती)

3. श्री परमजीत सिंह पाल एस० सी० ओ० 58/26 चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्रमण:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षणात्मकी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शो रूम साईट नं० 58, सैक्टर 26, चण्डीगढ़।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 442, जून 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8 फरवरी 1980

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अयकर भवन,

लुधियाना, दिनांक 8 फरवरी 1980

निर्देश सं० सी० एम० डी०/124/79-80—प्रतः मुझे
सुखदेव घन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1127, साथ में बना हुआ मकान, है तथा जो सैक्टर 34-सी, चन्डीगढ़। में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमत्तिरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्ड प्रतिशत प्रधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और अन्तरिक्षीय (प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रत्यक्षरूप में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन 'निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात्:—

1. मेजर अवजीत लाल टेरी पुत्र श्री नन्द लाल टेरी नं० 1 एवं फौरमेशन सिंगल रैजमैट मारफत 56 ए० फी० ओ०, द्वारा स्पैसल अटारली श्री दलीप सिंह सेखों पुत्र करतार सिंह वासी 287, सैक्टर 23-ए, चन्डीगढ़। (अंतरक)

2. श्रीमति हरदियाल कौर पत्नी श्री दलीप सिंह सेखों मकान नं० 1127, सैक्टर 34 सी, चन्डीगढ़। (अंतरिती)

3. वी इस्टेट आफीसर यूनियन टैराफ्टी चन्डीगढ़, (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम', के प्रधायाय के 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1127, सैक्टर 34-सी, चन्डीगढ़, साथ में बना हुआ मकान

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 696, जुलाई, 1979 में वर्ज है)।

सुखदेव घन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8 फरवरी 1980
मोहर:

प्रकृष्ट प्राईटी टी.एस.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज आयकर भवन

लुधियाना, दिनांक 8 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० जे०/७९/७९-८०—अतः मुहूर्मुख्यदेव चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्ता अधिनियम' कहा गया है), को बारा 269-ष के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का प्लाट 500 बग्गे नं० 22 है तथा जो गुरु नानक कालीनी, राजपुरा टाऊन, राजपुरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजपुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुसारित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रदृढ़ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तुविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय को वाहत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ष के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्तियों अवति :—

1. श्री ज्ञान चन्द्र पुत्र श्री मुलख राज सरमा, ठेकेदार वासी रोपड़।
(अंतरक)

2. श्री सतीश भारद्वाज बकील पुत्र श्री राजिन्द्र नाथ सिवल कोट्टेस राजपुरा, जिला पटियाला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी घाकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधिया तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त अवित्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुखत शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के अन्याय 203 में परिचालित है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 500 बग्गे गज है नं० 22 और जो गुरु नानक कालीनी राजपुरा टाऊन, राजपुरा, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, राजपुरा के कार्यालय के विलेख संख्या 1309 जून, 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द्र
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 8 फरवरी 1980

मोहर :

प्रलेप प्राई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,
269-प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 फरवरी 1980

निर्देश सं० के० एन० एन०/16/79-80—ग्रतः, मुझे,
सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4 कनाल 18 मरला है तथा जो सभा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
खना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रबहु प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
निखिल में वास्तविक कप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
घोषणा

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या यथा पासितों
को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने
सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसर
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-प की जपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अधिकारी :—

1. राजिन्द्र कौर पुनी अमर सिंह नजदीक गुरुद्वारा, माता
रानी मोहल्ला खना। (अन्तरक)

2. दी खना नन्दी को० आप० हाऊस बिंडला सोसाईटी
लि० भड़ी (खना)। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षयों में से किसी अकित द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अकित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित, में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रध्याय 20 के परिमावित
है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीम 4-18 मरला खना

(जायेवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी खना के
कार्यालय में विलेख नं० 498, जून 1979, में दर्ज है।

सुखदेव चन्द,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 22 फरवरी, 1980।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्राम्यकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, नुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 फरवरी 1980

निर्देश सं० के० एन० एन०/39/79-80—अतः मुझे,
सुखदेव घन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
हमें पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिपता उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।

और जिसकी सं० 4 के० 18 है तथा जो खाना में स्थित
है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खाना में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जून 1979 को

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के फद्दह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तरफ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण तिथित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती गुरदयाल कौर पत्नी श्री अमर सिंह माता
रानी मोहल्ला, नजदीक गुरुद्वारा, खाना। (अन्तरक)
2. दी खाना नन्दी को० आप० हाऊस विलिंग सोसाईटी
लिं०, भड़ी (खाना)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या नहम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख ने 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्तरिती द्वारा प्रतिक्रिया के पात्र निम्नलिखित में
किये जा सकेंगे।

सम्पष्टीकरण:— इसमें प्रमुख गढ़ों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 4 कनाल 18 मरला, खाना जायदाद जैसा कि
रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी खाना के विलेख नं० 736, जून
1979 में दर्ज है।

सुखदेव घन्द,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 22 फरवरी 1980
मोहर :

प्रश्न प्रार्थी डी० एल० एफ० -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 268 अ (1) के प्रधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-1, दिल्ली
 नई दिल्ली-110002, दिनांक 1 मार्च 1980

निर्देश सं० आर्थि० ए० सी०/एक्य०-I/3-80/994—यतः,
 मुझ, जी० सी० अग्रवाल,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 268-वा
 के अधीन लक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधिकत बाजार मूल्य 25,000/-
 रु० में अधिक है।
 और जिसकी सं० 111 (पहली मंजिल) है, तथा जो डी० एल० एफ०
 हाउस 40-एफ कनाट, पैलस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
 उपांचद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
 अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए प्रमत्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथा पाया
 गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से लिखित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय का बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व
 में कमी करने या उसमें वज्रने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसा किसी धाय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
 को जिहौं भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
 अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
 जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः यद्य, उक्त भारतीय धाय का धारा 268-वा के अनुकरण
 में, उक्त अधिनियम को धारा 268-वा के उपचार (1)
 अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाईटेड लि० 21-23
 नरिन्द्रा प्लेस पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली
 (अन्तरक)
2. मास्टर प्रत्यक्ष सिंगल इनके पिता आनन्द प्रकाश सिंगल
 के द्वारा
 (2) श्री विनय कुमार सिंगल (माइनर) इनके पिता
 ओम प्रकाश सिंगल के द्वारा निवासी के-39, हौज खास
 इन्हेव, नई दिल्ली-16
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन
 के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या उससे अधिक व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्वरूपोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभासित हैं, वही
 अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

हिस्सा नं० 111 (पहली मंजिल) डी० एल० एफ० हाउस;
 एफ-40, कनाट प्लेस, नई दिल्ली, क्लोकफल 931.41 वर्ग
 कुट ।

जी० सी० अग्रवाल
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 1-3-1980
 मोहर:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 29th February 1980

No. A.35014/2/80-Admn.II.—In supersession of this office notifications No. A.35017/1/79-Admn.II, dated 10th September 1979 and 6th December 1979, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. P. Jain, a permanent Section Officer of the CSS cadre of Union Public Service Commission to the *ex-cadre* post of Accounts Officer on an *ad-hoc* basis for a period of one year with effect from 10th September 1979 or until further orders, whichever is earlier.

Shri M. P. Jain will be on deputation to the *ex-cadre* post of Accounts Officer and his pay will be regulated in terms of the instructions contained in the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. F.10(24)/E.III/60, dated 4th May 1961, as amended from time to time.

No. A.35014/2/80-Admn.II.—In supersession of this office's notification No. A.35017/1/79-Admn.II, dated 5th January 1980, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri K. L. Katyal, a temporary Section Officer of the CSS cadre of Union Public Service Commission to the *ex-cadre* post of Accounts Officer in the office of the Union Public Service Commission on an *ad-hoc* basis for a period of one year with effect from 1st January 1980, or until further orders, whichever is earlier.

Shri K. L. Katyal will be on deputation to the *ex-cadre* post of Accounts Officer and his pay will be regulated in terms of the instructions contained in the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. F.10(24)/E.III/60, dated 4th May 1961, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
for Secy.

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 22nd February 1980

No. 32013/3/79-Admn.I.—In continuation of Union Public Service Commission Notifications of even number dated 17th September 1979, 2nd November 1979 and 9th January 1980 the President has been pleased to appoint Shri S. K. Bose and Shri M. R. Bhagwat permanent Grade I officers of CSS Cadre of Union Public Service Commission as Deputy Secretaries in the office of the UPSC on *ad hoc* basis for a further period of three months w.e.f. 19th February 1980 and 24th February 1980 respectively or until further orders whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
Union Public Service Commission

ENFORCEMENT DIRECTORATE
FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-3, the 5th February 1980

No. A-11/54/74.—Shri M. S. Malhotra, Enforcement Officer, Enforcement Directorate, Delhi zonal office is appointed as Chief Enforcement Officer, Enforcement Directorate, Delhi zonal office w.e.f. 17th November 1979 and until further orders.

The 4th March 1980

No. E-3(36)/72.—Shri A. B. Chakraborty, Enforcement Officer, Enforcement Directorate, Calcutta zonal office is appointed to officiate as Chief Enforcement Officer, Enforcement Directorate, Madras zonal office w.e.f. 13th February 1980 and until further orders.

S. D. MANCHANDA
Director

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 5th March 1980

No. V-2/73.Ad.V.—Services of Shri V. R. Lakshminarayanan, IPS (Tamil Nadu-1951) Additional Director, Central Bureau of Investigation are placed at the disposal of

Tamil Nadu State Government on repatriation with effect from the forenoon of 3rd March 1980.

The 10th March 1980

No. A-19019/2/78-Ad-V.—Services of Shri R. D. Singh, IPS (1949-Bihar) Director, Central Bureau of Investigation are placed at the disposal of Government of Bihar State on repatriation with effect from the forenoon of 22nd February 1980.

Q. L. GROVER
Administrative Officer (E)
C.B.I.

DIRECTORATE OF COORDINATION
(POLICE WIRELESS)

New Delhi-1, the 5th March 1980

No. A.12012/1/79-Admn.—Shri P. S. Kandhola, a temporary Senior Supervising Officer of the Directorate of Coordination (Police Wireless) has been promoted to officiate as Extra Assistant Director in Directorate of Coordination (Police Wireless) in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—FB—40—1200/- with effect from the forenoon of the 15th February 1980 at Hqrs. New Delhi until further orders.

C. P. JOSHI
Director
Police Telecommunications

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 3rd March 1980

No. E-16016/2/79-Pers.—IG : CISF is pleased to appoint Shri P. N. Oberoi, Assistant, to officiate as Section Officer, in the office of IG : CISF, New Delhi, w.e.f. the afternoon of 21st February 1980, who assumed the charge of the said post w.e.f. the same date.

No. E-28013/1/79-PFRS.—On attaining the age of superannuation, Shri Chandni Ram relinquished the charge of the post of Asstt : Comdt, CISF Unit, HIL, New Delhi w.e.f. the forenoon of 1st February 1980.

No. E-16016/2/79-PERS.—IG : CISF is pleased to appoint Shri J. R. Sharma, Assistant, to officiate as Section Officer, in the office of IG : CISF, New Delhi, w.e.f. the afternoon of 21st February 1980, who assumed the charge of the said post w.e.f. the same date.

The 7th March 1980

No. E-38013(3)/10/79-Pers.—On transfer from Visakhapatnam, Shri P. David assumed the charge of the post of Asstt : Comdt, CISF Unit, Salem Steel Project, Salem w.e.f. the forenoon of 13th November 1979.

No. E-38013(3)/20/79-Pers.—On transfer from Jhansi, Shri R. K. Bhagat assumed the charge of the post Assistant Commandant, CISF Tig Reserve (NW/Zone) at Bhilai with effect from the forenoon of 22nd January 1980.

No. E-38013(3)/1/79-Pers.—On transfer to Udaipur Shri P. C. Gunta relinquished the charge of the post of Asstt : Comdt, CISF Unit, Farakka Barrage Project, Farakka w.e.f. the afternoon of 24th January 1980.

No. E-38013(3)/25/79-Pers.—On transfer to Sagar Shri H. S. Pannu relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, RSP, Rourkela w.e.f. the afternoon of 31st January 1980.

S. NATH
Inspector-General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 6th March 1980

No. 6/1/74-RC(Ad.I).—The President is pleased to extend the term of appointment of the undermentioned Consol Operators in the Office of the Registrar General, India, at New

Delhi, as Assistant Director (Programme), in the same office, on purely temporary and *ad-hoc* basis, upto the 30th June 1980, or until further orders, whichever is earlier, on the existing terms and conditions, as indicated in this office reference number as mentioned in column 3 below :—

S. No., Name of the Officer and Previous reference number and date

1. Shri R. N. Talwar—6-1-74-RG(Ad.I), dated 21-2-79.
2. Shri R. L. Puri—10-12-79-Ad.I, dated 3-3-79.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

**MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)
BANK NOTE PRESS**

Dewas, the 1st March 1980

F. No. BNP/C/5/80.—In continuation to this Department's Notification number BNP/C/5/79, dated 22nd January 1980 the appointment of Shri N. G. Kibe as Accounts Officer in Bank Note Press Dewas is extended for a further period upto 20th June 1980 on the existing terms and conditions.

The 4th March 1980

F. No. BNP/C/5/80.—In continuation to this Department's Notification No. BNP/C/5/79, dated 24th July 1979, the *ad-hoc* appointment of Shri G. L. Damor, as Deputy Control Officer in Bank Note Press, Dewas is extended for a further period upto 30th June 1980 or till the permanent incumbent, reverts to the post whichever is earlier.

P. S. SHIVARAM
General Manager

(BANKING DIVISION)

REHABILITATION FINANCE ADMINISTRATION UNIT

New Delhi, the 22nd December 1979

No. RFAU/2(1)/79-Est.2910.—Shri P. K. Sengupta, Supervisor-in charge in the Branch Office of the Rehabilitation Finance Administration Unit at Calcutta, has been appointed to officiate as Superintendent with effect from 20th June 1979 to 30th November 1979 on a temporary basis *vice* Shri B. Brahma, Superintendent on leave.

N. BALASUBRAMANIAN
Administrator

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
CENTRAL REVENUES**

New Delhi-2, the 6th March 1980

No. Admn.I/O.O. No. 628/5-5/Promotion/79-80/3233.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri M. M. L. Bakshi, a permanent Section Officer and Officiating Audit Officer of this office will retire from service of the Government of India with effect from the afternoon of 29th February 1980.

His date of birth is 5-2-1922.

Sd. ILLEGIBLE
Jt. Director of Audit (Admn.)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
ANDHRA PRADESH**

Hyderabad-500476, the 6th March 1980

No. Admn. I/8-132/79-80/381.—Shri N. Srinivasachari, Accounts Officer of the Accountant General-I, Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service with effect from 29th February 1980 AN.

No. Admn. I/8-132/79-80/381.—Shri K. Ramana Swamy, Accounts Officer, Office of the Accountant General-I, Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service with effect from 29th February 1980 AN.

Sd./- ILLEGIBLE
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
KERALA**

Trivandrum-695001, the 5th March 1980

No. Estt./A/VII/9-86/Vol.II/230.—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint the undermentioned permanent Section Officers (Audit and Accounts) to officiate as Accounts Officers with effect from the dates shown against each until further orders :—

- (1) Shri V. Muraleedharan (Proforma)—23-2-1980 AN.
- (2) Smt. V. S. Bhanumathy Ammal—23-2-1980 AN.
- (3) Shri G. Govindan Nair (Proforma)—23-2-1980 AN.
- (4) Shri P. Krishnankutty Menon—23-2-1980 AN.

All the promotions are made on an *ad hoc* basis and shall be subject to the final orders of the High Court of Kerala in O.P. Nos. 3388 of 79 and 3400 of 1979.

D. S. IYER

Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE

DGOF HQRS CIVIL SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700069, the 29th February 1980

No. 7/80/A/E-I(NG).—The DGOF is pleased to promote Shri Phani Bhushan Banerjee, Pmt. Asstt., to Offg. Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted), in an existing vacancy, without effect on seniority, from 19th February 1980 until further orders.

Shri Banerjee will be on probation for two years from the date of his promotion.

2. The DGOF is pleased to promote Shri Jagadish Mitter Sharda, Pmt. Asstt., to Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted) on *ad-hoc* basis, in a leave vacancy, from 19th February 1980 till the officer concerned resumes duties or till Shri Sharda is absorbed against a regular promotion vacancy whichever is earlier.

3. The DGOF is also pleased to promote the following individuals in existing vacancies, in grades and on dates shown against each :

- | | | |
|--|--|--|
| 1. Shri Mohi Kumar Sengupta, Pmt. Assistant, | Offg. Asstt. Staff Officer (Ad-hoc) (Group 'B' Gazetted) | From 19-2-80 till the U.P.S.C. direct recruit is posted or till he is absorbed in a regular promotion vacancy whichever is earlier |
| 2. Shri Jagdish Ch. Ghosh, Pmt. Asstt. | —do— | —do— |
| 3. Smt. Chhabi Sen, Pmt. Asstt. | —do— | —do— |
| 4. Smt. Lina Guha, Pmt. Asstt. | —do— | —do— |
| 5. Shri Santosh Kumar Das, Pmt. Asstt. | —do— | —do— |

All the above individuals assumed the higher duties as Assistant Staff Officer w.e.f. 19th February 1980 except Smt. Lina Guha who assumed the higher duties w.e.f. 25th February 1980.

D. P. CHAKRAVARTI
ADGOF/Admin
for Director General, Ordnance Factories

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 5th March 1980

No. 8/G/80.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officer as Offg. DADGOF with effect from the date shown against him, until further orders :—

Shri D. V. K. Rao, TSO, 1st Nov 1979.

No. 9/80/G.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Asstt. Manager (Prob.) with effect from the dates shown against them :—

- (1) Shri Ved Prakash KAMRA, 17th December 1979.
- (2) Shri Sanjoy Kumar Singh CHAUHAN, 14th July 1979.

(3) Shri Pranab Kumar KARMAKAR, 13th December 1979.

V. K. MEHTA
Asstt. Director General, Ordnance Factories

**DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE
ACCOUNTS**

New Delhi-110 022, the 5th March 1980

No. 40011(1)/80/AN-II—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints the under-mentioned Permanent Section Officers (Accounts) as Accounts Officers in an Officiating Capacity with effect from the date noted against each until further orders.

Sl. No.	Name	Organisation	Date
1	2	3	4
S/Shri			
1.	Kulwant Singh Bakshi	C.D.A., (AF), Dehra Dun	10-8-'79 (with 'NBR' benefits w.e.f. 19-5-'78)
2.	M. L. Malhotra	C.D.A., CC, Meerut	30-1-'79
3.	Mohan Singh	C.D.A. (Navy), Bombay	13-11-'78
4.	G.R. Sharma	C.D.A., WC, Meerut	13-11-'78
5.	S. Krishnaswamy	C.D.A., SC, Pune	27-1-'79
6.	R.D. Goel	C.D.A. (Navy), Bombay	22-2-79
7.	R.C. Bhardwaj	C.D.A. (AF), Dehradun	11-1-'79
8.	N. Govinda Rao	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	12-12-'78
9.	Sushil Kumar	C.D.A., Patna	29-12-'78
10.	Shanti Kumar Jain	C.D.A. (ORs) North, Meerut	30-12-'78
11.	Gorla Arjun	C.D.A. (Navy), Bombay	6-12-'78
12.	Krishan Kumar Goel	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	18-12-'78
13.	O. P. Malhotra	C.D.A., CC, Meerut	1-1-'79
14.	G. Ramalinga Subramanian	C.D.A. (Officers), Pune	3-1-'79
15.	Radhey Shiam Agarwal	C.D.A. (Pensions) Allahabad	8-1-'79
16.	S. Venkataraman	C.D.A. (Officers), Pune	10-1-'79
17.	Sunder Lal Sharma	C.D.A., NC, Jammu	5-1-'79
18.	Kewal Krishan	C.D.A. (AF), Dehra Dun	7-4-'79
19.	Darshan Lal Jain	C.D.A., WC Meerut	1-1-'79
20.	Ripduman Singh	C.D.A., Patna	17-1-'79
21.	Vasant Rao Dande	C.D.A. (Navy), Bombay	23-1-'79
22.	Jaipal Singh Thakur	C.D.A., CC, Meerut	22-1-'79
23.	K. Narayanan Kutty	C.D.A. (ORs) South, Madras.	17-1-'79
24.	C.K. Chandrasekharan Nair	C.D.A. (Officers), Pune	29-1-'79
25.	V.N. Gupta	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	8-1-'79
26.	Jagdish Chandra Biswas	C.D.A., Patna	8-1-'79
27.	Hari Krishan	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	3-1-'79

1	2	3	4
S/Shri			
28. Samay Singh . . .	C.D.A. (AF), Dehra Dun	1-1-'79	
29. V.R. Chellappan . . .	C.D.A. (Officers), Pune	3-1-'79	
30. N. P. Kureel . . .	C.D.A., WC, Meerut	1-1-'79	
31. Ramesh Chand . . .	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	10-1-'79	
32. Attar Singh . . .	C.D.A., WC, Meerut	13-3-'79	
33. M.I. Chawda . . .	C.D.A. (ORs) North Meerut	1-1-'79	
34. Jagtar Singh . . .	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	2-1-'79	
35. Lakshmi Narayan Aharwar	C.D.A. (Pensions), Allahabad.	1-1-'79	
36. N. Narasimhan . . .	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	11-2-'79	
37. Gopalji Kapoor . . .	C.D.A. (Pensions), Allahabad	1-2-'79	
38. Mahesh Chander Mehta . . .	C.D.A., WC, Meerut	2-1-'79	
39. D.S. Gokhale . . .	C.D.A., SC, Pune	18-1-'79	
40. P. K. Parameswaran Nair . . .	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	24-1-'79	
41. S. Rangaswamy . . .	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	29-1-'79	
42. P. R. Nagraj . . .	C.D.A. (Officers), Pune	3-1-'79	
43. Shri Narain Chaurasia . . .	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	22-1-'79	
44. Om Prakash Kohli . . .	C.D.A. (Pensions), Allahabad	24-2-'79	
45. Shivmurti Swami . . .	C.D.A., CC, Meerut	30-1-'79	
46. N.G. Sankaran Kutty Monon . . .	C.D.A., CC, Meerut	25-1-'79	
47. Tilak Raj Seth . . .	C.D.A. (Pensions), Allahabad	24-1-'79	
48. P.R. Ramachandran . . .	C.D.A., Patna	24-1-'79	
49. A. Seshadri . . .	C.D.A. (AF), Dehra Dun	14-2-'79	
50. Chokhey Lal Agarwal . . .	C.D.A., Patna	26-2-'79	
51. Utpalendu Bhaduri . . .	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	13-2-'79	
52. M.L. Rastogi . . .	C.D.A., Patna	26-3-'79	
53. S.S. Gadkari . . .	C.D.A., SC, Pune	26-2-'79	
54. Satya Pal Nanda . . .	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	28-2-'79	
55. R. Balasubramanian . . .	C.D.A. (Navy), Bombay	19-2-'79	
56. Jagdish Prasad Sharma . . .	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	2-5-'79	
57. P.C. Joseph (Since Retired)	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	1-2-'79	
58. H.K. Kapoor . . . (Since Retired)	C.D.A., CC, Meerut	1-2-'79	
59. R. John . . .	C.D.A. (ORs) South Madras	26-5-'79	
60. Madan Lal . . .	C.D.A., NC, Jammu	26-2-'79	
61. V. S. Tupo . . .	C.D.A., SC, Pune	1-2-'79	
62. K. P. Albal . . .	C.D.A. (ORs) North, Meerut	20-2-'79	
63. Krishan Das (Since Retired)	C.D.A. (ORs) South Madras	2-2-'79	

1	2	3	4	1	2	3	4
S/Shri							
64. Bhagwan Swarup		Controller of Accounts (Fys) Calcutta	29-3-'79	101. Cherian Zachariah		CDA (AF), Dehra Dun	12-4-'79
65. K. Visveswaran (Since Retired)		C.D.A. (ORs) South Madras	1-2-'79	102. J.S. Agte		CDA (Officers), Pune	30-5-'79
66. K.L. Sharma		Controller of Accounts (Fys) Calcutta	13-2-'79	103. Ranjit Singh Rana		Controller of Accounts (Fys) Calcutta	11-6-'79
67. Gurbaksh Rai Aggarwal		C.D.A., NC, Jammu	17-3-'79	104. R.K. Sharma		CDA (Officers), Pune	30-5-'79
68. K.V. Nageswara Rao		C.D.A. (ORs) South Madras	24-3-'79	105. R. Venkateswaran		CDA (ORs) South Madras	28-5-'79
69. Bishan Das Bhardwaj		C.D.A., WC, Meerut	5-11-'79	106. Vijay Sankar Lal		CDA (Pensions), Allahabad	1-5-'79
70. Anand Kumar		C.D.A. (AF), Dehra Dun	10-8-'79	107. K.V. Natarajan		Controller of Accounts (Fys), Calcutta	5-5-'79
71. Hans Raj Katwaria		C.D.A., NC, Jammu	19-3-'79	108. K.L. Sharma		CDA, CC, Meerut	28-5-'79
72. S.S. Shentikar (Since Retired)		C.D.A. (Officers), Pune	1-3-'79	109. Des Raj Batra		CDA (ORs) North, Meerut	6-6-'79
73. R.V. Godkhindi (Since Retired)		C.D.A., SC, Pune	2-3-'79	110. K. Parameswaran		CDA (Officers), Pune	1-5-'79
74. R.G. Kulkarni		CDA (ORs) South, Madras	28-5-'79	111. P.K. Bhattacharjee		CDA (Pensions), Allahabad	1-5-'79
75. P. Venkataraman		CDA (Navy), Bombay	1-3-'79	112. S.N. Chadha		CDA, CC, Meerut	1-5-'79
76. Ajit Singh Bhatti		CDA (Pensions), Allahabad	1-3-'79	113. K.L. Vohra		CDA (ORs) South, Madras	29-6-'79
77. C.L. Malhotra		CDA, CC, Meerut	1-3-'79	114. Bhagwatinath Srivastava		CDA, Patna	31-5-'79
78. G.V. Raghunatha Rao		C.D.A., Patna	3-3-'79	115. V.V. Sankaranarayanan		CDA (ORs) North, Meerut	14-5-'79
79. T.S. Ramamurthy		CDA (Pensions) Allahabad	3-3-'79	116. Richpal Singh		CDA (Pensions), Allahabad	1-5-'79
80. Sukh Dev Sharma		CDA, WC, Meerut	15-3-'79	117. S.C. Misra		CDA, Patna	30-8-'79
81. K.R. Venkataraman		CDA (ORs) South, Madras	1-3-'79	118. V.G. Paranjape		CDA (Pensions), Allahabad	1-5-'79
82. Roshan Lal Vohra		C.D.A., Patna	30-8-'79	119. K.K. Joseph		CDA (ORs) North, Meerut	30-5-'79
83. Bishnu Pada Bose		Controller of Accounts (Fys), Calcutta	1-3-'79	120. Y.K. Wani		CDA (ORs) South, Madras	25-6-'79
84. S.R. Agarwal (Since Retired)		CDA (ORs) North, Meerut	1-3-'79	121. V. Subramanian		CDA, SC, Pune	14-5-'79
85. N. Radhakrishnan		CDA (Navy), Bombay	23-3-'79	122. Rawel Singh		CDA (AF), Dehra Dun	27-8-'79
86. R.J. Kulkarni		CDA (AF), Dehra Dun	2-4-'79	123. M. Mohan Rao		CDA (Navy), Bombay	10-5-'79
87. Har Mohinder Singh		CDA (Pensions), Allahabad	2-4-'79	124. Sardul Singh		CDA (Officers), Pune	30-5-'79
88. Gian Chand		CDA, CC, Meerut	2-4-'79	125. K.N. Paulose		CDA (Officers), Pune	1-5-'79
89. V.R. Radhakrishnan		CDA, SC, Pune	12-4-'79	126. Gurdeep Singh Chawla		CDA, WC, Meerut	1-6-'79
90. Rattan Singh Jaiswal		CDA, WC, Meerut	2-4-'79	127. Shri Niwas Sharma		CDA, SC, Pune	6-6-'79
91. S.A. Sobnis		Controller of Accounts (Fys) Calcutta	23-4-'79	128. Joginder Singh		CDA (Officers), Pune	2-6-'79
92. T.S. Rawat		CDA (Pensions), Allahabad	15-12-'79 (With 'NBR' benefits w.e.f. 2-4-'79)	129. D.K. Bhalla		CDA (Officers), Pune	13-6-'79
93. Dhaneswar Swarup		CDA, Patna	26-10-'79	130. S.S. Tiagi		CDA (ORs) South, Madras	18-6-'79
94. Ganesh Shukla		CDA (ORs) North, Meerut	31-5-'79	131. Om Prakash Garg		CDA, WC, Meerut	19-6-'79
95. Nesar Ahmad Ansari		CDA (Officers), Pune	11-4-'79	132. T.J. Sebastian		CDA, SC, Pune	11-6-'79
96. P. Krishnamurthy		CDR, NC, Jammu	2-4-'79	133. A.C. Soundararajan		Controller of Accounts (Fys), Calcutta	13-6-'79
97. T. Hanuman Prasad		Controller of Accounts (Fys), Calcutta	7-4-'79	134. C. Venkatachalapathi Rao		CDA (Pensions), Allahabad	1-6-'79
98. I.V. Sharma (Since Expired)		CDA (Officers), Pune	2-4-'79	135. T.G. Venkatasubramanian		CDA (ORs) North, Meerut	7-6-'79
99. B.R. Vohra		CDA (ORs) North, Meerut	2-4-'79	136. Prem Chand Kapila		CDA, CC, Meerut	4-6-'79
100. Des Raj Grover		CDA (Pensions), Allahabad	11-4-'79	137. Ram Chandra Srivastava		CDA (ORs) South, Madras	29-6-'79
				138. A. Radhakrishna Murthy		CDA (ORs) South, Madras	7-6-'79
				139. Kuldip Raj Sharma		CDA (ORs) North, Meerut	30-6-'79
				140. P. Subramanian		Controller of Accounts (Fys) Calcutta	1-6-'79
				141. Kuber Singh		Controller of Accounts (Fys) Calcutta	6-6-'79

1	2	3	4	1	2	3	4
S/Shri							
142.	Mool Chand Gupta	CDA (ORs) North, Meerut	30-8-'79	182.	D.K. Akut	CDA (Pensions), Allahabad	10-8-'79
143.	K. Veerasankara Rao	CDA, CC, Meerut	5-6-'79	183.	K. Muthuswami	CDA (ORs) South Madras	1-8-'79
144.	A. Nagabhushana Rao	Controller of Accounts (Fys), Calcutta.	8-6-'79	184.	M.G. Mankeekar	CDA, SC, Pune	1-9-'79
145.	T. Bhaskaran Kutty Menon	CDA (ORs) South, Madras	2-7-'79	185.	Mahendra Pal Gupta	CDA (AF), Dehra Dun	27-8-'79
146.	Kailash Chander	CDA, WC, Meerut	4-7-'79	186.	Shaukat Ali Khan	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	8-10-'79
147.	Dina Nath Jerath	CDA, NC, Jammu	7-7-'79	187.	J.S. Kochhar	CDA, WC, Meerut	1-9-'79
148.	V.B. Raut	CDA (ORs) South, Madras	27-7-'79	188.	A.R. Singh	CDA (A), Dehra Dun	1-9-'79
149.	K. Subramanyam	CDA (Navy), Bombay	2-7-'79	189.	Ram Kumar Gaur	CDA, WC, Meerut	1-9-'79
150.	Piyare Lal	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	28-7-'79	190.	N. J. Datar (Since Retired)	CDA (ORs) South, Madras	1-9-'79
151.	K. L. Sharma	CDA (Pensions), Allahabad	16-7-'79	191.	R. Raghavan	CDA (ORs), South Madras	10-9-'79
152.	Saran Parshad Aggarwal	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	3-7-'79	192.	Mohd. Afzal	CDA, Patna	17-9-'79
153.	Mohan Lal	CDA, SC, Pune	16-7-'79	193.	S. Varadarajan	CDA (Pensions), Allahabad	1-9-'79
154.	Shant Kumar Jain	CDA, CC, Meerut	28-9-'79	194.	D.V. Narasimhan	CDA (Navy), Bombay	1-9-'79
155.	S. Kalidoss	CDA, SC, Pune	13-7-'79	195.	G.S. Pande	CDA, Patna	10-9-'79
156.	P. Satyanarayana Murthy	CDA (Officers), Pune	26-7-'79	196.	P.S. Nagaraja Rao	CDA (ORs) South, Madras	3-9-'79
157.	Saiyed Mohammed Ali Sajjad	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	5-7-'79	197.	R.B. Patwardhan	CDA (Officers), Pune	1-9-'79
158.	Shib Kishan Sharma	CDA (Officers), Pune	9-7-'79	198.	Om Prakash Gupta	C.D.A., Patna	30-10-'79
159.	Krishan Pal	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	6-8-'79	199.	R.P.S. Negi	CDA (Pensions), Allahabad	10-9-'79
160.	Abraham Vargheese	CDA, SC, Pune	10-7-'79	200.	K. Padmanabhan	CDA, SC, Pune	3-9-'79
161.	Mool Chandra Agarwal	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	24-7-'79	201.	G.S. Bajpai	C.D.A., Patna	24-10-'79
162.	Lajpat Rai Mohindra	CDA (Pensions), Allahabad	2-7-'79	202.	Jai Pal Singh	CDA (ORs) North, Meerut	24-10-'79
163.	M. G. Babtiwale	CDA (Officers), Pune	6-7-'79	203.	K.A. Shahul Hameed	CDA, WC, Meerut	12-9-'79
164.	Narendra Pal Singh	CDA (AF), Dehra Dun	4-7-'79	204.	Vinod Kumar Jain	CDA (Training), Meerut	1-9-'79
165.	R. D. Palta	JCDA (Funds), Meerut	1-8-'79	205.	Nand Kumar	CDA (QRs) North, Meerut	1-9-'79
166.	G. Rajasekharan	CDA, CC, Meerut	3-8-'79	206.	A.S. Taneja	CDA (AF), Dehra Dun	3-10-'79
167.	S.N. Chakravarti	CDA, CC, Meerut	7-8-'79	207.	Ram Bharose Srivastava	CDA (ORs) North, Meerut	3-10-'79
168.	Krishan Lal Malhotra	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	13-8-'79	208.	S.S. Chadha	C.D.A., WC, Meerut	11-10-'79
169.	K.G. Gupta	CDA, CC, Meerut	1-8-'79	209.	Radhey Shyam	CDA (ORs) North, Meerut	29-10-'79
170.	M. Nagarathnam Iyer	CDA (AF), Dehra Dun	10-8-'79	210.	Ignatius Wilson	CDA (AF), Dehra Dun	17-10-'79
171.	A. Sriramam	CDA, SC, Pune	9-8-'79	211.	K.C. Kakkar	CDA, CC, Meerut	3-10-'79
172.	V. Chandrasekharan Pillai	CDA, SC, Pune	30-8-'79	212.	Ram Kripal Gupta	CDA (Pensions), Allahabad	31-10-'79
173.	S. Govindan	CDA (ORs) South, Madras	3-8-'79	213.	Pratap Chandra Sharma	CDA (Pensions), Allahabad	30-10-'79
174.	Salil Kumar Sen Gupta	CDA, Patna	24-9-'79	214.	A. Janardhana Rao	CDA (AF), Dehra Dun	8-10-'79
175.	Baldev Raj Bhatia	CDA, Patna	31-8-'79	215.	Janak Raj Mudgil	CDA (ORs) North, Meerut	3-10-'79
176.	V. K. Joglekar	CDA (Officers), Pune	1-8-'79	216.	Mopuri Yella Reddy	CDA (Navy), Bombay	25-10-'79
177.	B.N. Banerjee	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	1-8-'79	217.	A.D. Ranade	CDA (Officers), Pune	3-10-'79
178.	H. R. Khurana	CDA, WC, Meerut	7-8-'79	218.	Brij Lal	CDA (ORs) South, Madras	26-10-'79
179.	Satyanarain Bose	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	1-8-'79	219.	Krishan Kumar Sobti	CDA (ORs) South, Madras	30-10-'79
180.	Om Prakash Saini	CDA, WC, Meerut	3-10-'79	220.	Tilak Raj Chadha	CDA (ORs) North, Meerut	15-10-'79
181.	S. Devarajulu	CDA, WC, Meerut	1-8-'79	221.	Krishan Chander Rampal	CDA, WC, Meerut	3-10-'79
				222.	A.V. Joga Rao	CDA (Officers), Pune	8-10-'79

1	2	3	4
223.	Vishnu Kumar Misra	CDA, Patna	29-10-'79
224.	T.S. Venkutaraman	CDA (ORs) South, Madras	22-10-'79
225.	Shyam Narain Srivastava	CDA (ORs) North, Meerut	27-10-'79
226.	Ajit Singh	CDA (AF), Dehra Dun	29-11-'79
227.	K.V. Ramana	CDA, SC, Pune	9-10-'79
228.	A. Ramanuja Rao	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	30-10-'79
229.	Vijai Prakash Asthana	CDA (AF), Dehra Dun	27-12-'79
230.	Amalendu Kumar Bhattacharya	CDA, Patna	13-11-'79
231.	H. B. Kakatkar	CDA (Officers), Pune	12-11-'79
232.	Alfred Jung	CDA (AF), Dehra Dun	2-11-'79
233.	Puran Ram Prakash	CDA (AF), Dehra Dun	9-11-'79
234.	Sudarshan Chander Gupta	CDA, NC, Jammu	2-11-'79
235.	M.R. Ganeshan	CDA (ORs) South, Madras	2-11-'79
236.	Ishwar Kumar Jain	CDA, WC, Meerut	29-11-'79
237.	J. Krishnamurthy	CDA, Patna	29-11-'79
238.	M. Venkateswara Rao	CDA (ORs) North, Meerut	22-11-'79
239.	P. Subba Rao	Controller of Accounts (Fys), Calcutta	2-11-'79
240.	K.V.S. Brahman	CDA, SC, Pune	3-11-'79
241.	M. Gopal Rao	CDA (ORs) South, Madras	24-11-'79
242.	Ram Prakash	CDA, CC, Meerut	2-11-'79
243.	H. P. Kanojia	CDA (ORs) North, Meerut	2-11-'79
244.	M.C. Muchukundan	CDA, SC, Pune	2-11-'79
245.	K. Kaleswaran	CDA (Officers), Pune	2-11-'79
246.	M.S. Kharat	CDA (Officers), Pune	2-11-'79
247.	Y.R. Vish Raj	CDA, Patna	2-11-'79
248.	Shiv Prasad Dagour	CDA, NC, Jammu	2-11-'79
249.	Srinath Keshari	CDA (Pensions), Allahabad	3-12-'79
250.	N.A. Krishnan	CDA, SC, Pune	6-12-'79
251.	Tara Chand	CDA (Pensions), Allahabad	3-12-'79
252.	Ram Bhajo	CDA (ORs) North, Meerut	3-12-'79
253.	Mohinder Lal Bhola	CDA, Patna	3-12-'79
254.	Ram Swaroop	CDA (Pensions), Allahabad	3-12-'79
255.	Nathuni Ram	C.D.A., Patna	7-12-'79
256.	R.R. Ravi	CDA, CC, Meerut	3-12-'79
257.	Hari Singh	CDA (AF), Dehra Dun	12-12-'79

K. P. RAO

Addl. Controller General of Defence Accounts (Admn)

MINISTRY OF INDUSTRY
 (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
 OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
 SMALL SCALE INDUSTRIES
 New Delhi-110011, the 10th February 1980

No. A-19018(450)/79-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri

K. Appuni, a permanent Small Industry Promotion Officer (Economic Investigation and Statistics) in the Small Industries Service Institute, Trichur, as Assistant Director (Gr. II) (Economic Investigation/Data Bank) on *ad hoc* basis, in the Small Industries Service Institute, Goa with effect from the forenoon of 29th October 1979 until further order.

M. P. GUPTA
 Dy. Director (Admn.)

ISPAT, KHAN AUR KOYLA MANTRALAYA
 KHAN VIBHAG
 GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
 Calcutta-700016, the 5th March 1980

No. 1334N/A-19012(4-IM)/78-19B.—Shri Intesaruddin Mohammed has relinquished the charge of Driller, Geological Survey of India on resignation with effect from the afternoon of 4th July 1976.

V. S. KRISHNASWAMY
 Director General

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO
 New Delhi, the 5th March 1980

No. 6(20)/60-SI.—On attaining the age of superannuation Shri M. G. Ghosh, relinquished the charge of the post of Programme Executive, All India Radio, Calcutta w.e.f the afternoon of the 31st January 1980.

N. K. BHARDWAJ
 Dy. Director of Administration
 for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES
 New Delhi, the 4th March 1980

No. A.19019/17/79-CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. M. C. Pande to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of 15th January 1980.

The 5th March 1980

No. A.19019/7/79-CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. K. R. Jadeja to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of 2nd February 1980.

N. N. GHOSH
 Dy. Director Admn. (CGHS)

New Delhi, the 1st March 1980

No. A. 19019/3/79-NICD/Admn.I.—Consequent on his resignation, Dr. Ziauddin Khan relinquished charge of the post of Assistant Director (Mycology) at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi, on the afternoon of the 24th January 1980.

S. L. KUTHIALA, Dy. Dir. Admn. (O & M)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
 (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 3rd March 1980

No. AMD-1/12/79-Adm.—In continuation of this office Notification of even number dated 5-2-1980, Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri A. C. Banerjee, Assistant Accountant at Assistant Accounts Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of January 30, 1980 to February 2, 1980 (AN) vice Shri C. V. Sampath, Assistant Accounts Officer granted extension of leave.

M. S. RAO,
 Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Mumbai-400 008, the 4th March 1980

Ref. 05000/R-138/1046.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri B. Ramachandran to officiate as Labour-cum-Welfare Officer in Heavy Water Project (Tuticorin), in a temporary capacity, with effect from February 11, 1980 (FN) until further orders.

K. SANKARANARAYANAN,
Senior Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 26th February 1980

No. A. 32023/1/77/R-2570.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri MUTHIAH KRISHNA-MOORTHY, a permanent Stenographer of the Bhabha Atomic Research Centre and officiating Stenographer Grade-III of this Centre in an officiating capacity on an ad hoc basis as Assistant Administrative Officer for the period from 25-2-1980 to 11-4-1980.

A. SETHUMADHAVAN,
Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE
INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION
SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380 053, the 29th February 1980

No. EST/ISCES/5062/80.—The Director, SAC, is pleased to accept the resignation from service of Shri Ashutosh S. Trivedi, a temporary Engineer SB of this Centre with effect from the afternoon of October 25, 1979.

The 1st March 1980

No. SAC/EST/ISCES/1398/80.—The Director, SAC, is pleased to accept the resignation from service of Shri R. S. Lakhani, a temporary Engineer SB of this Centre with effect from the afternoon of March 1, 1980.

M. P. R. PANICKER,
Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 5th March, 1980

No. A. 32014/3/78-E.I.—The Director General of Meteorology hereby appoints the undermentioned Professional Assistants as Assistant Meteorologists in an officiating capacity with effect from the dates indicated against their names and until further orders.

S. No.	Name	Date from which appointed as Asstt. Metereo- logist
(1)	(2)	(3)
1.	Shri N. Shankaran	21-1-1980
2.	Shri Surendra Mathur	21-1-1980
3.	Shri R.K. Jain	21-1-1980
4.	Shri R.K. Das	21-1-1980
5.	Shri Anjani Kumar Singh	21-1-1980
6.	Shri A.K. Chatterjee	21-1-1980
7.	Shri D.S.V. Rao	21-1-1980
8.	Shri B. Srinivasan	21-1-1980
9.	Shri S.K. Mulye	21-1-1980
10.	Shri Y. K. Joglekar	21-1-1980

(1)	(2)	(3)
11.	Shri B. A. Kalyankar	21-1-1980
12.	Shri O. P. Gupta	21-1-1980
13.	Shri A. Gupta	21-1-1980
14.	Shri B. Madhavan Nair	21-1-1980
15.	Shri R. N. Mukherjee	21-1-1980
16.	Shri V. Sadashivan	21-1-1980
17.	Shri P. Raghava Rao	24-1-1980
18.	Shri G. Rama Rao	21-1-1980
19.	Shri S. J. Bhattacharya	21-1-1980
20.	Shri S. Ananthanarayanan	21-1-1980
21.	Shri H.R. Malhotra	21-1-1980
22.	Shri K. K. Zutshi	21-1-1980
23.	Shri C.R. Sampathkumaran	21-1-1980
24.	Shri S.R. Balasubramaniam	21-1-1980
25.	Shri V. Gurunath Rao	21-1-1980
26.	Shri K. Thanikachalam	21-1-1980
27.	Shri G.P. Mangal	21-1-1980
28.	Shri A.C. Khanna	21-1-1980
29.	Shri B.N. Gupta	21-1-1980
30.	Shri R.C. Gupta	21-1-1980
31.	Shri M. L. Vadehra	21-1-1980
32.	Shri V.J. Pagare	21-1-1980
33.	Shri Baboo Ram	1-2-1980
34.	Shri P. B. Das	28-1-1980
35.	Shri M.N. Jatav	21-1-1980
36.	Shri Barunansu Roy	21-1-1980
37.	Shri Mathura Singh	1-2-1980
38.	Shri Ram Chander	21-1-1980
39.	Shri M.B. Sarkar	25-1-1980
40.	Shri K.K.K. Kutty	24-1-1980
41.	Shri D.N. Sardar	21-1-1980
42.	Shri A.B. Sarkar	21-1-1980
43.	Shri N.C. Biswas	21-1-1980
44.	Shri Surender Kumar	21-1-1980
45.	Shri P. C. Mandal	21-1-1980

No. A32013 (ii)/4/79-E.I.—The President has been pleased to appoint the undermentioned Meteorologists Grade II and Assistant Meteorologists, India Meteorological Department, to officiate as Meteorologist Grade I, in the same department, with effect from the dates indicated against their names and until further orders :—

Meteorologists Grade II

1	2	3
1.	Shri Manoranjan Das	31-12-1979
2.	Shri Dhanna Singh	31-12-1979
3.	Shri G.S. Ganesan	31-12-1979
4.	Shri J.C. Mandal	31-12-1979
5.	Shri M.S. Rajagopalan	21-1-1980
6.	Shri K. B. Punniyah	29-12-1979
7.	Shri A.M. Sud	31-12-1979
8.	Shri B. Biswas	31-12-1979
9.	Shri Sujit Kumar Saha	31-12-1979
10.	Shri R.N. Goldar	31-12-1979

Assistant Meteorologists

1.	Shri G. Sovu	31-12-1979
2.	Shri M.C. Prasad	31-12-1979
3.	Shri O. P. Agarwal	29-12-1979
4.	Shri G.S. Iyer	31-12-1979
5.	Shri R. K. Verma	31-12-1979
6.	Shri V. Venkatachalam	31-12-1979
7.	Shri P. K. Jain	31-12-1979
8.	Shri K.S. Sankaran	7-1-1980

1	2	3
9.	Shri S. Sen Gupta	31-12-1979
10.	Shri Bagrawat Singh	31-12-1979
11.	Shri G.B. Singh	31-12-1979
12.	Shri K. Mukherjee	31-12-1979
13.	Shri Joginder Singh	31-12-1979
14.	Shri D.K. Gupta	31-12-1979
15.	Shri H. J. Asthana	31-12-1979
16.	Shri B.K. Chawla	31-12-1979
17.	Shri P. Bhattacharya	9-1-1980
18.	Shri T.R. Srinivasan	31-12-1979
19.	Shri V. K. Bhalla	31-12-1979

S. K. DAS
Dy. Director General of Meteorology
(Administration & Stores)
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 28th February 1980

No. A. 32014/2/79-EW.—The Director General of Civil Aviation is pleased to sanction the continued ad-hoc appointment of Shri Sandeep Kalra to the post of Assistant Project Officer in the Civil Aviation Department, for a further period of six months with effect from 1st March, 1980.

V. V. JOHRI,
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 6th March 1980

No. A.32013/5/78-EC.—In continuation of this Deptt. Notification No. A. 32013/5/78-EC, dated 14-11-79, the President is pleased to sanction the continuance of ad-hoc appointment of Shri R. P. Sharma, as Deputy Director of Communication in the Civil Aviation Depatt., beyond 12-10-79 and upto 31-12-79.

The 10th March 1980

No. A. 32014/2/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri V. R. Chhabra, Communication Assistant, Aero Comm. Station, New Delhi to the grade of Assistant Communication Officer on ad-hoc basis with effect from 14-2-80 (FN) vice Shri S. S. Gill, Assistant Communication Officer, Aero. Comm. Station, New Delhi deputed for Hindi Training with effect from 16-1-80 to 15-3-80 and to post him at the same station.

N. A. P. SWAMY,
Assistant Director of Administration,
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 27th February 1980

No. A. 32014/1/80EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Aerodrome Assistants to the grade of Asstt. Aerodrome Officer, on purely ad-hoc basis, for a period of one year with effect from the date mentioned against each or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier. They are posted at the Civil Aviation Training Centre, Bamrauli (Allahabad).

S. No. Name and Date

1. Shri Harbans Lal—28-1-80.
2. Shri Trilok Singh—29-1-80.
3. Shri C. B. Kalgeri—29-1-80.
4. Shri M. C. Bhattacharya—30-1-80.
5. Shri J. D. Malik—28-1-80.
6. Shri R. L. Majumdar—29-1-80.
7. Shri P. K. Banerjee—28-1-80.
8. Shri S. D. Bhowmik—28-1-80.
9. Shri M. K. Bardhan—28-1-80.
10. Shri S. D. Duggal—28-1-80.
11. Shri Arjun Singh—28-1-80.
12. Shri G. R. Bains—28-1-80.

The 5th March 1980

No. A31014/1/79EA—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Asstt. Aerodrome Officers, substantively to the grade of Assistant Aerodrome Officer in the Air Routes Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department, with effect from the 1st March, 1980.

S. No.	Name	Station of present posting.
1.	Shri Sarup Singh	Palam, New Delhi.
2.	Shri B.N. Jaisimha	Bombay, Airport.
3.	Shri P.S. Narayanan	Madras.
4.	Shri Surinder Singh	Bombay, Airport
5.	Shri Parvin Ohri	Lucknow.
6.	Shri A. Saha	Agartala.
7.	Shri J.S. Sethi	Bombay, Airport.
8.	Shri Pawan Bakshi	Palam, New Delhi.
9.	Shri Ranjit Kumar	Varanasi.
10.	Shri N. G. Gidwani	Palam.
11.	Shri R.S. Jaswal	Bombay Airport.
12.	Shri A. K. Lakhya	Ranchi.
13.	Shri D. P. Majumdar	Dum Dum
14.	Shri C. P. Purushothaman	Madras Airport.
15.	Shri K.S. Aujla	Madras Airport.
16.	Shri O. P. Bhatnagar	Palam.
17.	Shri K. Subramanian	Madras Airport.
18.	Shri V.S. Mulkar	Goa (Debolin)
19.	Shri B. N. Prasad	Bombay Airport.
20.	Shri S. Basu Mallick	Dum Dum
21.	Shri S. K. Saha	North Lakhimpur
22.	Shri V.K. Joshi	Bombay Airport.
23.	Shri G.S. Rajamani	Madras Airport.
24.	Shri B. Shah	Bombay Airport.
25.	Shri S.S. Parathe	Bombay Airport (Offg. as Aerodrome Officer)
26.	Shri G.K. Verma	Palam.
27.	Shri K.M. Haridas	Bombay Airport.
28.	Shri Abdes Prasad	Agartala.
29.	Shri Ishwari Prasad	Palam.
30.	Shri A.K. Sircar	Dum Dum.
31.	Shri Sri Krishan	Dum Dum (Offg. as Aerodrome Officer)
32.	Shri D.K. Guha	Jamshedpur.
33.	Shri Param Hans Singh	Gauhati.
34.	Shri V. K. Singh	Lucknow.
35.	Shri N. V. Dhanapal	Madras Airport.
36.	Shri K.B. P.N. Singh	Gauhati.
37.	Shri M.M. Singh	Dum Dum
38.	Shri S. K. Seengal	Bombay Airport.
39.	Shri D.R. Malik	Jaipur.
40.	Shri Ashok Rajah	Palam.
41.	Shri Shiv Raj Singh	Palam.
42.	Shri B.R. Devi Reddy	Madras Airport.
43.	Shri S. M. Kaushal	Bombay Airport.
44.	Shri Yudhistira Aggrawal	Palam.
45.	Shri G.L. Kantam	Bombay Airport.
46.	Shri P.N. Tewari	Dum Dum.
47.	Shri P. Joshi	Kumbhigram.
48.	Shri C. P. Vardharajan	Madurai.
49.	Shri A. K. Rao	Madras Airport.
50.	Shri P.P.G. Nair	Visakhapatnam.
51.	Shri A.N. Vishwanatha	Dum Dum.
52.	Shri S.S. Sathe	Poona.
53.	Shri P. L. Saxena	Dum Dum
54.	Shri M. K. Banerjee	RD office, Dum Dum

S. No.	Name	Station of present posting.
55.	Shri R. C. Biala	On deputation to Rajasthan Govt. at Flying Club, Jaipur.
56.	Shri Gopal Mehta.	Bagdogra.
57.	Shri M. Govindarajan.	Tiruchirappalli.
58.	Shri L. P. Menzes.	Bombay Airport.
59.	Shri Mihir Karmarkar.	Dum Dum.
60.	Shri S.S. Verma.	On deputation to the Govt. of Libya Bengazi.
61.	Shri N. K. Awal.	Madras Airport.
62.	Shri K. Venkataraman.	Madras Airport.
63.	Shri Sotanter Lal.	Juhu (Bombay)
64.	Shri J. P. Mathur.	Bombay Airport.
65.	Shri R. Zalpuri.	Palam.
66.	Shri S.K. Sen.	Dum Dum.
67.	Shri P. Sanyal	Dum Dum.
68.	Shri Rakesh Verma.	Palam.
69.	Shri K. K. N. Pillai.	Cochin.
70.	Shri Kamal Prasher.	Palam.
71.	Shri S. Ibrahim.	Madras Airport.
72.	Shri K. Bagchi.	Safdarjung
73.	Shri A.B. Dutta.	Dum Dum
74.	Shri Asha Ram.	Port Blair (Offg., as Aerodrome Officer)
75.	Shri William Minz.	Gaya (Offg. as Aerodrome Officer)
76.	Shri Puran Chand.	Bombay Airport.

V. V. JOHRI
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 10th March 1980

No. A. 32014/4/79-EC.—The Director General of Civil Aviation pleased to appoint the following two Communication Assistant to the grade of Asstt. Communication Officer on *ad-hoc* basis with effect from the date and station indicated against each:—

S. No.	Name	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1.	Shri R.S. Iyer	ACS, Trivandrum	ACS, Calcutta (FN)	31-12-79
2.	Shri K.P.P. Menon	ACS, Trivandrum	ACS, Madras (FN)	27-12-79

No. A.38012/1/79-EC.—Shri A. C. Bose, Asstt., Communication Officer C.A.T.C., Allahabad relinquished charge of his office on the 31-12-79(AN), on retirement from Government service, on attaining the age of superannuation.

No. A. 38013/1/80-EC.—The undermentioned three officers of the Aeronautical Communication Organisation relinquished charge of their officer 31-1-80.(AN) on retirement on attaining the age of superannuation.

S. No.	Name & Designation	Station	Date of retirement
1.	Shri G.N. Nair, Asstt. Technical Officer	ACS, Trivandrum	31-1-80 (AN)
2.	Shri V. Ramanathan, Asstt. Technical Officer	Director Radio Constr. & Dev. Units, New Delhi	31-1-80 (AN)
3.	Shri J. Isaiah, Asstt. Communication Officer.	ACS, Madras	31-1-80 (AN)

N. A. P. SWAMY
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 3rd March 1980

No. 1/19/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri V. S. Rama Rao, Technical Assistant, Poona Branch as Assistant Engineer in an officiating capacity, in the Bombay Branch, with effect from the forenoon of the 10th January, 1980 and until further orders, on a regular basis

P. K. G. NAYAR, Dir. (Admn.)
for Director General

CENTRAL EXCISE BARODA

Baroda, the 7th March 1980

No. 2/1980.—Shri M. B. Dave, Superintendent of Central Excise, Group 'B' working under Dy. Collector Central Excise, Ahmedabad has been permitted to proceed on voluntary retirement with effect from 29.2.1980 A.N. as he had more than 20 years qualifying service.

J. M. VERMA,
Collector of Central Excise

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT,

CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 4th March 1980

No. 3/80.—Shri Durga Prasad, relinquished charge of the post of Inspecting Officer Group 'A' in the Headquarters office of the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise at New Delhi on 13-2-80 (AN) and assumed charge of the post of Inspecting Officer Group 'A' in the North Regional Unit of the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise at Ghazlabad on 14.2.80 (Forenoon).

K. L. REKHI
Director Of Inspection

CHITTARANJAN LOCOMOTIVE WORKS

Chittaranjan, the 6th March 1980

No. GMA/GS/8(Admn).—The following officiating Class-II Officers who are at present officiating Sr. Scale on Southern Railway and holding Ien in Class-II on this Administration, are confirmed as Asstt. Welfare Officer in Class-II scale in the cadre of Personnel Deptt. of Chittaranjan Locomotive Works, with effect from the dates shown against each:—

Name of the Officer	Period for which confirmed	Date from which confirmed
Shri M. P. Chellappan, From 11.7.73(FN) to 5.6.78(AN).	—	—
„ A. K. Mukherjee	—	6.6.78 (FN).

K. RAMAN,
General Manager

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 6th March 1980

No. A-19012/755/79-Adm.V.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Ullas Tikekar, as Assistant Engineer in the Ganga Basin Water Resources Organisation in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in an officiating capacity with effect from the forenoon of 20th March, 1979 until further orders.

2. Shri Ullas Tikekar will be on probation for a period of 2 years in the post of Assistant Engineer with effect from 20-3-1979.

The 7th March 1980

No. A-19012/724/78-Adm-V.—The Chairman Central Water Commission hereby appoints on promotion Shri M. P. S. Bir. Supervisor to the grade of Assistant Engineer in the

Central Water Commission in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and ad-hoc basis with effect from the afternoon of 24th June, 1978 till the post is filed on regular basis, whichever is earlier.

The 10th March 1980

No. F.No.A-19012/778/79-Adm.V.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Megh Chand Meena as Assistant Research Officer (Scientific-Physics) in the Central Water Commission, New Delhi in an officiating capacity on an initial pay of Rs.650/- (Rupees Six hundred and fifty) in the pay scale of Rs.650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 26th February, 1980 until further orders.

Shri Megh Chand Meena will be on probation for a period of two years in the post of Assistant Research Officer (Scientific-Physics) with effect from 26-2-1980.

J. K. SAHA, Under Secy.

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110 022, the 7th February 1980

No. 2/152/70-Adm.I.B.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri Rohitash Singh, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) service in an officiating capacity with effect from 20-6-79 until further orders.

S. R. KHITHA, Under Secy.

**MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
DEPTT. OF COMPANY AFFAIRS
(COMPANY LAW BOARD)**

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES
"In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bowden Carpet Company Private Limited In Liquidation"

Kanpur, the 6th March 1980

No. 2290/1417/L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (4) of Section 360 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of the Bowden Carpet Co. Pvt. Ltd. (In Liquidation) unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O. P. CHADHA
Registrar of Companies, U.P.
Kanpur

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Aryan Chit Fund and Finance Private Limited.

Jullundur, the 7th March 1980

No. G/Stat/560/2803/1953.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Aryan Chit Fund and Finance private limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

N. N. MAULIK
Registrar of Companies
Punjab, H.P. & Chandigarh.

FORM ITNS—

(1) M/s DLF United Limited, 21-22, Narindra Place,
Parliament Street, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 1st March 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/3-80-994.J Whereas I, G. C. AGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 111 (1st Floor) 'DLF House' situated at 40-F, Connaught Place New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Master Anshul Singal (minor) under guardianship of his father Sh. Anand Prakash Singal & Master Vinay K. Singal (Minor) under guardianship of his father Sh. Om Prakash Singal R/o K-39, Hauz Khas Enclave New Delhi-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion No. 111 (1st Floor) 'DLF House' F-40, Connaught Place New Delhi, area 931.41 sq. ft.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
22—516GI/79

Date : 1-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 1st March 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/3-80/995.—Whereas I, G. C. AGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land Mg. 15 bighas 12 biswas situated at Village Gadaipur New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Shakuntla Verma W/o Sh. Manohar Singh Verma R/o B-14, Vishal Colony, Najafgarh Road New Delhi through general attorney Sh. Prabhu Lal Dhabhai S/o Sh. Jhunta Lal R/o B-14, Vishal Colony New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Ashi Yanki Lahmo W/o late Sh. J. D. Wangchuck R/o B-5, Greater Kailash-I, New Delhi through general attorney Shri S. Tenzing.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land area 15 bighas and 12 biswas, khasra Nos. 397/1 (3-5), 397/2(0-3), 398(3-12), 399(4-16), 400/2(3-16) with boundary wall tubewells (two), farm house, situated in village Gadaipur, New Delhi.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-3-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 6th March 1980

No. IAC/ACQ-I/SR-IV/6-79/1053.—Whereas I. G. C. AGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/359 part of plot No. 32 situated at Friends Colony, G.T. Road, Jhilmil Tahirpur, Shahdara, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 2-6-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shrimati Kamla Verma wd/o Shri B. N. Verma 2. Shri Surinder Nath Verma & Shri Rajendra Nath Verma sons of Late Shri B. N. Verma, resident of 422 G. T. Road, Shahdara, Delhi.
(Transferors)

(2) Shri Harnam Singh Anand son of Shri Amir Singh Anand resident of D-58 Phase I, Ashok Vihar, Delhi-52 Shri Sunder Singh Anand son of Shri Amir Singh Anand resident of G-101L, TG. Flats Phase-III, Ashok Vihar Delhi-52 (3) Shri Ajit Singh son of Shri Amir Singh resident of J-165, Phase-I, Ashok Vihar Delhi-52.
(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1/359 part of plot No. 32, Khasra No. 1171/320, measuring 375 Sq. Yds. situated in Friends Colony, G.T. Road, Jhilmil Tahirpur, Shahdara, Delhi more specifically described in the instrument of transfer deed registered on 2-6-1979.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 6-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Guru Devi W/o Shri Suraj Parkash Rampal, R/o 596/H-6/9, Nehru Gali, Gandhi Nagar, Delhi. (Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Kunti Lungu W/o Shri Som Nath Guru, R/o 1543 Gali Arya Smaj, Bazar Sita Ram, Delhi-6. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 6th March 1980

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-IV/6-79/1075.—Whereas I, G. C. AGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 122/15-A, at plot No. 44 situated at Shankar Nagar, Ghondli, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 22-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by **more than fifteen per cent of such apparent consideration** and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 122/15-A, at Plot No. 44, Khasra No. 156, situated in Shankar Nagar, Ghondli, Delhi measuring 100 Sq. Yds. more specifically described in the instrument of transfer deed registered on 22-6-1979.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 6-3-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Abnash Singh S/o S. Amar Singh R/o, 6/23, West Patel Nagar, New Delhi, as Regd. General attorney of Sh. S. C. Nanda S/o Shri Har Narain Nanda R/o R-32, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Singh S/o S. Amar Singh R/o 6/23, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 6th March 1980

No. IAC/ACQ-I/SR-III/6-79/1472.—Whereas I, G. C. AGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Qr. No. F-255, situated at New Rajinder Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 1-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Govt. Built Qr. No. F-255, New Rajinder Nagar, New Delhi measuring 125 Sq. Yds. more specifically described in the instrument of transfer deed registered on 1-6-1979.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) DLF BUILDERS, 21-20, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Perfection Silk & Saree Kendra A-6, Coop Block, N.D.S.C, Part-I, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 7th March 1980

No. IAC/Acq.I/SR-III/6-79/243.—Whereas I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 3 (G.F.) situated at Commercial Complex Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One Shop No. 3, Area 557.47, situated at Commercial Complex Greater Kailash-II, New Delhi.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/S. Om Parkash Baldev Krishan Resident of
B-C/6 Western Extension Area, Karol Bagh, New
Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sisters of Charity, 21, Ring Road, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/6-79/207.—Whereas I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21, situated at Ring Road, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 6-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Banglow No. 21, Ring Road, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer deed registered on 6-6-1979.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-3-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Phool Wati mother of Dhir Singh W/o Late Chandgi Ram R/o Village Bijwasan New Delhi.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX**
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th March 1980

No. IAC/Acq-I/SR-III/6-79/166.—Whereas I, G. C. AGARWAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural Land situated at Village Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 15-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 28 Bighas & 16 Biswas. Khasra Nos. 67/16, 67/25, 43/6, 43/7, 43/14, 43/15, Village Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer deed registered on 15-6-1979.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-J,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Rajo W/o Shri Shish Ram R/o Village
Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Inder Lal Suri S/o Late Dayal Mal Suri & Vinod Kumar Suri S/o Shri Inder Lal Suri, R/o E-248, Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002
New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/6-79/170.—Whereas I, G. C. AGARWAL, being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural Land situated at Village Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 14 Bighas & 8 Biswas situated at Village Mehrauli, Tehsil Mehrauli more specifically described in the instrument of transfer deed registered on 30-6-1979.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—516GI/79.

Date : 10-3-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,**

4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/6-188.—Whereas I, G. C. AGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural Land situated at Village Shaurpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on 12-6-1979. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kailash Chand S/o Shri Bhola Nath R/o Village Mehrauli & Sh. Prem Chand Gupta as Guardian & on behalf of his son Rajiv Gupta New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Laxman Dass S/o Shri Faqir Chand Luthra & Mrs. Lajwanti W/o Laxman Dass resident of 4, Mohan Ashish, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 8 Bighas situated at Village Shaurpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer deed registered on 12-6-1979.

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mohinder Pal Khanna s/o Lt. Ram Sahai Khanna, B/31-B, Kailash Colony, New Delhi.
(Transferor)

(2) M/s Amrit Estate (P) A-3, Kailash Colony, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq./SR-III/6-79/222.—Whereas I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B/31-B, situated at Kailash Colony, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from a service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Single Storey House built on Plot No. B/31-B, measuring 634 sq. yds in Kailash Colony, New Delhi.

G. C. AGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1980

Seal :

FORM ITNS —————

(1) DLF BUILDERS, 21-22, Narindra Place Parliament Street, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Vanson Shoas, Swastik House Andhra Bank Building (Near Roopak Store), Ajmal Khan Road, Karol Bagh New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-79/245.—Whereas I, G. C. AGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 13, 14 & 15, situated at commercial Complex Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

One Shop No. 13, 14 & 15 Area 1013.29 sq. ft. situated at Ground floor, Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi-110048.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) DLF BUILDERS, 21-22, Narindra Place, Parliament Street New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Jamiat Singh s/o S. Jiwant Singh D-11, N.D.S.E., Part-II, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-79/244.—Whereas I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 10 & 11 (G.F.) situated at Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi, on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One Shop No. 10 & 11, Area 1125.20 sq. ft. situated at Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi.

G. C. AGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. Amrik Singh Walia s/o Sh. S. Mela Singh
Walia 44/I Regal Building, Circus, New Delhi.
(Transferor)

(2) Mrs. Suman Mahajan w/o Sh. Keshav Chander
Mahajan C-43 Defence Colony, New Delhi.
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002
New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-79/218.—Whereas I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-160 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One Vacant plot No. M-160 mg. 400 sq. yds. situated in Greater Kailash-II New Delhi,

G. C. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jagdish Chand s/o Shri Mulk Raj Mago, r/o R-244, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE-I.**

4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq./SR-III/6-79/217.—Whereas I, G. C. AGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-103 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Devinder Mohini Khanna, w/o Sh. Prem Sarup Khanna, r/o C-4/140 Safdarjang Development Area, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. M-103, Mg. 300 sq. yds. situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

G. C. AGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-3-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Pushpa Wanti
r/o R-63, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Ashak Rakhoja
r/o R-63, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I.

4/14A, ASAFAI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-79/214.—Whereas, I,
G. C. AGARWAL
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R-63 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One 2½ Storeyed House No. 63, mg. 8200 sq. ft. situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Pushpa Wanti
r/o R-63, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jagdish Chand Rakhiya
r/o R-63, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-IIT/6-79/215.—Whereas, I, G. C. AGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R-63 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One 2½ Storeyed House No. R-63, mg. 3200 sq. ft. situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—516GI/79

Date : 10-3-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I.
4/14A, ASAFAI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/6-79/213.—Whereas, I,
G. C. AGARWAL
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-572 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Ishwar Chand Gupta
s/o L. Sh. Ram Chander Gupta,
r/o A-11, Greater Kailash Enclave-II,
New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. S/Sbri Prem Narain Mehra
2. Pradeep Narain Mehra
3. Mrs. Kiram Mehra,
2/6, Ansari Rd. Daryaganj,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-572, Measuring 550 Sq. Yds. in Greater Kailash-II, New Delhi.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-3-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/6-79/212.—Whereas, I, G. C. AGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-217 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 1979 **for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Yogender Pal Aggarwal,
r/o 3936, Gali Kasera Wali,
Paharganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vijny Krishan Mehta & Mrs. Veena Mehta
r/o A-88, New Delhi South Extension,
Part-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1½ Storeyed house bearing No. S-217, Greater Kailash-II, New Delhi-110048, measuring 250 Sq. mts. (3000 sq. yds.)

G. C. AGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date : 10-3-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.J/SR-III/6-79/204.—Whereas, I, G. C. AGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-158 situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 14-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Gian Devi Pargal,
w/o Late Shri M. R. Pargal
r/o Ludhiana. (Punjab)
(Transferor)
- (2) 1. Dr. H. K. Pargal,
s/o Late Shri M. R. Pargal
r/o 74M Sunder Nagar, New Delhi
2. Dr. (Mrs.) Pritoo Parga,
w/o Dr. H. K. Pargal
r/o No. 74, Sunder Nagar,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used, herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. C-158, Defence Colony, New Delhi, Area 325 Sq. Yds. more specifically described in the instrument of transfer registered on 14th June, 1979.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 11th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III 6-79/191.—Whereas, I, G. C. AGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural Land situated at Village Tughlakabad, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 23-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or—

(1) M/s. Banarsi Dass Chadha & Bros.
D-16, Lajpat Nagar, New Delhi,
through its Partners Shri Banarsi Dass Chadha,
Shri Dharmpal Chadha, Shri Sudhir Chadha &
Shri Pradeep Chadha.

(Transferor)

(2) Adarsh Farms,
8/27, East Patel Nagar, New Delhi,
through its partner Sh. Kailash Berry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 16 Biswas & 3 Biswas situated at Tughlakabad, Tehsil Mehrauli, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer deed registered on 23-6-1979.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (1) M/s. Banarsi Dass Chadha & Bros.
D-18, Lajpat Nagar, New Delhi,
through its Partners Shri Banarsi Dass Chadha,
Shri Dharumpal Chadha, Shri Sudhir Chadha &
Shri Pradeep Chadha.

(Transferor)

- (2) Adarsh Farms,
8/27, East Patel Nagar, New Delhi,
through its partner Sh. Kailash Berry.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 11th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-79/189.—Whereas, I,
G. C. AGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Agricultural Land situated at Village Tughlakabad, Tehsil
Mehrauli, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 20-6-1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 16 Bighas & 16 Biswas
situated at village Tughlakabad, Tehsil Mehrauli, New Delhi
more specifically described in the instrument of transfer
deed registered on 20-6-1979.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 11-3-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Banarsi Dass Chadha & Bros.
D-18, Lajpat Nagar, New Delhi,
through its Partners Shri Banarsi Dass Chadha,
Shri Dharampal Chadha, Shri Sudhir Chadha and
Shri Pradeep Chadha.

(Transferor)

(2) Adarsh Farms.
8/27, East Patel Nagar, New Delhi,
through its partner Sh. Kailash Berry.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I.
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 11th March 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/6-79/195. —Whereas, I,
G. C. AGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural Land situated at Village Tughlakabad, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 15 Bighas & 15 Biswas situated at Village Tughlakabad, Tehsil Mehrauli, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer deed registered on 30-6-1979.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 11-3-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,**

4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 11th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-79/194.—Whereas, I,
G. C. AGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural Land situated at Village Tughlakabad, Tehsil Mehrauli, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 27-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Banarsi Dass Chadha & Bros.
D-18, Lajpat Nagar, New Delhi,
through its Partners Shri Banarsi Dass Chadha,
Shri Dharampal Chadha, Shri Sudhir Chadha and
Shri Pradeep Chadha.

(Transferor)

(2) Adarsh Farms,
8/27, East Patel Nagar, New Delhi.
through its partner Sh. Kailash Berry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 14 Bighas & 18 Biswas alongwith Tube-well situated at Village Tugulakabad, Tehsil Mehrauli, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer deed registered on 27-6-1979.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 11-3-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Jiwan Bai
Wo Som Nath Sharma
R/o B-4, Krishan Nagar Delhi-51.

(Transferor)

(2) Shri Kanwar Sain Jain
S/o Shri Sulhar Mal Jain,
R/o 113, New Lahore, Shastri Nagar, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-79/1073.—Whereas, I, G. C. AGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-4 situated at Krishan Nagar Delhi-51 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. B-4, area 117-3/5 sq. yds, Khasra No. 584/528, village Gondli abadi Krishan Nagar, New Delhi.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-3-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 12th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-79/1516.—Whereas, I, G. C. AGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-2/16, situated at Safdarjang Development Scheme New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

New Delhi on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kamla Prova Sur
W/o Shri Mriganka Mohan Sur,
R/o 163, Lower Circular Road, Calcutta.
(Transferor)

(2) Shri Subhash C. Gautam
S/o Shri Amar Nath Gautam
R/o F-8, Green Park Main New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDELE

Property No. B-2/16, Safdarjang Development Scheme New Delhi area 486 sq. yds. (2½ storeyed building).

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-3-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Jiwan Bai
Wo Som Nath Sharma
R/o B-4, Krishan Nagar Delhi-51.
(Transferor)
- (2) Shri Kanwar Sain Jain
S/o Shri Sulhar Mal Jain,
R/o 113, New Lahore, Shastri Nagar, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 12th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-79/1073.—Whereas, I, G. C. AGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-4 situated at Krishan Nagar Delhi-51 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. B-4, area 117-3/5 sq. yds, Khasra No. 584/528, village Gondli abadi Krishan Nagar, New Delhi.

G. C. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-3-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th March 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-79/1516.—Whereas, I, G. C. AGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-2/16, situated at Safdarjung Development Scheme New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer New Delhi on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kamla Prova Sur
 W/o Shri Mriganka Mohan Sur,
 R/o 163, Lower Circular Road, Calcutta.
 (Transferor)

(2) Shri Subhash C. Gautam
 S/o Shri Amar Nath Gautam
 R/o F-8, Green Park Main New Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-2/16, Safdarjung Development Scheme New Delhi area 486 sq. yds. (2½ storeyed building).

G. C. AGARWAL,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I,
 Delhi/New Delhi.

Date : 12-3-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 8th February 1980

Ref. No. III-371/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Holding No. 281, Plot No. 90 Portion of Holding No. 25, S. Plot No. 2450, M. Holding No. 712, Ward No. VI IB etc. situated at Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 20-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Amal Kumar Banerjee,
S/o Late Mahendra Narayan Banerjee,
R/o 84A, Rajaballav Street,
Shyampur, Calcutta.
(Transferor)
- (2) 1. S/Shri Sajjan Kumar, Agarwal
2. Santosh Kumar Agarwal
3. Mahendra Kumar Agarwal &
4. Jitendra Kumar Agarwal
R/o Kanta Toli Chawk, Ranchi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

12 Kathas 1 Chataks 3 Sq. ft. land in Holding No. 281, Khas Mahal, Plot No. 90, Portion of Holding No. 25, S. Plot No. 2450, Portion of Municipal Holding No. 712 Ward No. VIIIB, Previously 463 in Ward No. VII old 40 & 41 in Ward I, Ranchi more fully described in deed No. 5706 dt. 20-6-79, registered with D.S.R. Ranchi.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX**

ACQUISITION RANGE,

BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 13th February 1980

Ref. No. III-374/Acq/79-80.—Whereas, I. J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Taouzi No. 9, Khata No. 2, Plot No. 237 (Part) Thana No. 10, Khewat No. 1 etc. situated at Bahadurpur, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna City on 21-6-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Bihar Cable Company, Kankarbagh Road, Police Station Sultanganj, District, Patna through the partners, namely :—
 - (i) Sri Madan Lal Bishnoi, S/o Late Shri Hari Dutta Bishnoi, R/o Boring Canal Road, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bishnoi, by profession business.
 - (ii) Dr. Shanti Lal Bishnoi, S/o Late Shri Hari Dutta Bishnoi, R/o Boring Canal Road, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bishnoi, by profession business.

(iii) Smt. Suresh Kumar Bishnoi, W/o Sri Ratan Lal Bishnoi, R/o Shri Krishnapuri, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bishnoi, by profession business.

(iv) Shri Anjani Kumar Bishnoi, S/o Sri Madan Lal Bishnoi, R/o Boring Canal Road, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bishnoi, by profession business.

(v) Sri Uday Bishnoi, S/o Shri Ratan Lal Bishnoi, R/o Shri Krishnapuri, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bishnoi, by profession business.

(vi) Shri Devendra Kumar Singh, S/o Shri Rajendra Kumar Singh, R/o Boring Canal Road, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bishnoi, by profession business.

(vii) Shri Jogendra Kumar Singh, S/o Shri Rajendra Kumar Singh, R/o Baradari, Police Station Kotwali, District Muradabad, Police Station Kotwali, District Muradabad (UP) both by caste Bishnoi, by profession business, representing themselves through their lawful Attorney, Shri Ratan Lal Bishnoi, S/o Late Shri Hari Dutta Bishnoi, R/o Shri Krishnapuri, Police Station Kotwali, District, Patna.

(Transferor)

- (2) Shrimati Lakshmi Devi Sharaf, W/o Shri Hari Prasad Sharaf, Advocate, R/o Exhibition Road, P.S. Wotwali, District Patna

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10 Kathas land at Bahadurpur alongwith boundry walls and one room and a well bearing auzi No. 9, Khata No. 2, Plot No. 237 (Part) Thana No. 10 Khewat No. 1 etc. more fully described in deed No. 2646 dated 21-6-79 registered with the Sub-Registrar, Patna City.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 13-2-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 8th February 1980

Ref. No. III-371/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Holding No. 281, Plot No. 90 Portion of Holding No. 25, S. Plot No. 2450, M. Holding No. 712, Ward No. VI IB etc. situated at Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 20-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Amal Kumar Banerjee,
S/o Late Mahendra Narayan Banerjee
R/o 84A, Rajaballav Street,
Shyampur, Calcutta.

(Transferor)

(2) 1. S/Shri Sajan Kumar, Agarwal
2. Santosh Kumar Agarwal
3. Mahendra Kumar Agarwal &
4. Jitendra Kumar Agarwal
R/o Kunta Toli Chawk, Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

12 Kathas 1 Chataks 3 Sq. ft. land in Holding No. 281, Khas Mahal, Plot No. 90, Portion of Holding No. 25, S. Plot No. 2450, Portion of Municipal Holding No. 712 Ward No. VIIIB, Previously 463 in Ward No. VII old 40 & 41 in Ward I, Ranchi more fully described in deed No. 5706 dt. 20-6-79, registered with D.S.R. Ranchi.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 8-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,

BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 13th February 1980

Ref. No. III-374/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Taouzi No. 9, Kahata No. 2, Plot No. 237 (Part) Thana No. 10, Khewat No. 1 etc. situated at Bahadurpur, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna City on 21-6-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Bihar Cable Company, Kankarbagh Road, Police Station Sultanganj, District, Patna through the partners, namely :—
 - (i) Sri Madan Lal Bishnoi, S/o Late Shri Hari Dutta Bishnoi, R/o Boring Canal Road, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bishnoi, by profession business.
 - (ii) Dr. Shanti Lal Bishnoi, S/o Late Shri Hari Dutta Bishnoi, R/o Boring Canal Road, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bishnoi, by profession business.

(iii) Smt. Suresh Kumari Bishnoi, W/o Sri Ratan Lal Bishnoi, R/o Shri Krishnapuri, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bishnoi, by profession business.

(iv) Shri Anjani Kumar Bishnoi, S/o Sri Madan Lal Bishnoi, R/o Boring Canal Road, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bishnoi, by profession business.

(v) Sri Uday Bishnoi, S/o Shri Ratan Lal Bishnoi, R/o Shri Krishnapuri, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bishnoi, by profession business.

(vi) Shri Devendra Kumar Singh, S/o Shri Rajendra Kumar Singh, R/o Boring Canal Road, Police Station Kotwali, District Patna by caste Bishnoi, by profession business.

(vii) Shri Jogendra Kumar Singh, S/o Shri Rajendra Kumar Singh, R/o Baradari, Police Station Kotwali, District Muradabad, Police Station Kotwali, District Muradabad (UP) both by caste Bishnoi, by profession business, representing themselves through their lawful Attorney, Shri Ratan Lal Bishnoi, S/o Late Shri Hari Dutta Bishnoi, R/o Shri Krishnapuri, Police Station Kotwali, District, Patna.

(Transferor)

(2) Shrimati Lakshmi Devi Sharaf, W/o Shri Hari Prasad Sharaf, Advocate, R/o Exhibition Road, P.S. Wotwali, District Patna

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10 Kathas land at Bahadurpur alongwith boundry walls and one room and a well bearing auzi No. 9, Khata No. 2, Plot No. 237 (Part) Thana No. 10 Khewat No. 1 etc. more fully described in deed No. 2646 dated 21-6-79 registered with the Sub-Registrar, Patna City.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 13-2-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 8th February 1980

Ref. No. III-373/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Touzi No. 438, Thana-4, Khata No. 97, Plot 605 etc situated Kazipur, Kadamkuan, Patna (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 27-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shrimati Rudra Rani Devi,
W/o Late Babu Dhanushdhari Prasad, Advocate,
R/o Kadamkuan, P.O. Block New Area, Patna-3.
(Transferor)

(2) Shrimati Kalawati Devi,
W/o Shri Dwarika Prasad,
R/o Kadamkuan, P.O. Kadamkuan, Patna-3.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 1 Kathas 7 Dhurs 8 Dhurki with double storeyed building at Kazipur, Kadamkuan, Patna-3, more fully described in deed No. 4107 dated 27-6-1979 registered with D.S.R. Patna.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD, PATNA-800001****Patna-800001, the 13th February 1980**

Ref. No. III-375/Acq./79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Tauzi No. 9, Khata No. 2, Plot No. 237 (Part) Thana No. 10 Khewat No. 1 situated at Bahadurpur, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna City on 26-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Bihar Cable Company, Kankarbagh Road, Police Station Sultanganj, District, Patna through the partners, namely :—
 - (i) Sri Madan Lal Bishnoi,
S/o Late Shri Hari Dutta Bishnoi,
R/o Boring Canal Road,
Police Station Kotwali, District Patna
by caste Bisanoi, by profession business.
 - (ii) Dr. Shanti Lal Bishnoi,
S/o Late Shri Hari Dutta Bishnoi,
R/o Boring Canal Road,
Police Station Kotwali, District Patna
by caste Bisanoi, by profession business.

- (iii) Smt. Suresh Kumari Bishnoi,
W/o Sri Ratan Lal Bishnoi,
R/o Boring Canal Road,
Police Station Kotwali, District Patna
by caste Bishnoi, by profession business.
- (iv) Shri Anjani Kumar Bishnoi,
S/o Sri Madan Lal Bishnoi,
R/o Boring Canal Road,
Police Station Kotwali, District Patna
by caste Bishnoi, by profession business.
- (v) Sri Uday Bishnoi,
S/o Shri Ratan Lal Bishnoi,
R/o Boring Canal Road,
Police Station Kotwali, District Patna
by caste Bishnoi, by profession business.
- (vi) Shri Devendra Kumar Singh
S/o Shri Rajendra Kumar Singh, and
Shri Jogendra Kumar Singh,
S/o Shri Rajendra Kumar Singh,
R/o Baradari, Police Station Kotwali,
District Muradabad, Police Station Kotwali,
District Muradabad (UP)
both by caste Bishnoi, by profession business,
representing themselves through their lawful
Attorney. Shri Ratan Lal Bishnoi,
S/o Late Shri Hari Dutta Bishnoi,
R/o Shri Krishnapuri, Police Station Kotwali,
District, Patna.

(Transferors)

- (2) Smt. Indu More,
W/o Shri Kamal Prasad More, Advocate,
R.K. Avenue, P.S. Plrbahore, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 Kathas 8 Dhurs 10 Dhurki in Tauzi No. 9, Khata No. 2, Plot No. 237 (Part) Thana No. 10, Khewat No. 1 with boundary, walls and one godown with four rooms at Bahadurpur, Patna more fully described in deed No. 2645 dt. 26-6-79 Registered with Sub-Registrar, Patna City.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 13-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Hashi Choudhury,
W/o Krishna Prasanna Chowdhury,
R/o Moonidih, Dt. Dhanbad.

(Transferor)

(2) Smt. Kalpana Nag Chowdhury,
W/o Shri Bankim Chandra Nag Chowdhury,
R/o No. 28, Hari Ghose Street, Calcutta.

(Transferee)

(3) Shri A. K. Bhattacharya, (Tenant)
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 14th February 1980

Ref. No. III-376/Acq./79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Municipal holding No. 344, present holding No. 344C Ward No. 1, Thoka No. 248 situated at Giridih (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

12½ Kathas of Land with a third storeyed building at Giridih being part of former Municipal Housing No. 344 Present Holding No. 344C of Ward No. 1 Thoka No. 248 situated at Giridih more fully described in deed No. I-3825 dated 13-7-79 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 14-2-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 12th February 1980

Ref. No. RAC. No. 493/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop Nos. 2-3-9 and 2-3-10 situated at M.G. Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on July-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. S/Sri A. N. Veerabhadra,
2. A. S. Jayakumar,
3. A. T. Nagender, H. No. 6/A St. Johan's Road,
Bangalore.
S. No. 1, H. No. 136, Prenderghast Road,
Secunderabad.
S. No. 2 H. No. 20, Chittaranja Avenue,
Teyanampet, Madras.

(Transferor)

- (2) Shri Mahedi Ali, No. 55 of 2-3-9 and 10 at M. G. Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Mulgi Nos. 2-3-9 and 2-3-10 situated at M. G. Road, Secunderabad, registered vide Document No. 1889/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 12th February 1980

Ref. No. RAC. No. 394/79-80.—Whereas, I.K.K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 16, 17 situated at Shaikpet Village, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on June'79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri M. M. Khaja S/o M. Balay Saheb, H. No. 5-9-303 at Gunfoundry, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) 1. S/Sri Alluri Satyanarayana Raju, R/o K. T. Road, Thirupathi.
2. A. Vijya Kumar Raju,
3. A. Sita Devi, W/o Satyanarayana Raju, both at K. T. Road, Thirupathi.
4. P. Varalakshmi, W/o Narasimha Raju, R/o Kallakurni, Bhimavaram.
5. P. Bangaramma, W/o P. V. Narasimha Raju, R/o Kothuru.
6. P. Nirmala, W/o Narasimha Raju, R/o Yendagandi, Bhimavaram Tq.
7. A. Mallikarjuna Raju, R/o K. T. Road, Tirupathi,
8. A. Gopala Raju,
9. A. Krishnam Raju,
10. P. Narasimha Raju, Bhimavaram Tq. Kallakuru, Villg. W-Gadawari Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in survey No. 16 and In 17, total area 9 Acres 24 $\frac{1}{2}$ guntas situated at Shaikpet, Hyderabad, registered vide Document No. 1745/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1980

Ref. No. RAC. No. 495/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-4-435/A situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on June'79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. S/Sri Kishan Rao S. Karwankar,
2. Srinivas Rao, K. Karwankar,
3. Smt. Rukmini Bai. K. Karwankar,
4. Kum. Gitanjali, all residing at 5-4-435 at Station Road, Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) M/s. Kakatiya Constructions Pvt. Ltd., Company, at 5-4-435 Station Road Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double Storeyed Building M. No. 5-4-435/A at Station Road, Nampally, Hyderabad, admeasuring 727 Sq. Yds. registered vide Document No. 3784/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Shaw Builders, 22-7-269/3 at Dewan Dewdi Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1980

Ref. No. RAC. No. 496/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 43 situated at 22-7-269/43 Dewan Dewdi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Azampura on June'79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Sri Haji Abdul Aziz S/o Hasham, H. No. 15-7-503 Begum Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 43, in the premises No. 22-7-269/43 at Dewan Dewdi, Hyderabad, registered vide Document No. 1781/79 in the office of the Sub-Registrar Azampura.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Smt. Indira Jagwani,
2. Ruma Devi,
3. Raju Bhuroomal, C/o R. Kishanchand, G.P.A.
H. No. 144 Prenderghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Industrial Workers Weaker Section Co-operative
House Building Society, Ltd., Represented by
President Sri T. Yellaiah Gowd,
H. No. 805 SRT-Sanatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 12th February 1980

Ref. No. RAC. No. 497/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 356 situated at Moulalai, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East in June-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing S. No. 356, situated at Moulalai, Malkajgiri Panchayat, Secunderabad, admeasuring 12 Acre, 15 Gunta, registered vide Doc. No. 6520/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1980

Ref. No. RAC. No. 498/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 298/1 & 299/1 situated at Malkajgiri, Villg. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on June-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (1) 1. S/Sri P. V. C. Thimmaraju,
 2. P. Subba Raju,
 3. Ch. Ramakrishna Raju,
 4. K. Ramchandra Raju,
 5. Smt. M. Janikamma, all residing at H. No. 1/191 Lingojiguda, Villg. Secunderabad.

(Transferor)

- (2) M/s. The Modern Co-operative House Building Society Ltd., represented by Sri V. Veerabhadra Rao, H. No. 4-1-624 at Troop Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land S. No. 298/1 and 299/1 admeasuring 1 Acrs. 20 Guntas, situated at Malkajgir villg. Secunderabad, registered vide Doc. No. 5804/79 in the office of the Sub-Regist. Hyderabad-East.

K. K. VEER
Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-2-1980
 Seal ·

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—
 27—516GI/79

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. S/Sri P. V. C. Thimma Raju,
2. P. Subbaraju,
3. Ramakrishna Raju,
4. K. K. Raju,
5. Smt. M. Janakamma, all residing at
H. No. 1/191 at Lingojiguda Villg. Hyderabad.
(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1980

Ref. No. RAC. No. 499/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 298/1 situated at Malkajgiri Villg.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad-East on June-79

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) M/s. The Moderan Co-operative House Building Society, Ltd. its Representative Sri V. R. Veerabhada Rao, H. No. 4-1-624 at Troop Bazar, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land S. No. 298/1 admeasuring One Acre, 24 Guntas situated at Malkajgiri Village, Hyderabad, registered vide Doc. No. 5842/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. VEER
Competent Authority

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1980

Seal:

FORM ITNS

- (1) 1. S/Sri O. Bhaskara Reddy,
2. O. Prabhakar Reddy,
3. O. Pratap Reddy, all residing at H. No.
8-2-540/5 at Road No. 4 Banjara Hills,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Shanni Devi, W/o Meghraj Khurana,
2. Smt. Premlata Khurana W/o Sri Om Prakash
Khurana both residing at H. No. 3-4-874/1 at
Barkatpura, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1980

Ref. No. RAC. No. 500/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-3-969 situated at Yellarcidguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on June-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 8-3-969, situated at Yellaredyguda, admeasuring 1073 Sq. Yds. (Srinagar Colony), Hyderabad, registered vide Doc. No. 1936/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-2-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) National Engineering Enterprises,
H. No. 8-4-368/A at Sanathnagar, Hyderabad,
(Transferor)
(2) Auric Engineering Pvt. Ltd.,
H. No. 8-4-368/A, Sanathnagar, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 12th February 1980

Ref. No. RAC. No. 501/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land 8, No. 74 situated at Fathenagar Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairtabad on June-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land in survey N. 74, admeasuring 5908.012 Sq. M. land situated at Fathenagar Village, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1898/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

- (1) 1. S/Sri S. Raghavan,
2. Ranjit Raghavan,
3. Raja Lakshmi,
4. Vedamma, all residing at Plot No. 7 at
Sreenagar Colony, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Sapahtagiri Real Estates Private Ltd.,
4-3-74 at Hill Street, Ghansmandi,
Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1980

Ref. No. RAC. No. 502/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/8 Share in situated at 5-1-680, & 680/1, Bank St. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Portion of 5/8th share in M. No. 5-1-680 and 680/1 situated at Bank Street, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3733/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1980

Ref. No. RAC. No. 503/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3/8th share situated at 5-1-680 & 680/1 Bank St. Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. S/Sri S. Ranganatha,
2. Dilip Ranganathan,
3. Sandeep Ranganathan,
4. Pradeep Ranganathan,
all residing at H. No. 5-1-680 Bank St., Hyd.
(Transferor)
- (2) Sri Saptagiri Real Estates Private Ltd.,
H. No. 4-3-74 Hills Street, Secunderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

3/8th share in House M. No. 5-1-680 and 5-1-680/1 situated at Bank street, Hyderabad, registered, vide Doc. No. 4449/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Fareeda Farzana W/o Mohd. Riyasath Ali Khan, G.P.A. Smt. Roqua Begum, H. No. 6-3-865/A, Begumpet, Hyderabad,
(Transferor)

(2) 1. Sri Mohd. Kaleem Farooq,
2. Mohd. Sameem Faisal, (both minors) represented by mother Smt. Raiesa Rehana Salcem, 6-3-865/A Begumpet, Hyderabad,
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 14th February 1980

Ref. No. RAC. No. 504/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6-3-865/B situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairtabad on June-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House M. No. 6-3-865/B, Begumpet, Hyderabad, registered vide Document No. 1924/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th February 1980

Ref. No. RAC. No. 505/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land S. No. situated at 278, 286 Alwal, Hyd. Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-West on June-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. S/Sri P. Basavaiah,
2. P. B. Ragvender,
3. P.B. Omker,
4. P. B. Mohan, all residing at 4/25 Old Alwal, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) Indira Nagar Co-operative Housing Society Ltd., 8-3-222 at Yousufguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land in survey No. 278 and 286 admeasuring 34 guntas situated at Lothukunta, Alwal, Hyderabad-Dist. (Rangareddy Dist.), registered vide Doc. No. 1245/79 in the Office of the Sub-Registrar Hyderabad-West.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-2-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. S/Sri P. Mallappa,
2. P. Krishna (Minor)
H. No. 4/25 at Alwal, Secunderabad,
(Transferor)
- (2) Indira Nagar Cooperative Housing Society, Ltd.
H. No. 8-3-222/B/2 Indiranagar, Yousufguda,
Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th February 1980

Ref. No. RAC. No. 506/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 278, 286 situated at Alwal Lothkunta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-West on June-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land in survey No. 278 and 286, admeasuring 34 guntas situated at Lothkunta, Alwal, gram Panchayat (Rangareddy-Dist. registered vide Doc. No. 1243/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-West.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
28—516GT/79

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th February 1980

Ref. No. RAC. No. 507/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land S. No. 278 & 286 situated at Lothkunta Alwal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Hyderabad-West on June-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Sri P. Nagender Rao,
2. P. Suchender, both residing at H. No. 1-2-399 at
Domalguda, Hyderabad.

- (2) M/s. Inderanagar Cooperative Housing Society Ltd.,
Represented by Sri A. Tata Rao,
H. No. 8-3-222/B/7 at Indiranagar Yousufguda,
Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land in survey No. 278 and 286 admeasuring 23 guntas situated at Lothkunta, Alwal, Rangareddy-Dist, registered vide Doc. No. 1242/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-West.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-2-1980

Seoul

FORM ITNS—

(1) Sri B. Ramaswamy, 5-9-22/76, Adarshnagar,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th February 1980

Ref. No. RAC. No. 508/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3rd floor of 5-9-22/76 situated at Adarshnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Hyderabad on June-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Smt. Nazima Ansari, Alias Nazimunnisa Begum, W/o Sri Hamid Ansari, 8-2-466/1, at Road No. 4 Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

3rd floor flat No. 2 in building M. No. 5-9-22/76 admeasuring 1200 Sq. ft. situated at Adarshnagar, Hyderabad, registered vide Document No. 3433/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Tayaba Majeed Khan, 3-5-782/A at King Koti,
Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri Mirza Wajid Baig,
H. No. 16-2-851/A at Saidabad, Hyderabad.
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th February 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC. No. 509/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open land in 16-2-866/2 situated at Saidabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Open land admeasuring 659 Sq. Yds. adjacent to H. No. 16-2-866/2 situated at Saidabad, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3552/79 in the office of the Joint Sub Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Kothapally Swamy,
2. Sri Kothapally Jeethaih, both residing at
Yousufguda, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Government Medical Store Dept. Employees
Co-operative Housing Society Ltd.,
Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th February 1980

Ref. No. RAC. No. 510/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land in S. No. 15 & 19 situated at Yousufguda Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairatabad on June-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2000 Sq. Mts. in survey No. 15 and 19 situated at Yousufguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1731/79 in the office of the Sub-Registrar Khautabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-2-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th February 1980

Ref. No. RAC. No. 511/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land S. No. 15, 18, 19 situated at Yousfguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairtabad on June-79

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.

(1) S/Sri Kothapally Malliah,
2. K. Srisailam.
3. K. Yadgiri.
4. Sudarshan.
5. K. Prakash,
all residing at Yousufguda, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Government Medical Store Dept Employees Cooperative Housing Society Ltd., Sanjeevareddypagar, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3,158 Sq. Mts. situated in survey No. 15, 18 and 19 at Yousufguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1732/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-2-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri P. Ramachandra Rao, 5-9-22/75 at
Adarshnagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) 1. S/Sri Smt. Kalavathi,
 2. Bhagatram,
 3. GiridharJal,
 4. Briljal,
 5. Amaraath,
 all residing at 5-9-22/75 at Adarshnagar,
 Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th February 1980

Ref. No. RAC. No. 512/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-9-22/75 situated at Adarshnagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House M. No. 5-9-22/75 situated at Adarshnagar, Hyderabad, registered vide Doc. 3342/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-2-1980
 Seal :

FORM ITNS

(1) Sri A. N. Rajagopal, Rep. by Sri U. P. Jagadiaan,
68-B, Kingswamy, Secunderabad.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Prabhudayal, 114-656/1 at Red Hills,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 513/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Pot. 114-656/1 situated at Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 114-656/1 at Red Hills, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3285/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) 1. Smt. Lakshmi Nataraja Iyer,
2. Sharada Ramanandhan both residing at
H. No. 3-6-779 Himayatnagar, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri Deendayal S/o Mukawam, Agarwal,
R/o Macherial, Adilabad-Dist.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(11) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 514/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Port. 11-4-656/1 situated at Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 11-4-656/1 at Red Hills, Hyderabad, registered vide Document No. 3290/79 in the office of the Joint Sub-Regist. Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
29—516GI/79

Date : 16-2-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 515/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Port. 11-4-656/1 situated at Red Hills Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Miss Nandini, D/o late A. N. Ramanadhan by G.P.A. Sharada Ramanadhan, 3-6-779 at Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Santoshkumari, W/o Sham Sunder Agarwal, R/o Mancherial, Adilabad-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 11-4-656/1 at Red Hills, Hyderabad registered vide Doc. No. 3289/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 516/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Port. 11-4-656,
situated at Red Hills, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Smt. Vijayalakshmi w/o Varadarajan,
G.P.A., Sarada Ramanadhan,
3-6-779, Himayatnagar,
Hyderabad.
- 2. Smt. Gita Ganesh, W/o P. Ganesh,
G.P.A. of No. 1.
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Mukundlal, S/o
Sri Girdharilal Agarwal,
21-1-748 at Patel Market. Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of House No. 11-4-656/1 at Red Hills, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3288/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-2-1979

Seal :

FORM ITNS

- (1) Mrs. Mehrunnisa Begum,
H. No. 7-1-616 at Ameerpet, Hyderabad,
(Transferor)
- (2) Sri P. Jeer s/o late P. M. Chakrapani,
Block No. 450 at Lallaguda,
Secunderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 517/79-80.—Whereas I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1-10-66/A, situated at Begumpet, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land No. 6 in Survey No. 29, 189, in M. No. 1-10-66/A at Begumpet, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1659/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980
Seal :

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 518/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land S. No. 83, 84, situated at Amberpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri Syed Azam s/o late Aziz,
H. No. 2-2-22, at Bagh Amberpet,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Tulasi Co-operative Housing Society, Ltd.,
r/o C.T.I. Road, Nallakunta,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Open land in survey No. 83 and 84, admeasuring 5,243 sq. yds. situated at Bagh Amberpet, Hyderabad, registered vide Document No. 3294/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 16-2-1980
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 519/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land S No. 83, 84, situated at Bagh Amberpet, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri Syed Azam,
s/o late Aziz,
H. No. 2-2-22 at Bagh Amberpet,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Tulasi Cooperative Housing Society, Ltd.,
C.T.I. Road, Nullakunta,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of land in survey No. 83, and 84 at Bagh Amberpet, Hyderabad, admeasuring 6145 sq. yds. registered vide Doc. No. 3397/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE.
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 520/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land S No. 83, 84,
situated at Bagh Amberpet, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri Syed Azam,
H. No. 2-2-22 at Bagh Amberpet,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Tulsi Cooperative Housing Society, Ltd.,
C.T.I. Road, Nallakunta,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land in survey No. 83 and 84 situated at Bagh Amberpet, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3319/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri P. Venkateshwara Rao, s/o Narayana,
H. No. 2-16 at Fathehnagar,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 521/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2-176, situated at Fathehnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-West on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) S/Sri 1. A. Narasimha Reddy,
2. A. Sreerama Reddy,
H. No. 1-28, and 1-29 at Pallerla Ramannapet, Tq.
Nalgonda-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 1-176 on plot No. (0.5) S. No. 20, 21, ad-measuring 2005 sq. yds at Fathehnagar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1264/79 in the office of the Sub-Registrar, Hyderabad-West.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri V. Sivananda Reddy,
G.P.A. V. Venkatarama Reddy,
H. No. 3-6-267 at Himayatnagar,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) S/Sri M. V. Subba Rao,
2. Smt. Dr. K. Bhaskarama,
H. No. 1-10-193 at Ashoknagar,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 523/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6-3-347/20, situated at Dwarakapuri Colony, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

1st floor of H. No. 6-3-347/20 at Dwarakapuri Colony, Hyderabad, registered vide Doc. 3612/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
30—516QI/79

Date : 16-2-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 524/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 194/3, 4, situated at Toli Chowki, Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Sri Indur Jaisinghani,
s/o Sri Kartar Singh,
2. Kurtar Singh, Uaisinghani,
both at 9-4-132 at Toli Chowki,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri S. A. Salam,
s/o S. Mahboob Miah,
6-3-1086/3 at Somajiguda,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 3 Acres, 5 Gunta in S. No. 194/3 and 194/4 at Toli Chowki, Hyderabad, and Two Poultry Sheds, and Well, registered vide Doc. No. 1845/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Kartar Singh Jaisinghani,
9.4-132 at Toli Chowki,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri S. Mahaboob Miah,
H. No. 6-3-1086/3
at Somajiguda,
Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 525/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 194/3 & 194/4

situated at Toli Chowki, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land in S. No. 194/3 and 194/4 admeasuring 1.8 Acre situated at tolichowki, Hyderabad, M. No. 9-4-132 registered vide Doc. No. 1846/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Sri Nalini Kriplani,
2. Kartar Singh Jaisinghani,
H. No. 9-4-132 at Toli Chowki,
Hyderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Sunaiya Quadir,
6-3-1086/3 at Somajiguda,
Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 526/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 193/4, 194/4,
situated at Toli Chowki, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khairtabad on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 1.6 Acres in S. No. 194/3 and 194/4, Poultry shed, 3 Servants, quarters, 2 store rooms and bath room, situated at Torli Chowki, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1847/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sri Mohammed Sirajuddin,
H. No. 261/B at Malakpet,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mohammed Arif Sajjad Mirza,
H. No. 22-2-380 at Hussaini Mohalla,
Hyderabad-2.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 527/79-80.—Whereas I, K. K. VEER,
2-3-662/2,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
situated at Amberpet, Hyderabad
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on June, 1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice on
the respective persons, whichever period expires
later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA, of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2-3-662/2, situated at Azad Nagar Amberpet,
Hyderabad, admeasuring 824 Sq. Yds registered vide Doc.
No. 3723/79 in the office of the Joint Sub-Registrar,
Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 528/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing

22-2-1088, situated at Amberpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Smt. Y. Vinodamma, w/o
Y. D. Prasada Rao,
2. Sri Y. Mohan Rao,
both at H. No. 2-2-1088 at Amberpet,
Hyderabad.

(Transferors)

- (2) Smt. K. Bhavani, w/o
Sri K. Damoder Rao,
2-2-1088 at Amberpet,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 2-2-1088 at Ameberpet, Hyderabad, admeasuring 400 Sq. Yds registered vide Document No. 3442/79 in the office of the Joint-Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Mrs. Dilawar Banu, at Banjara Hills,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Bashirunnisa, r/o
1/16th in Dillu Apparmat, Begumpet,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 529/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Port 1/16th, situated at Dillur Apparmat, Begumpet, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property Undivided share of portion 1/16th in Dillu Apparmat, situated at Begumpet, Secunderabad, registered vide Document No. 1559/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 209D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-2-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) (i) Radhe Shyam,
(ii) Smt. Tara Devi,
49B, Sundernagar,
Hyderabad.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 530/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. 336, situated at Moosapet, Ranga Reddy Distt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad (west) on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) (i) Sri P. Mallesh & others,
H. No. 2-48, Moosapet,
Hyderabad West Tq.
Rangareddi Distt.
(ii) K. Sailoo, 1-42, Moosapet,
(iii) Sk. Mahboob 8-4-422/7,
Erragadda, Hyderabad.
(iv) B. J. Reddi,
No. 12, Moosapet.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry agricultural land in Sy. No. 336 at Moosapet, West Tq., Rangareddi Dist. registered through document No. 1147/97 at the S.R.O. Hyderabad West.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) P. Sarangapani, s/o
P. S. Narayanan,
5-3-140, Kottah, Hanumakonda,
Warangal Dt.
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Ch. Lakshmi, w/o
Ch. Bhasker Rao,
(Madhira, Khammam Dist),
6-3-252/4 Irramanzil,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 531/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs .25,000/- and bearing No. plot in survey No. 118/2 & 118/4, situated at Panjagutta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairtabad on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the ~~said~~ Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Open plot measuring 600 sq. yds. in Survey No. 118/2 & 118/4, situated at Panjagutta, Hyderabad, registered through document No. 1935/June 79 at Khairtabad, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the ~~said~~ Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the ~~said~~ Act, to the following persons, namely :—

31—516GI/79

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Ref. No. RAC. No. 532/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1B, situated at Guddimalkapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri P. Venkateswara Rao,
12-2-725/23, P & T Colony,
Rethi bowli, Hyderabad.

(Transferor)

(2) The Serwell Co-operative Housing Society Ltd.,
P&T Colony, Rethibowl, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot of 2,873.75 sq. yds. plot 1B, situated at Guddimalkapur registered through document No. 1918/June 1979 at the S.R.O. Khairatabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-2-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri P. Ramachandra Rao, 12-2-725/23, P & T Colony, Rethibowli, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Serwell Co-operative Housing Society Ltd., P & T Colony, Rethibowli, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
ASHRAM ROAD, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th February 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

RAC Ref. No. 533/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1A situated at Guddimalkapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad in June 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Open plot of 2873.75 sq. yds. situated at Guddimalkapur, registered through document No. 1917/79 at S.R.O. Khairatabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-2-1980.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Mohd. Abdul Haq, S/o late Mohd. Abdul Raheem
10-3-287/3, Shantinagar, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Shri T. Sesha Reddi, S/o T. Satyanarayana Reddi,
6-3-454/455, Panjagutta, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 16th February 1980

RAC Ref. No. 534/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Panjagutta, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairatabad in June 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1321 sq. yds. situated at Panjagutta, Hyderabad registered through document No. 1899/79 at S.R.O., Khairatabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-2-1980.

Seal :

FORM ITNS(1) Shri Rabia Asif Mirza, & others 1-86, Habibguda,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Syed Ziaullah Hussaini & others 23-1-642/3,
Moghulpura, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 16th February 1980

RAC Ref. No. 535/79-80.—Whereas, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-2-8 situated at A.C. Guards, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.O. Hyderabad in June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Premises No. 10-2-8, A.C. Guards, Hyderabad registered through document No. 3293/79 at S.R.O., Mozamjai Market, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 16-2-1980.

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th February 1980

Ref. No. TT/79-80/316.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land in village Dhand situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Tehsil in June 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Kumari Jeeto and Prito ds/o Chanan Singh r/o Dhand, Teh. Taran Taran.
(Transferor)
- (2) S/Shri Kulwinder Singh, Harsa Singh, Harjinder Singh, Hardev C/o Mukhter Singh r/o Dhand, Teh. Taran Taran.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 71 kanals 8 marlas 2/3 share 107 kanals 1 marla Nehri situated in Village Dhand, Teh. Taran Taran as mentioned in the sale deed No. 440 dated 14-6-79 of the registering authority Taran Taran.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Acquisition Range,
3, Chanderpuri tylor road, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-2-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/317.—Whereas, I M. L. MAHAJAN,
IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/2 Share in shop Guru Bazar ASR.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
SR Amritsar in June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share in a shop No. 173/2 situated in Guru Bazar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 664/I dated 1-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Acquisition Range,
3, Chanderpuri tylor road, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1980
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Wadhawa Singh s/o Alla Singh r/o Jhabal Khurd.
(Transferor)
- (2) Shri Avtar Singh s/o Bhola Singh r/o Jhabal Khurd.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. JBL/79-80/318.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land in village Jhabal Kalan, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Jhabal in June 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 56 K 8 marlas situated in village Jhabal Kalan (kind of land Chahi) as mentioned in the sale deed No. 416 dated 13-6-79 of the registering Authority Jhabhal.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar
3, Chanderpuri tylor road, Amritsar

Date : 11-2-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Chanchal Khanna w/o Sri Krishan Kumar
Khanna r/o Gagar Mal Road, Ktr. Sher Singh
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Kumar s/o Sri Ram, Smt. Renu
Seth w/o Surinder Kumar and Manish Kumar
(Minor) r/o Kothi No. 59, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/319.Whe—reas, I, M. L. MAHAJAN,
IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Plot of land situated at Shahtri Nagar ASR,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at
SR Amritsar in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1000 sq. yds. situated in
Shastri Nagar, Amritsar, as mentioned in the sale deed
No. 740/I dated 6-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri tylor road, Amritsar

Date : 12-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Said Act to the following
persons, namely :—

32—516/79

FORM ITNS—

(1) Smt. Nirmal Khanna w/o Vijay Khanna r/o 368
Green Avenue, Amritsar.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/320.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land situated at Shastri Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) Shri Surinder Kumar s/o Siri Ram, Smt. Renu Seth w/o Surinder Kumar r/o Kothi No. 59, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land khasra No. 623 min situated on Lawarance Road, Shastri Nagar Scheme No. 62, as mentioned in the sale deed No. 758/I dated 7-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Ass'tt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri tylor road, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/321.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Queens Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Mohinder Kaur wd/o S. Karam Singh and Satish Inder Singh s/o S. Charan Singh r/o 3, Queens Road, Amritsar.
(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi w/o S. Jit Singh r/o 17-Maqbul Road, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 8 consisting of 266.7 sq. mtrs situated on Queens Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 689/I dated 4-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/322.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at Karmo Deori, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s Shiv Lal Harparshad, Bazar Karmo Deori through Shri Harparshad s/o Shri Shiv Lal self and Mukhtar aam Min Janab Sri Ram Krishan, Sri Prem Nath, Sri Kewal Krishan, Sri Vijay Kumar all sons. (Transferor)
- (2) Shri Bahadur Singh s/o Kesar Singh and S. Rajinder Singh s/o Bahadur Singh r/o Sharif Pura Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s).
 1. M/s. Gopal Dass Sanjay Kumar.
 2. M/s. Gian Chand Mahajan & Sons.
 3. Janak Raj s/o Shri Krishan Chand.
 4. M/s Pawan Kumar and Co.
 5. M/s Pawan Kumar & Co.
 6. S. Joginder Singh s/o Pal Singh.
 7. Shri Krishan Kumar Mahajan.
 8. Shri Naval Kumar Khanna.
 9. M/s Sat Pal Om Parkash.
 10. M/s R. K. Vijay Kumar.
 11. M/s Brij Lal Khanna & Sons.
 12. Shri Brij Khanna.
 13. Shri Shiv Kumar s/o Dina Nath.
 14. M/s Sant Ram & Sons.
 15. M/s Sant Ram Vijay Kumar.
 16. Shri Chaman Lal s/o Sarwan Lal.
 17. M/s Dev Raj Kishore Chand.
 18. M/s Ashok Kumar & Bros.
 19. S. Harmohinder & Co.
 20. M/s Dev Raj Kishore Chand.
 21. Shri Amrit Mahajan.
 22. M/s Balwinder Singh & Co.
 23. S. Uttam Singh s/o Teja Singh.
 24. M/s Vaishno Textiles.
 25. M/s Chaman Lal & Sons.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property/building No. 2342-43 and 830, 662 situated in Karmo Deori Shiv Market as mentioned in the sale deed No. 690/I dated 4-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-2-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/323.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25000/- and bearing No.

One property situated at Karmo Deori, Amritsar
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
SR Amritsar on June 1979

for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property,
and I have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefore by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) M/s Shiv Lal Har Parshad Bazar, Karmo Deori,
Amritsar, through Sri Har Parshad s/o Shri Shiv
Lal self and Mukhtiar-aam Min Janab Sri Kewal
Krishan, Sri Prem Nath, Ram Krishan, Sri Vijay
Kumar his sons.

(Transferor)

(2) Shri Man Singh Gulati s/o Harnam Singh Gulati, S.
Satinder Singh s/o Harnam Singh r/o 20/canit.
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s).

1. M/s. Gopal Dass Sanjay Kumar.
2. M/s. Gian Chand Mahajan & Sons.
3. Janak Raj s/o Shri Kishan Chand.
4. M/s Pawan Kumar & Co.
5. M/s Pawan Kumar & Co.
6. S. Joginder Singh s/o Gopal Singh.
7. Shri Kishan Kumar Mahajan.
8. Shri Naval Kumar Khanna.
9. M/s Sat Pal Om Parkash.
10. M/s R. K. Vijay Kumar.
11. M/s Brij Lal Khanna & Sons.
12. Shri Brij Khanna.
13. Shri Shiv Kumar s/o Dina Nath.
14. M/s Sant Ram & Sons.
15. M/s Sant Ram Vijay Kumar.
16. Shri Chaman Lal s/o Sarwan Lal.
17. M/s Dev Raj Kishore Chand.
18. M/s Ashok Kumar & Bros.
19. S. Harmohinder & Co.
20. M/s Dev Raj Kishore Chand.
21. Shri Amrit Mahajan.
22. M/s Balwinder Singh & Co.
23. S. Uttam Singh s/o Teja Singh.
24. M/s Vaishno Textiles.
25. M/s Chaman Lal & Sons.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.**

THE SCHEDULE

One property/building No. 2342-43 and 830, 662 situated
in Karmo Deori Shiv Market as mentioned in the sale deed
No. 905/1 dated 20-6-79 of the registering authority,
Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR**

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/324.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at Karmo Deori, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Shiv Lal Har Parshad Bazar Karmo Deori Amritsar, through Sri Har Parshad self Mukhtar aum Min Janab Sri Ram Krishan, Sri Prem Nath Sri Kewal Krishan, Sri Vijay Kumar on behalf of his sons.

(Transferor)

(2) Smt. Tajinder Kaur wd/o S. Surinder Singh & S. Tejpal Singh s/o S. Sarinder Singh r/o Sharifpura, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s).

1. M/s. Gopal Dass Sanjay Kumar.
2. M/s. Gian Chand Mahajan & Sons.
3. Janak Raj s/o Shri Kishan Chand.
4. M/s Pawan Kumar & Co.
5. M/s Pawan Kumar & Co.
6. S. Joginder Singh s/o Gopal Singh.
7. Shri Kishan Kumar Mahajan.
8. Shri Naval Kumar Khanna.
9. M/s Sat Pal Om Parkash.
10. M/s R. K. Vijay Kumar.
11. M/s Brij Lal Khanna & Sons.
12. Shri Brij Khanna.
13. Shri Shiv Kumar s/o Dina Nath.
14. M/s Sant Ram & Sons.
15. M/s Sant Ram Vijay Kumar.
16. Shri Charman Lal s/o Sarwan Lal.
17. M/s Dev Raj Kishore Chand.
18. M/s Ashok Kumar & Bros.
19. S. Harmohinder & Co.
20. M/s Dev Raj Kishore Chand.
21. Shri Amrit Mahajan.
22. M/s Balwinder Singh & Co.
23. S. Uttam Singh s/o Teja Singh.
24. M/s Vaishno Textiles.
25. M/s Chaman Lal & Sons.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property/building No. 2342-43 and 830, 662 situated in Karmo Deori Shiv Market, as mentioned in the sale deed No. 800/1 dated 12-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-2-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR**

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/325.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3 share in Kothi situated at Rego Bridge, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Sulakshna Aggarwal w/o Shri Charanjiv Lal Aggarwal r/o 53 Daya Nand Nagar, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Jagdish Lal & Raj Pal ss/o Jia Ram r/o Katra Sher Singh Nai Abadi, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

1/3 share in kothi No. 8 situated on G.T. Road, near Rego Bridge, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 721/I, dated 5-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1980
Seal :

FORM ITNB**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/326.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3 share in Kothi situated at Rego Bridge, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sulakshna Aggarwal w/o Shri Charanjiv Lal Aggarwal r/o 53, Dia Nand Nagar, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Ashok Kumar and Kishori Lal S/o Shri Jia Ram r/o Ktr. Sher Singh, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 share in kothi No. 8 Min & No. 1260/CL situated on G.T. Road, Rego Bridge, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 720/I, dated 5-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE

- (1) Shri Om Parkash s/o S. Diwan Chand r/o Ktr. Parja Kucha Miser Beli Ram, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Jagdish Raj s/o Shri Sant Ram r/o Ktr. Parja inside Ktr. Miser Beli Ram, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. ASR/79-80/327.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property at Kucha Miser Beli Ram, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

33—516GL/7

THE SCHEDULE

1/3 share in house No. 115/12 and No. 313/X11-3 situated in Ktr. Kucha Miser Beli Ram, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 935/I, dated 6-6-79 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri tylor road, Amritsar

Date : 13-2-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/328.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property at Kucha Miser Beli Ram, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar in June 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Chaman Lal s/o Shri Diwan Chand r/o Ktr. Parja, Kucha Miser Beli Ram, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Jagdish Raj s/o Shri Sant Ram r/o Katra Parja, Kucha Miser Beli Ram, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/3 share in house No. 115/12 and No. 313/XII-3 situated in Ktr. Parja, Kucha Miser Beli Ram, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 778/1, dated 11-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1980
Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR**

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/329.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Kucha Miser Beli Ram, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Pashori Lal s/o Shri Diwan Chand r/o Ktr. Parja, Kucha Miser Beli Ram, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Jagdish Raj s/o Sant Ram r/o Ktr. Parja, Kucha Miser Beli Ram, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3 share in One house No. 115/12 and No. 313-XII-3, situated in Ktr. Parja, Kucha Miser Beli Ram, as mentioned in the sale deed No. 799/I, dated 19-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR**

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/330.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop situated at Ktr. Aluwalia, ASR, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar in June 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Hans Raj Vidhya Parkash r/o 2nd Floor Hanuman Building Bombay through Mohinder Kumar self, Vidhya Parkash and Mohinder Kumar ss/o Vidhya Parkash through Mohinder Kumar Mujadar Mukhtiar. (Transferor)
- (2) Smt. Mena Wati w/o Shri Brij Lal r/o Katra Aluwalia, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop No. 1040/2 old and new No. 1669/II-23 and 106/II 23 situated in Katra Aluwalia, as mentioned in the sale deed No. 995/I, dated 29-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-2-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/331.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Ranjit Pura Putlighar, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Kishore Chand, s/o Rani Partap r/o Amritsar
Dera Nand Nagar, Shri Roshan Lal s/o Jai Gopal
r/o Dera Nand Nagar, ASR.

(Transferor)

(2) Shri Harinder Singh s/o Lal Singh r/o House
No. 4397/23 Ranjit Pura Putlighar Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shed on a land measuring 234 sq. mtrs situated in Ranjit Pura Putlighar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 840/I, dated 15-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-2-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/332.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at Ranjipura Putlighar Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1979,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Kishore Chand s/o Sri Ram Partap and Shri Roshan Lal s/o Shri Jogan Pal r/o Dha Nand Nagar, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Jasbir Kaur d/o Shri Shisham Singh r/o House No. 4397/XIV-23 Ranjit Pura, Putlighar, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shed on an area measuring 234 sq. mtrs situated in Ranjipura Putlighar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 841/I, dated 15-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-2-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/333.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Tarn Taran Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kawaljit Singh s/o Shri Kalyan Singh r/o Chowk Baba Bhori Wala, Amritsar. (Transferor)
- (2) S. Surjit Singh s/o Gopal Singh and S. Satnam Singh s/o S. Surjit Singh r/o Chowk Baba Bhori wala, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. Shri Balbir Singh, Bombay Textile Mills and Shri B. P. Textiles, Mills. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

One property No. 3161/A/XVI situated on Tarn Taran Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 929/I, dated 21-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1980,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/334.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shops situated in Bazar But Malkan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Amritsar in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Pushpa Lata wd/o Shri Pran Nath r/o House No. 2836/2 Bazar But Malkan Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Savitri Devi w/o Shri Om Parkash r/o Bhojti Distt. Behar Dhanbad and Smt. Prem Lata w/o Shri Madan Lal r/o House No. 118 Bazar Mori Ganj Amritsar.
(Transferee)
- (3) M/s Jagan Nath Khanna for Rs. 70/- p.m.
M/s Umla Textile Agencies for Rs. 75/- p.m.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shops No. 2836/2 situated in Bazar But Malkan Amritsar as mentioned in the sale deed No. 777/1, dated 11-6-79 of the registering authority, Amritsar City.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-2-1980,
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/335.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot of land situated at Sultanwind Road, Amritsar, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Jagir Kaur w/o Shri Amrik Singh r/o Gobindgarh Distt. Patiala through S. Gurcharan Singh s/o Prem Singh r/o Hamidpur Teh. Amritsar (Mukhtar Aam). (Transferor)
- (2) M/s Akash Foundry, works Sultan Wind Road, Amritsar, through S. Surinder Singh Sultanwind Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 726 sq. yds. situated on Sultanwind Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 843/I, dated 15-6-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
34—516/79

Date : 13-2-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/336.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One building No. 1731 to 1737 situated at Karmo Deori Amritsar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kewal Krishan Avtar Kishan Kapur ss/o Ram Dass Kapur & Sham Dass s/o Dr. Gurditta Mal r/o Majitha Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Sudesh Kumar Khanna & Raj Kumar ss/o Shri Ram Murti Khanna Rita Khanna w/o Sudesh Kumar & Kamla Khanna w/o Ram Murti r/o 350 Shastri Market, Amritsar.
(Transferee)
- (3) Shri Shori Lal Dwarka Dass @60/- p.m.
Shri Shiv Kumar 50/- per month.
Shri Bhagat Singh Rs. 50/- per month.
Shri Jagdish Lal @ Rs. 25/- p.m.
Shri Dwarka Nath @ Rs. 25/- p.m.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building No. 1731 to 1737 situated in Karmo Deori Amritsar as mentioned in the sale deed No. 801/I dated 10-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 13-2-1980.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/337.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS.
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kothi No. 549 situated at Basant Avenue, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Amritsar in June 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Chuni Lal s/o Shri Barita Mal r/o Kothi No. 549, Basant Avenue, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Girdhari Lal s/o Shri Bhajan Lal r/o Kt. Ahluwalia Gali Lala Wali, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

1/2 share of Kothi No. 549 situated in Basant Avenue Amritsar as mentioned in the sale deed No. 944/I, dated 22-6-79 of the registering authority, Amritsar city.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. L. MAHAJAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-2-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/339.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Ktr. Sher Singh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Amritsar in June 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sardarni Uminder Kaur wd/o S. Binod Singh herself and guardian of Bibi Jaia Kaur, Harsanran Kaur Vasant Kaur and Sukhmani Kaur her daughters, Amritsar.

(Transferor)

(2) S. Varyam Singh, Makhan Singh, Darshan Singh ss/o Harnam Singh, r/o 62, Rani Ka Bagh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenants.

1. Shri Devi Dayal 5/- p.m.
2. Shri Devi Dayal 12/- p.m.
3. Gian Chand 32/- p.m.
4. Harnam Singh 15/- p.m.
5. Balwant Rai 8/- p.m.
6. Madan Mohan 10/- p.m.
7. Harnam Singh 20/- p.m.
8. Hans Raj 15/- p.m.
9. Ram Pal 20/- p.m.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 2046/12 situated in Katra Sher Singh (area 335 sq. yds.) as mentioned in the sale deed No. 765/dated 6-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-2-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/340.—Whereas, I M. L. MAHAJAN IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Plot of land at Krishan Nagar, Lawrence Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Harish Kumar s/o Sh. Bhagwan Dass r/o Ktr. Parja, Amritsar (Transferor)
- (2) Smt. Mohinder Kaur w/o Shri Harbhajan Singh r/o Lawrence Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any Person(s) in occupation of the Property
- (4) Any other [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

THE SCHEDULE

One plot of land khasra No. 641, Min situated at Krishan Nagar, Lawrence Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 990/I dated 29-6-79 of the registering authority, Amritsar city.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 3, Chanderpuri Tylor Road,
Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-2-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/341.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Agrl. land in village Baserke, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Avtar Singh, Iqbal Singh, Nirvel Singh Ss/o Gurdial Singh r/o Village Baserke, Teh. Amritsar. (Transferor)
- (2) S. Baldev Singh, Jagir Singh Ss/o Gurniemat Singh r/o Kala Ghanupur, Tehsil Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any Person(s) in occupation of the Property
- (4) Any other [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 35 kanals 17 marlas situated in village Baserke, Teh Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1898/11-6-79 of the registering authority, Amritsar.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 3, Chanderpuri Tylor Road,
Amritsar.

Date : 13-2-80
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/342.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Plot of land at Queens Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Smt. Mohinder Kaur wd/o S. Karam Singh & Satish Inder Singh s/o Charan Singh r/o 3, Queen Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) S. Jaspal Singh s/o Jit Singh r/o 17-Maqbul Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) S/Shri Sapto & Gulab Singh tenants.
Person(s) in occupation of the Property

(4) Any other
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 1 with rooms on the back side situated on queens road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 680/I dated 4-6-79 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 3, Chanderpuri Tylor Road,
Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-2-80

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 13th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/343.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One building Jail Road, Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Keshav Chander s/o Sh. Gurdas Mal self & S.A. of Kamal Kumar his brothers & Sh. Raman Kumar, Jagdish Kumar S/o Sh. Mulakh Raj r/o Tahli Sahib, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Kewal Krishan s/o Sh. Babu Ram, Smt. Nirmal W/o Sh. Kewal Krishan, Santokh Kumari d/o Sh. Babu Ram, r/o B. R. Modern School, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any Person(s) in occupation of the Property

(4) Any other [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One kothi No. 21 situated on Plot No. 137, Jail Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 780/I dated 11-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, 3, Chanderpuri Tylor Road,
Amritsar.

Date : 13-2-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/344.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at One building in Gali Upalan, Guru Bazar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
35—506GI/79

(1) Hajur Baba Madhusudhan Singh s/o Baba Davinder Singh r/o Una Distt. Una.
Amritsar.

(2) Smt. Ajit Kaur w/o Bahadur Singh, Jasmit Kaur w/o Rajinder Singh, Hans Raj s/o Bhanju Ram, Swinder Singh, Surinder Kaur w/o Surjit Singh, r/o Sharifpura Rani Bazar, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at St. No. 2 overleaf and tenant(s) if any Person(s) in occupation of the Property

(4) Any other [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building No. 198/2 Rakba No. 158/II-3 situated in Guru Bazar, Gali Upalan, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 835/I dated 15-6-79 of the registering authority Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
3, Chanderpuri Tylor Road,
Amritsar.

Date : 13-2-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/345.—Whereas J. M. L. MAHAJAN IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop in Darshani Deori Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ASR in 4 June 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Ram Piari wd/o Sh. Om Parkash, Smt. Kamlesh Kapur d/o Om Parkash w/o Sh. Ram Dass Kapur r/o Kennedy Avenue, Amritsar and Sh. Suresh Kumar s/o Sh. Om Parkash r/o bazar Guru Kucha Shivala wala Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Banarsi Dass Mahajan s/o Sh. Ram Rattan, Sh. Davinder Kumar, Sh. Narinder Kumar S/o Sh. Banarsi Dass, r/o Bazar Darbar Deori, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any M/s. Banarsi Lal Mahajan & Sons 60/p.m. Sh. Ravi Chand Shingari 70/- p.m.
[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any other person(s) interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop two storeyed No. 3406/2, 733/2 situated in Darshani Deori, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 695/I dated 4-6-79 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 3, Chanderpuri Tylor Road

Date : 14-2-80
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 15th February 1980

Ref. No. Ajnala/79-80/346.—Whereas J. M. L. MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land situated at Ajnala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer SR at Ajnala in June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Harbhajan Singh s/o Sh. Kartar Singh 9/88, Smt. Puran Kaur wd/o Sh. Gurdial Singh Sh. Rattan Singh, Sh. Harbans Singh, Sh. Amrik Singh Ss./o Sh. Gurdial Singh and Smt. Paramjit Kaur d/o Sh. Gurdial Singh 79/88 share, r/o Ajnala Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Dharam Singh S/o Dewan Singh s/o Sh. Jhanda Singh r/o Ajnala, Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the property]

(4) Any other (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Agrl. land measuring 4 kanals 8 marlas situated in Ajnala Distt. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1008 dated 1-6-79 of the registering authority Ajnala.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road,
Amritsar.

Date : 15-2-80.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 15th February 1980

Ref. No. Ajnala/79-80/347.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Village Ajnala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Ajnala in June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Harbhajan Singh s/o Sh. Kartar Singh s/o Lachhman Singh r/o Ajnala, Distt. Amritsar.
(Transferor)
- (2) Sh. Dharam Singh s/o Dewan Singh Sh. Jhanda Singh r/o Ajnala Distt. Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any other person(s) interested in the property.
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 8 K 12 M situated in Town Ajnala, Distt. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1127 dated 5-6-79 of the registering authority, Ajnala.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road,
Amritsar.

Date : 15-2-80.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/348.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot situated at Race Course Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Kuldip Singh s/o Sh. Munshi Ram c/o Kuldip Electric works, Hall Bazar, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Rajinder Singh S/o Sh. Kartar Singh r/o Tehsilpura, Gali No. 3, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any other person(s) interested in the property (Person(s) whom the undersigned knows be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot measuring 251 sq. yds situated in Race Course Road, Amritsar as mentioned in sale deed No. 737/I dt. 6-6-79 of the registering authority Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road,
Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-2-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/349.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding One plot at Rani Ka Bagh
Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Sh. Bhim Sain s/o Rup Lal, Shanti Sarup, Davinder Kumar S/o Rup Lal Bajria, Bhim Sain Mukhtar Aam r/o Model Town Delhi now at Amritsar.
(Transferor)

(2) Smt. Champa Rani w/o Jagdish Chand r/o Rani Ka Bagh, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person(s) in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 262 1/2 sq. mtrs situated in Rani Ka Bagh as mentioned in the sale deed No. 732/I dated 6-6-79 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road,
Amritsar.

Date : 18-2-80

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 18th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/350.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot at Rani Ka Bagh situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Bhim Sain s/o Rup Lal, Shanti Sarup & Davinder Kumar S/o Rup Lal Bajria Bhim Sain Mukhtar Aam r/o Model Town Delhi now at Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Vijay Sharma w/o Ashok Kumar House No. 187 Rani Ka Bagh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

One plot measuring 241 sq. mtrs situated in Rani Ka Bagh Amritsar as mentioned in the sale deed No. 707/I dated 4-6-79 of the registering authority, Amritsar city.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road,
Amritsar

Date : 18-2-80.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/351.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Sohian Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Naranjan Kaur wd/o Kesar Singh r/o Sohian Kalan, Tehsil Amritsar.
(Transferor)

(2) Sh. Jag Bahadur, Kashmiri Lal, Kasturi Lal, Dwarka Nath S/o Behari Lal r/o Sohian Kalan, Tehsil Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 44 kanals 9 marlas situated in village Sohian Kalan Teh. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2105 dated 14-6-79 of the registering authority, Amritsar, Tehsil.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road,
Amritsar.

Date : 20-2-80
Seal :

FORM ITNS(1) Sh. Chuni Lal Gupta s/o Sh. Berita Mal r/o 549,
Basant Avenue, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Reshma Rani w/o Sh. Girdhari Lal r/o
Gali Lala wali, Ktr. Ahluwalia, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other

[Person(s) whom the undersigned knows to be
interested in the property]**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 13th February 1980

Ref. No. ASR/79-80/338.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 kothi No. 549 at Basant Avenue,
situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June, 1970

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share in kothi No. 549 situated in Basant Avenue, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 957/I dated 25-6-79 of the registering authority Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road,
Amritsar,

Date : 13-2-80

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
36—516GI/79

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 8th February 1980

Ref. No. CHD/67/79-80.—Whereas I, Sukhdev Chand Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1353, Sector 34-C situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Cap. Mann Singh Chahal s/o Sh. Karam Singh, r/o 112, Infantry Battalion (T.A.) Jullundur Cantt, through special Attorney Sh. Garish Bhasin s/o Sh. Pindi Dass Bhasin resident of SCF 6, Sector 22-D, Chandigarh.
(Transferee)

(2) Smt. Bhagwanti w/o Sh. Pindi Dass Bhasin & Shri Vinod Kumar s/o Sh. Pindi Dass Bhasin residents of 1562, Sector 34-D, Chandigarh.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1353 situated at Sector 34-C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 377 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-2-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 8th February 1980

Ref. No. CHD/65/79-80.—Whereas I, Sukhdev Chand, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 52, Sector 15-A situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Sarwan Singh s/o Sh. Sunder Singh r/o H. No. 3359 Sector 23-D Chandigarh (Permanant resident of 1/A, Chandernath Chaterjee Street, Calcutta-25).

(Transferor)

(2) Sh. Gurmeet Singh Tusri s/o Sh. Munshi Singh & Smt. Rajinder Kaur w/o Sh. Gurmeet Singh Tusri resident of Vill. Rangian P.O. Morinda Teh. & Distt. Ropar (Now resident of 295, Sector 15-A, Chandigarh).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 52 situated at Sector 15-A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 355 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 8th February 1980

Ref. No. CHD/116/79-80.—Whereas I, Sukhdev Chand being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 2318 Sector 35-C, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Joginder Nath Magan s/o Late Sh. Gurmuikh Ram Magan r/o H. No. 23, Sec. 32, Double Storey Moti Nagar, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Atam Sarup Chopra s/o Sh. Dawarka Dass Chopra, resident of House No. 1076, Sector 18-C, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2318 situated at Sector 35-C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 595 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-2-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th February 1980

Ref. No. CHD/64/79-80.—Whereas I, Sukhdev Chand Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 2, Sector 21-A situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Gurbaksh Kaur Sandhu w/o Lt. Col. Surinder Singh Sandhu resident of House No. 13, Sector 8-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Avtar Singh Gill s/o Sh. Gian Singh Vill. Bhungarni Distt. Hoshiarpur through General Attorney S. Bakhtawar Singh s/o Sh. Thakur Singh resident of 1313, Railway Road, Garshankar Dist. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) (i) Sh. Lal Chand Arora s/o Panna Lal, Distt. Hoshiarpur.

(ii) Sh. Harbhajan Singh Prop. Panchhi Enterprise, H. No. 2, Sector 21-A, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2, situated in Sector 21-A, Chandigarh.
 (The property as mentioned in the sale deed No. 353 of Junc. 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 8th February 1980

Ref. No. CHD/119/79-80.—Whereas I, Sukhdev Chand, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1415 situated at Sector 34-C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) S/Sh. Ravi Kant, Sudhir Mohan & Vijay Kumar sons of Sh. Ishar Dass Basi, resident of House No. 1922, Sector 22-B, Chandigarh, (Transferor)
- (2) Shri Sadhu Singh Gopal s/o Sh. Buta Ram Gopal resident of H. No. 1849, Sector 34-D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 1415, situated at Sector 34-C, Chandigarh, (The property as mentioned in the sale deed No. 638 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-2-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Sangat Ram & Mohinder Pal
ss/o Sh. Ratti Ram,
Lower Bazar, Solan.

(Transferor)

(2) S/Shri Inder Singh, Surinder Kumar
ss/o Sh. Sant Ram
c/o M/s. Sant Ram Madan Lal, Mull Road,
Solan (H.P.).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.****COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. SOI /7/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land measuring 732 sq. mts. situated at Lower Bazar, Solan (H.P.)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Solan in July 1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I
have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 732 sq. mts. situated at Lower Bazar, Solan.

(The property as mentioned in the sale deed No. 173 of July, 1979 of the Registering Authority, Solan).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. NBA/83/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop property situated at Bhambran Bazar, Nabha Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in June, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the effect of :—

- (1) Shri Ram Pal son of Shri Des Raj resident of Mukeria Street, Nabha Distt. Patiala.
(Transferor)
- (2) Smt. Sawitri Devi wd/o Sh. Dewan Santosh Kumar resident of Diwan Street, Nabha.
(Transferees)
- (3) M/s. Santosh Glass House,
Bhambran Bazar, Nabha.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop property situated at Bhambran Bazar, Nabha.

(The property as mentioned in the sale deed No. 925 of June, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-2-1980

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) S/Sh. Jagwant Singh, Labh Singh, Bhupinder Singh, Karam Singh & Hargobind Singh ss/o Sh. Hardial Singh r/o Diugarh Sub-Tehsil Patran.

(Transferor)

(2) Shri Gauri Shankar son of Shri Suraj Bhan resident of Patran.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. PTR/5/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land measuring 16 kanals situated at Village Diugarh Sub-Teh. Patran

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patran in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
37—516GT/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 16 kanals situated at Vill. Diugarh Sub-Teh. Patran.

(The property as mentioned in the sale deed No. 467 of June, 1979 of the Registering Authority, Patran).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7 Feb. 1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. PTR/4/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land measuring 45 kanal 7 marlas situated at Vill. Diugarpur Sub-Teh. Patran

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patran in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Sh. Jagwant Singh, Labh Singh, Bhupinder Singh, Karam Singh & Hargobind Singh ss/o Sh. Hardial Singh resident of Village Diugarpur Distt. Patiala Sub-Teh. Patran.

(Transferor)

(2) S/Shri Dwarka Dass, Rishi Pal, Dhali Ram alias Janak Raj, Parm Ved and Khazan Chand sons of Sh. Gaunt Shankar Resident of Patran.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land measuring 45 kanal 7 marlas situated at Vill. Diugarpur Sub-Teh. Patran.

(The property as mentioned in the sale decr. No. 466 of June, 1979 of the Registering Authority, Patran).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7 Feb. 1980

Seal :

FORM 11NS

(1) S/Sh. Joginder Singh & Mohinder Singh
ss/o Sh. Amar Singh resident of Vill. Sutiana
Tehsil Patran.

(Transferor)

(2) S/Shri Attar Chand, Simla Ram & Roshan Lal
ss/o Sh. Lal Chand, residents of Sutiana Sub-Teh.
Patran.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. PTR/21/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 54 kanals situated at Vill. Sutiana Sub-Teh Patran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patran in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 54 kanals situated at Vill. Sutiana Sub-Teh. Patran.

(The property as mentioned in the sale deed No. 779 of June, 1979 of the Registering Authority, Patran).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7 Feb. 1980
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Bhawinder Singh s/o Sh. Chet Singh
Resident of Lower Mall, Patiala.
(Transferor)
- (2) Shri Om Parkash Jain son of Shri Seeta Ram Jain,
Jand Gali, Patiala.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. PTA/130/79-80.—Whereas I, SUKHDEV Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land measuring 437-5/9 sq. yds. situated at New Lal Bagh Opp. Polo Ground, Lower Mall Road, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 437-5/9 sq. yds. situated in New Lal Bagh Opp. Polo Ground, Lower Mall Road, Patiala, (The property as mentioned in the sale deed No. 1734 of June, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 7-2-80
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Bhajan Lal son of Shri Jawahar Lal
Resident of Samana.
(Transferor)
- (2) Shri Harjinder Singh s/o Sh. Sucha Singh,
resident of Vill. Kutaban Teh. Samana.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. SMN/20/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land measuring 87 kanal 9 marlas situated at Vill. Kutaban Teh. Samana Distt. Patiala

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Samana in June, 1979

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 87 kanals 9 marlas situated at Kutaban Teh. Samana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 489 of June, 1979 of the Registering Authority, Samana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-2-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. PTR/6/79-80.—Whereas J. SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land measuring 68 kanals 3 marlas situated at Village Khanewal Sub-Teh. Patran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patran in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Ch. Hardev Singh, Baldev Singh, Durshan Singh & Lila Singh ss/o Sh. Hazura Singh resident of Village Khanewal Sub Teh. Patran.
(Transferor)

(2) Shri Balwant Singh son of Shri Lachhman Singh resident of Village Khanewal Sub-Teh. Patran.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Agrl. land measuring 68 Kanals 3 marlas situated at Vill. Khanewal Sub-Teh. Patran.
(The property as mentioned in the sale deed No. 478 of June, 1979 of the Registering Authority, Patran).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7 Feb. 1980

Seal :

FORM ITN S.—

- (1) S/Sh. Daya Singh & Bir Singh
ss/o Sh. Nihal Singh resident of Khanewal, Sub-Teh.
Patran Distt. Patiala.
(Transferor)
- (2) S/Sh. Harday Singh, Baldev Singh & Darshan Singh,
Leela Singh ss/o Sh. Hazorra Singh resident of
Village Hariaon Kulan Sub-Teh. Patran Distt.
Patiala.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. PTR/14/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition
Range, Ludhiana
being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and being

No. Agri. land measuring 61 kanals 12 marlas situated at
Vill. Khanewal Sub-Teh. Patran Distt. Patiala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Patran in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agri. land measuring 61 kanals 12 marlas, situated at
Vill. Khanewal Sub-Teh. Patran Distt. Patiala.
(The property as mentioned in the sale deed No. 595 of June, 1979 of the Registering Authority, Patran).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 7 Feb. 1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
 CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. PTR/18/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agl. land measuring 72 kanals 2 marlas situated at Vill. Khanewal Sub-Teh. Patran Dist. Patiala (and more fully described in the Echeduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patran in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Harpal Singh s/o Sh. Gujar Singh resident of Village Khanewal Sub-Teh. Patran Dist. Patiala. (Transferor)

(2) S/Sh. Kirpal Singh, Gian Singh, Mewa Singh & Basakha Singh ss/o Sh. Chuhar Singh resident of Hariao Kalan Sub-Teh. Patran Dist. Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agl. land measuring 72 kanals 2 marlas situated at Vill. Khanewal Sub-Teh. Patran Dist. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 667 of June, 1979 of the Registering Authority, Patran).

SUKHDEV CHAND
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-2-1980

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) S/Shri Kirpal Singh, Gian Singh & Mewa Singh
S/o Shri Chuhar Singh,
Resident of Hariao Kalan Sub-Teh. Patran,
Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Virsha Singh & Bir Singh
S/o Shri Nihal Singh,
Resident of Village Khanewal Sub-Teh. Patran,
Distt. Patiala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. PTR/13/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land measuring 51 kanal 1 marlas situated at Vill. Khanewal Sub-Teh. Patran Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patran in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 51 kanals 1 marlas situated at Vill. Khanewal Sub-Teh. Patran Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 594 of June, 1979 of the Registering Authority, Patran.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7th Feb. 1980
Seal :

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

38—516GI/79

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA**

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. DBS/31/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land measuring 12 kanal 15 marlas situated at Vill. Lohgarh Sub-Teh. Dera Bassi Distt. Patiala has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Sukhinder Singh s/o Shri Narinder Singh S/o Shri Dasaunder Singh, R/o Village Sanault Sub-Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Mrs. Devinder Kaur Sethi W/o Shri Jaspal Singh s/o Shri Sant Singh, Resident of 211, Sector 35-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 12 kanals 15 marlas situated at Vill. Lohgarh Sub-Teh. Dera Bassi Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 396 of June, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sunahri w/o Shri Rattan Singh,
Village Banwari Tehsil Rajpura,
Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) M/s. Sarswati General Mills,
Township Rajpura, District Patiala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. RAJ/69/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land measuring 8 bighas 14 biswas situated at Village Banwari Tehsil Rajpura, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajpura in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 8 bighas 14 biswas situated at Village Banwari Tehsil Rajpura, District Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1130 of June, 1979 of the Registering Authority, Rajpura.)

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-2-1980
Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. SOL/5/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/2 share of land and building built on land measuring 844 sq. yds. situated at Tank Road, Ser Solan (H.P.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Solan in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhim Sain Mehra s/o Radha Ram, Bazar Bansawala, Jullundur through Shri Kanwar Sain Mehra General Attorney.

(Transferor)

(2) Shri Jaswant Rai s/o Shri Nathi Ram, D.S.P. (Hqrs.) Central Police Office, Bentony, Simla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in plot measuring 844 sq. yds. and building on Tank Road, Ser Solan (H.P.).

(The property as mentioned in the sale deed No. 142 of June, 1979 of the Registering Authority, Solan.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 7-2-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sher Jang Singh s/o Shri Ranbir Singh
Resident of Village Nagla Sub-Teh. Dera Bassi,
Distt. Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. DBS/36/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agrl. land measuring 12 bighas situated at Village Nagla Sub-Teh. Dera Bassi Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agr. land measuring 12 bighas situated at Village Nagla Sub-Teh. Dera Bassi Distt. Patiala,

(The property as mentioned in the sale deed No. 468 of June, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. PTA/174/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 2/3 measuring 500 sq. yds.
situated at The Mall, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Anup Singh & Col. Rupinder Singh
S/o Late General Chanda Singh and
Smt. Sukhjit Kaur w/o Shri Kirpal Singh
Resident of General Chanda Singh House, the Mall,
Patiala.

(Transferee)

(2) Dr. Naresh Garg son of Shri Prem Pal Garg,
Resident of 12-Y, the Mall, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential plot No. 2 & 3, measuring 500 sq. yds. situated at the Mall, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2243 of June, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7th Feb. 1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. PTR/8/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land measuring 42 kanals situated at Village Sutiana Tehsil Patran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patran in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Balbir Singh, Harjot Singh
S/o Shri Bhagwant Singh
Resident of Village Sutiana Teh. Patran,
Distt. Patiala.
(Transferor)

(2) S/Shri Harbhajan Singh & Mangal Singh
S/o Shri Amar Singh
Resident of Village Sutiana Sub-Teh. Patran,
Distt. Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 42 kanals situated in Village Sutiana Sub-Teh. Patran, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 502 of June, 1979 of the Registering Authority, Patran.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7th Feb. 1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA**

Ludhiana, the 7th February 1980

Ref. No. PTR/7/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land measuring 42 kanals situated at Village Sutran Sub-Teh. Patran Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patran in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Smt. Beant Kaur wd/o Shri Bhagwant Singh and Shri Jasbir Singh s/o Shri Bhagwant Singh r/o Village Sutran Teh. Patran, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) S/Shri Harbhajan Singh & Jasbir Singh Ss/o Shri Amar Singh, r/o Village Sutran Teh. Patran, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 42 kanals situated in Village Sutran Sub-Teh. Patran Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 501 of June, 1979 of the Registering Authority, Patran.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7th Feb. 1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th February 1980

Ref. No. CHD/86/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Show room site No. 58, Sector 26 situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

39—5 6GI/79

- (1) (i) Shri Ashok Bansal s/o Shri Banwari Lal Bansal,
 (ii) Smt. Mira Bansal w/o Shri Yashvir Bansal Through General Attorney Shri Ashok Kumar Bansal,
- (iii) Smt. Rattan Kumari w/o Banwari Lal Bansal,
 (iv) Smt. Sushil Kumari Goyal
 (v) w/o Shri Harish Chandra Goyal.
 (vi) Smt. Neelam Kumari w/o Shri Mukesh Chander,
 Sh. Yogesh Goyal s/o Sh. Harish Chander Goyal All residents of H. No. 17, Sector 10-A, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri Hartar Singh Sangha
 S/o Shri Bikramjit Sangha and
 Smt. Avtar Kaur d/o Shri Charan Singh Through General Attorney Shri Paramjit Singh of 832, Village & P.O. Kala Sanghan Distt. Kapurthala.

(Transferee)

- (3) Shri Paramjit Singh Pattar,
 SCO 58/25, Chandigarh.
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Show room site No. 58 situated at Sector 26, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 442 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8 Feb. 1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th February 1980

Ref. No. CHD/124/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1127 situated at Sector 34-C, Chandigarh with house building erected thereon situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Chandigarh in July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Maj. Abjit Lal Teri s/o Shri Nand Lal Teri
 No. 1, Air Formation, Signal Rignment
 C/o 56 A.P.O. through Spl. Attorney Shri Dalip Singh Sekhon Sekhon s/o Shri Kartar Singh,
 Resident of H. No. 287, Sector 23-A,
 Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Hardial Kaur w/o Shri Dalip Singh Sekhon,
 Resident of H. No. 1127, Sector 34-C,
 Chandigarh.

(Transferee)

(4) The Estate Officer Union Territory Chandigarh.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1127 situated at Sector 34-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 696 of July, 1979 and building erected thereon, of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8 Feb. 1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gian Chand Sharma s/o Mulkh Raj Sharma,
Contractor, resident of Roop Nagar
(Ropar).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th February 1980

Ref. No. RAJ/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land measuring 500 sq. yds. bearing No. 22, situated at Guru Nanak Colony, Rajpura Town, Rajpura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajpura in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Satish Bhardwaj, (Advocate)
Son of Shri Rajinder Nath
Civil Courts, Rajpura Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 500 sq. yds. at 22, Guru Nanak Colony, Rajpura Town Rajpura, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1309 of June, 1979 of the Registering Authority, Rajpura.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dato : 8 Feb. 1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Rajinder Kaur D/o Shri Amar Singh,
R/o Mata Rani Mohalla, Near Gurdwara,
Khanna,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Khanna Mandi Crop House Building Co-op.
Society Ltd. Bhari (Khanna).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd February 1980

Ref. No. KNN/16/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 4 kanal 18 Marlas situated at Khanna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khanna in June, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanals 18 marlas situated at Khanna.

(The property as mentioned in the saledeed No. 498 of 6/79 of the Registering Authority, Khanna.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22 Feb. 1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Gurdial Kaur W/o Shri Amar Singh,
Mata Rani Mohala, near Gurdwara,
Khanna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd February 1980

Ref. No. KNN/29/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 4 Kanal 18 Marlas situated at Khanna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khanna in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) The Khanna Mandi Co-op House Building Society, Ltd. Bhari (Khanna). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.



THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanals 18 marlas situated at Khanna.
(The property as mentioned in the sale deed No. 736 of 6/79 of the Registering Authority, Khanna.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 22 Feb. 1980

Seal :

